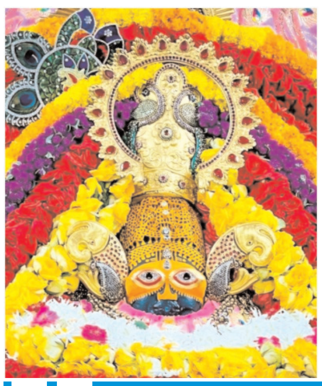

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:260। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (मंगलवार) 12 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

देश में 60 दिनों का तेल व गैस

• 45 दिनों का रसोई गैस व 703 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत में ईंधन, यानी पेट्रोल-डीजल व गैस, का पर्याप्त भंडार है। देश में फिलहाल 60 दिनों का कच्चा तेल भंडार, 60 दिनों का प्राकृतिक गैस भंडार, तथा 45 दिनों का रसोई गैस भंडार उपलब्ध है। साथ ही, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 703 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर बना हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही सरकार ने बताया कि भारत तेल शोधन करने वाला दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है और चौथा सबसे बड़ा पेट्रोलियम उत्पाद निर्यातक भी है। भारत वर्तमान समय में 150 से अधिक देशों को निर्यात कर रहा है तथा घरेलू मांग भी पूरी की जा रही है। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को पश्चिम एशिया की

स्थिति पर गठित मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की पांचवीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में बताया गया कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत में पिछले 70 दिनों से पेट्रोलियम कीमतों को स्थिर रखा गया है, जबकि कई देशों में कीमतों में 30 से 70 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण भारतीय तेल कंपनियां प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ रुपए का नुकसान उठा रही हैं और वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में नुकसान करीब 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच रहा है। इसके बावजूद सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों का पूरा बोझ आम नागरिकों पर न पड़े।

> बैठक में राजनाथ सिंह ने कहा कि वर्तमान में ईंधन संरक्षण केवल तत्काल बचत के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की दीर्घकालिक क्षमता निर्माण और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि संकट लंबा चलता है तो अपनी तैयारी बनाए रखने के लिए अभी से जिम्मेदार तरीके से खपत की संस्कृति विकसित करना आवश्यक है।

केरल के सीएम फेस पर सस्पेंस खत्म होने की उम्मीद

• कांग्रेस हाईकमान ने राज्य के नेताओं को दिल्ली किया तलब

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर चल रहा सस्पेंस अब खत्म होने की उम्मीद है, कांग्रेस हाईकमान नई दिल्ली में विचार-विमर्श तेज कर रहा है, और इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अगले 48 घंटों के भीतर अंतिम घोषणा हो सकती है। कई दिनों की अनिश्चितता और पार्टी के कुछ वर्गों के भीतर बढ़ते तनाव के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने अब सीएम पद के लिए सर्वसम्मति से उम्मीदवार को अंतिम रूप देने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। इन महत्वपूर्ण विचार-विमर्शों के केंद्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे हैं, जिन्होंने सोमवार को सीएम फेस पर चर्चा की। ऐसा माना जा रहा है कि राहुल गांधी ने अपनी बहन और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से भी सलाह ली है, जबकि अंतिम

निर्णय लेने से पहले गठबंधन के सहयोगी नेताओं के साथ टेलीफोन पर परामर्श होने की उम्मीद है। इस बीच हाईकमान ने राज्य कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और राज्य इकाई अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया है, जो इस बात का संकेत है कि नेतृत्व अब परामर्श के अंतिम चरण में है।

के. सुधाकरन, के. मुरलीधरन, एमएम हसन और तिरुवरूर राधाकृष्णन सहित वरिष्ठ नेताओं के सोमवार रात तक राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने की उम्मीद है। चर्चा का यह दौर ऐसे समय में हो रहा है, जब इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे आगे चल रहे उम्मीदवार के रूप में उभरे हैं। सूत्रों ने बताया कि उच्च कमान की सीधी देखरेख में हुई चर्चाओं में वेणुगोपाल के पक्ष में रुझान बढ़ता जा रहा है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा करने से पहले नेतृत्व राज्य इकाई के भीतर परस्पर विरोधी हितों को संभालने के बारे में सतर्क है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि गठबंधन के सहयोगी दल पार्टी द्वारा घोषित किए जाने पर सीएम फेस का विरोध नहीं करेंगे। खबरों के मुताबिक, गठबंधन के सहयोगी दलों ने पार्टी के हाईकमान को यह बता दिया है कि पार्टी अपने नेता को चुनने के लिए स्वतंत्र है।

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने किया विभागों का बंटवारा

पहली कैबिनेट बैठक में लिए कई अहम निर्णय

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के बाद मंत्रियों के बीच पोर्टफोलियो के बंटवारे की खबर सामने आई है। दिलीप घोष को ग्रामीण विकास, पंचायत और पशुधन विभाग दिया गया है, जबकि अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। अशोक कीर्तनिया को खाद्य विभाग और खुदीराम टुडू को पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग दिया गया है। इसके साथ ही निसिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास, खेल और युवा कल्याण विभाग सौंपा गया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गृह विभाग अपने पास रखा है।

इससे पहले पश्चिम बंगाल के नवगठित मंत्रिमंडल की पहली बैठक सोमवार को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई। इसमें बांग्लादेश के साथ वर्तमान में बिना बाड़ वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कांटेदार बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 45 दिनों के भीतर भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया गया।

कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि नई कैबिनेट के

गठन के 45 दिनों के भीतर बीएसएफ को जमीन सौंपने का वादा भाजपा के संकल्प पत्र में किया गया था और गृह मंत्री अमित शाह ने भी इसकी घोषणा की थी। बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'नई कैबिनेट की पहली बैठक में इस फैसले को मंजूरी दे दी गई।' बैठक में पारित दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय पश्चिम बंगाल में केंद्र प्रायोजित स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत को लागू किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस की पिछली सरकार ने इस योजना को इस आधार पर लागू नहीं किया था कि राज्य की अपनी स्वास्थ्य बीमा योजना 'स्वस्थ साथी' लागू होने के कारण केंद्र सरकार की योजना अनावश्यक थी।

तमिलनाडु में टीवीके विधायक प्रभाकर का विधानसभा अध्यक्ष बनना तय

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की 17वीं विधानसभा के अध्यक्ष पद पर तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के विधायक जेसीडी प्रभाकर का निर्विरोध निर्वाचन तय है। विधानसभा अध्यक्ष पद के चुनाव में नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन सोमवार को सिर्फ प्रभाकर ने नामांकन किया। इस कारण उनके निर्विरोध निर्वाचन की सिर्फ घोषणा बाकी है। सत्तारूढ़ टीवीके के मुताबिक विधानसभा अध्यक्ष पद पर निर्वाचन की घोषणा मंगलवार को आधिकारिक रूप से की जाएगी, जिसके बाद वे सदन की कार्यवाही के संचालन की अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। इसी क्रम में विधानसभा उपाध्यक्ष पद के लिए तुरैयूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविशंकर के नाम पर भी सहमति बन गई है। ऐसी उम्मीद है कि विधानसभा अध्यक्ष के निर्वाचन की घोषणा के बाद उपाध्यक्ष पद पर रविशंकर के नाम की घोषणा भी कर दी जाएगी।73 वर्षीय प्रभाकर एक अनुभवी राजनेता हैं। उन्होंने इसी वर्ष जनवरी में टीवीके प्रमुख जोसेफ विजय की उपस्थिति में टीवीके की सदस्यता ग्रहण की थी। हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में उन्होंने थाउजेंड लाइट्स निर्वाचन क्षेत्र से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के उम्मीदवार एझिलन नागनाथन को 15,141 मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की थी। राजनीतिक

विश्लेषकों का मानना है कि प्रभाकर का निर्विरोध चुना जाना न केवल उनकी राजनीतिक स्वीकार्यता को दर्शाता है, बल्कि विधानसभा में मौजूदा संतुलन और सहमति की स्थिति को भी उजागर करता है। उनके अध्यक्ष बनने के बाद सदन की कार्यवाही अधिक व्यवस्थित, संतुलित और प्रभावी रूप से संचालित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सुधांशु त्रिवेदी ने पीएम मोदी की अपील पर विपक्ष की आलोचना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोना न खरीदने और खाद्य तेल कम इस्तेमाल करने की अपील का विरोध करने वालों पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष विपक्ष को इस मुद्दे पर राजनीति करने से बचने की सलाह दी। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि पूरा विश्व अभूतपूर्व और ऐतिहासिक संकट से गुजर रहा है। मध्य पूर्व, पश्चिम एशिया और यूरोप में युद्ध चल रहा है। थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर भी तनाव है और ताइवान सीमा पर भी तनाव की खबरें आती रहती हैं। ऐसे संकट के समय में, जब पूरे विश्व के सामने न केवल सुरक्षा बल्कि आर्थिक और ऊर्जा संकट भी पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि अमेरिका और यूरोप में पेट्रोल के दाम 20 से 40 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जबकि अफ्रीकी देशों में यह बढ़ोतरी 60 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कैलिफोर्निया में तो पेट्रोल भारतीय करेंसी में 140 रुपए प्रति लीटर में मिल रहा है।

> 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नागरिकों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सजगता, सतर्कता और सावधानी बरतने का आह्वान किया है।'

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नागरिकों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सजगता, सतर्कता और सावधानी बरतने का आह्वान किया है। यह हम सभी की आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक है। इस पर विपक्ष के आरोप दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इस समय विपक्ष को अपनी विद्वेषपूर्ण राजनीति से बाज आना चाहिए।भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो कहा है, वह सरकार की जिम्मेदारी है। यह ठीक उसी तरह है जैसे सुनामी या तूफान की आशंका के समय सरकार लोगों को ऐहतियात बरतने की सलाह देती है। इसका यह मतलब नहीं है कि

सरकार किसी की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश कर रही है। ऐसे समय में हर गांव, शहर, जिले और क्षेत्र की सुरक्षा और सुचारू संचालन के लिए यह आवश्यक हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष एक बार फिर सरकार, पीएम मोदी और भाजपा का विरोध करते-करते देश का विरोध करने लगा है।

सनसनी: जैन मुनि हनीट्रैप कांड में गुजरात का सबसे बड़ा धमाका!

षड्यंत्रकारी सावधान! मुनि को फंसाने के लिए रचा गया था करोड़ों का ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट; 'महानगर मेट्रो' की जांच में सफेदपोशों के उतरे नकाब!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। जैन शासन की आस्था पर प्रहार करने वाले अब सावधान हो जाएं! जैन मुनि राजतिलक सागरजी महाराज को हनीट्रैप में फंसाने, उनकी छवि धूमिल करने और उनसे करोड़ों रुपये वसूलने के जिस गंदे खेल की शुरुआत हुई थी, उसका अब पर्दाफाश हो चुका है। यह कोई साधारण मामला नहीं है, बल्कि प्रभावशाली संतों को निशाना बनाकर 'सेटलमेंट' के नाम पर दुकान चलाने वाले एक संगठित ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट का भंडाफोड़ है।

हलफनामे ने मचाया हड़कंप: FIR की नीयत पर सवाल!

इस मामले में शिकायतकर्ता किरण दोषी और उनकी पत्नी के जो कथित हलफनामे सामने आए हैं, उन्होंने पूरी जांच की दिशा ही बदल दी है। ये दस्तावेज चीख-चीख कर कह रहे हैं कि इस केस में जो दिख रहा है वह सच नहीं है, और जो सच है वह अत्यंत भयावह है।

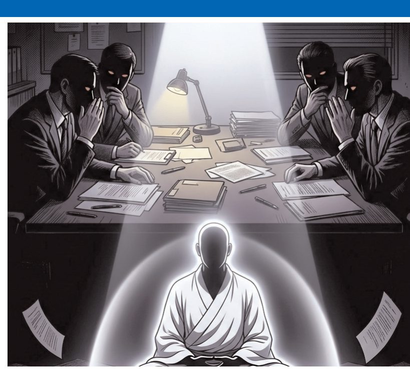

क्या यह FIR मात्र मुनि पर दबाव बनाने का एक हथियार थी?

करोड़ों की इस अवैध उगाही के पीछे असली 'मास्टरमाइंड' कौन है?

इन सवालों ने आज जैन समाज और पुलिस महकमे में भारी हलचल मचा दी है।

हार्दिक हुडिया एंड कंपनी: इन नामों पर क्यों उठ रही है उंगली?

सूत्रों के अनुसार, इस हाई-प्रोफाइल कांड में हार्दिक हुडिया, जगत पारेख, विक्रम सिंघवी और विक्रम बाफना जैसे नाम चर्चा के केंद्र में हैं। क्या ये लोग ही पर्दे के पीछे रहकर पूरी स्क्रिप्ट लिख रहे थे? जैसे-जैसे जांच की आंच तेज हो रही है, इन नामों में खौफ साफ देखा जा सकता है। माना जा रहा है कि सत्य सामने आते ही कई रसूखदार चेहरों पर से मुखौटे उतर जाएंगे।

सत्य आते ही बौखलाहट: धमकियों का दौर शुरू!

जैसे-जैसे 'महानगर मेट्रो' और मीडिया इस केस की तह तक पहुंच रहे हैं, षड्यंत्रकारियों में घबराहट बढ़ती जा रही है। अफवाहें फैलाना, मीडिया पर दबाव बनाना और जांच को गुमराह करने के हर संभव पैंतरे आजमाए जा रहे हैं। लेकिन याद रहे...

'सत्य का गला घोंटने वाले जान लें कि पत्रकारिता का कैमरा और कलम किसी के दबाव में नहीं झुकेंगे। हर पाप का हिसाब सार्वजनिक रूप से होगा।'

— **पवन माकन**
(ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो)

जैन समाज में उबाल: धर्म के नाम पर धंधा नहीं चलेगा

इस घटना के बाद पूरे जैन समाज में भारी रोष है। समाज के अग्रणी नेता एक स्वर में कह रहे हैं कि संतों की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने वाला व्यक्ति चाहे कितना भी रसूखदार क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। धर्म की आड़ में चल रही इस गंदी राजनीति का अंत होना अब निश्चित है।

'महानगर मेट्रो' के तीखे सवाल:

1. क्या पुलिस इस ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट के अंतिम सिरे तक पहुंच पाएगी?
2. करोड़ों के सेटलमेंट का खेल खेलने वाले 'सफेदपोश गुंडे' क्या जेल की सलाखों के पीछे जाएंगे?
3. क्या जांच एजेंसियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले इस नेटवर्क को ध्वस्त कर पाएंगी?

सत्य अभी और भी है... देखते रहिए 'पाक्को गुजरात' और 'महानगर मेट्रो' की विशेष पड़ताल!

शुभेंदु अधिकारी पीए हत्या के तीन आरोपितों को 13 दिनों की सीआईडी हिरासत

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में पुलिस ने बिहार और उत्तर प्रदेश से तीन शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों को सोमवार को उत्तर 24 परगना जिला स्थित बारासात एसीजेएम अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने इन्हें 13 दिनों की सीआईडी हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीआईडी आरोपितों से पूछताछ कर हत्या की साजिश, फंडिंग, हथियार सप्लाई और संभावित मास्टरमाइंड के बारे में जानकारी जुटाएगी।आरोपितों में एक को बिहार के बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र से पकड़ा गया, जबकि दो को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल पुलिस, बिहार पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच में जुटी हुई हैं।जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपितों ने टोल प्लाजा पर ऑनलाइन पेमेंट किया था। इसी डिजिटल लेनदेन के आधार पर पुलिस को आरोपितों तक पहुंचने में सफलता मिली।

असम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का 12 मई को शपथ ग्रहण समारोह

• प्रधानमंत्री सहित कई दिग्गज होंगे

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के नव नियुक्त मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं। यह भव्य आयोजन 12 मई को आयोजित होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, 22 राज्यों के मुख्यमंत्री, कई केंद्रीय मंत्री, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शीर्ष नेता तथा बड़े उद्योगपति शामिल होने की संभावना है।

इस अवसर पर असम में भाजपा और राजग के बूथ अध्यक्षों के साथ-साथ पंचायत स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है, जिससे कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप मिला है। आमंत्रित प्रमुख अतिथियों में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा एवं

उपमुख्यमंत्री प्रेस्टन टाइनसोंग, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो एवं उपमुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग सहित भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ मंत्री शामिल हैं।

केवल मंदिरों की दीवारों में नहीं, बल्कि भारत की चेतना में बसता है सनातन: योगी

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ संकल्प महोत्सव में बोले मुख्यमंत्री

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि 1000 वर्ष पूर्व विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी सहित अन्य विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर 17 बार आक्रमण कर उसके वैभव को खंडित करने का प्रयास किया

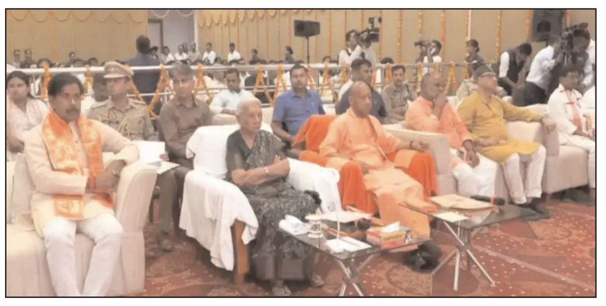

था। क्योंकि उन्हें यह भ्रम था कि मूर्तियों को खंडित करके इसके वैभव को लूट कर भारत की सनातनी आत्मा को सदैव के लिए समाप्त कर सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद भारत की सनातनी परंपरा और सांस्कृतिक चेतना आज भी पूरी शक्ति के साथ जीवित है। मुख्यमंत्री सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी के त्रयंबकेश्वर बहुउद्देशीय हाल में आयोजित सोमनाथ संकल्प महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, अटूट आस्था की गौरव गाथा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने सोमनाथ मंदिर पर हुए विदेशी आक्रांताओं के हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि सिर्फ सोमनाथ महादेव मंदिर पर ही नही भारत के हजारों धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के साथ काशी विश्वनाथ धाम पर भी हमला हुआ। इसके बावजूद भारत की सनातनी परंपरा और सांस्कृतिक चेतना आज भी पूरी शक्ति के साथ जीवित है। जिन्होंने सनातन को मिटाने का प्रयास किया, आज वे खुद मिट्टी में मिल चुके हैं।

> • मुख्यमंत्री ने महोत्सव में कहा कि मुहम्मद गौरी और औरंगजेब जैसे आक्रांताओं का अब कोई नाम लेने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर गुलामी का ढांचा यहां खड़ा किया, लेकिन वे भारत की आत्मा को नहीं तोड़ पाया। आक्रांता समझ ही नहीं पाए कि सनातन केवल मंदिरों की दीवारों में नहीं, बल्कि भारत की चेतना में बसता है।

पंजाब में भाजपा के कई कार्यालयों में तोड़फोड़ व हमला

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद पंजाब की स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। रविवार को पंजाब के कई जिलों में आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं तथा भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच टकराव की स्थिति पैदा होने के बाद सोमवार को सीमावर्ती जिला तरनतारन तथा राजधानी चंडीगढ़ से सटे मोहाली जिले में भाजपा कार्यालयों में तोड़फ़ोड़ की गई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने स्थिति को संभाला। सीमावर्ती जिला तरनतारन में आज भाजपा कायार्लय पर हमला हुआ है। 15 से 20 लोग अचानक ऑफिस में लाठी-डंडे लेकर दाखिल हुए और तोड़फ़ोड़ की। कुर्सियां और अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया व नारेबाजी भी की। इस दौरान कुछ पत्थर फेंकते दिखे। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। भाजपा जिला प्रधान हरजीत सिंह संधू ने बताया कि वह किसी प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे थे, तभी 15 से 20 लोग ऑफिस में घुस आए। उन्होंने कहा कि हमलावर लगातार नारेबाजी कर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे थे।

अहमदाबादः ग्रेजुएशन के बाद नौकरी न मिलने पर रजनीश भार्गव किन्नर गुरुमा बन गया, लड़कियों को ब्लैकमेल कर लाखों ऐंठे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में साइबर क्राइम का एक बहुत ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद सही नौकरी न मिलने पर एक युवक ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर कम समय में पैसे कमाने के लिए सोशल मीडिया पर ठगी का पूरा नेटवर्क बना लिया था। आरोपी लड़कियों को तांत्रिक अनुष्ठान के नाम पर फंसाकर उनकी फोटो ले लेते थे और फिर ढ्ढ टेक्नोलॉजी की मदद से आपत्तिजनक डीपफेक वीडियो बनाकर लाखों रुपये ऐंठे थे।

तांत्रिक अनुष्ठान के बहाने फोटो मांगकर खेलता था

मुख्य आरोपी रजनीश भार्गव ने इंस्टाग्राम पर 'किन्नर पूजा गुरुमां' और दूसरे नामों से फर्जी प्रोफाइल बनाई थी। इस पेज के जरिए वह लोगों को तांत्रिक अनुष्ठान के जरिए उनकी पारिवारिक या निजी समस्याओं को हल करने का लालच देता था। खासकर जब मुसीबत में फंसी लड़कियां उससे संपर्क करती थीं, तो उनसे अनुष्ठान करने के बहाने फोटो मांगे जाते थे। AI का गलत इस्तेमाल करके बनाए डीपफेक वीडियो

पुलिस जांच में पता चला कि लड़की की फोटो मिलने के बाद, रजनीश और उसके दोस्त विकास भार्गव और रवि भार्गव ने मॉडर्न AI एप्लीकेशन का इस्तेमाल करके उन फोटो से आपत्तिजनक डीपफेक वीडियो बनाए। इसके बाद, वे इन वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर लड़कियों से 50,000 रुपये से लेकर 2 लाख रुपये तक वसूलते थे।

कर्मकांडी दोस्त के ऑफिस में मिला फ्रॉड का आइडिया

आरोपी रजनीश भार्गव से पूछताछ में पता चला कि ग्रेजुएशन के बाद बेरोजगार रजनीश एक बार अपने कर्मकांडी दोस्त के ऑफिस में बैठा था। उसे इस फ्रॉड का आइडिया सोशल मीडिया पर एक ऐड देखकर आया जिसमें कर्मकांड के नाम पर फीस ली जा रही थी। शुरुआत में वह कर्मकांड के नाम पर सिर्फ 500-1000 रुपये लेता था, लेकिन ज्यादा पैसे के लालच में उसने ब्लैकमेलिंग का सहारा लिया। पुलिस एक्शन में बड़ा खुलासा

अहमदाबाद की एक लड़की की शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम ने जांच शुरू की है और इस गैंग को पकड़ा है।

गुजसेल को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तारः आरोपी एयरपोर्ट पर इवेंट मैनेजमेंट का काम करता है,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। साइबर क्राइम ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर गुजसेल को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी को पकड़ लिया है। पता चला है कि भावेश पटेल नाम के युवक ने पर्सनल दुश्मनी में धमकी भरा ईमेल भेजा था। आरोपी पोसे कंस्ट्रक्शन और एयरपोर्ट पर इवेंट मैनेजमेंट का काम करता है।

25 मार्च को मिला धमकी भरा ईमेल

अहमदाबाद एयरपोर्ट आए गुजसेल को 25 मार्च, 2026 को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। जिसमें गुजसेल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। साइबर क्राइम ने इस बारे में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर क्राइम ने टेक्निकल एनालिसिस के आधार पर धमकी भरा ईमेल भेजने वाले भावेश पटेल को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी के पास से मिले मोबाइल फोन से एक ईमेल ढ्ढष्ठ भी मिली है, जिससे धमकी भरा ईमेल मिला था। ईमेल में सौरव विश्वास को स्कूल छोड़ने की धमकी दी गई थी। आरोपी ने स्कूल को उड़ाने की भी धमकी दी थी। पता चला है कि धमकी भरा ईमेल पर्सनल दुश्मनी में भेजा गया था। आरोपी से पूछताछ में पता चला है कि वह एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करता है। इसके अलावा वह अपने दोस्त के साथ एयरपोर्ट पर इवेंट मैनेजमेंट का भी काम करता है। आरोपी ने B.Com तक पढ़ाई की है। आरोपी ने कहा है कि उसने पर्सनल दुश्मनी में ईमेल भेजा था।

अहमदाबादः सनाथल में क्षत्रिय युवक की हत्याः देवेंद्र सिंह और चेहर ठाकोर के बीच आम झगड़ा जानलेवा बन गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। के सनाथल गांव में एक क्षत्रिय युवक की हत्या कर दी गई। 31 साल के देवेंद्र सिंह उर्फ ??जिगा चौहान की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, सांतेज में एक शादी समारोह के दौरान, मृतक देवेंद्र सिंह ने चेहर बाबूभाई ठाकोर से अपनी कार तक चलने के लिए कहा, लेकिन चेहर ने मना कर दिया। इस बात को लेकर दोनों के बीच अनबन हो गई थी। शादी समारोह के बाद, मृतक देवेंद्र सिंह सनाथल में ठाकोर फलिया में आरोपी के घर पहुंचा। वहां, उनके बीच जानलेवा लड़ाई हुई, जिसमें देवेंद्र सिंह को गंभीर चोटें आईं। देवेंद्र सिंह चौहान की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया है। फिलहाल, सनाथल गांव में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस व्यवस्था की गई है और स्थिति शांतिपूर्ण है।

समुद्री हलचलः बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में साइक्लोन और डीप डिप्रेशन का खतरा

तेज गर्मी के बाद से शुरू होगी प्री-मॉनसून एक्टिविटी अंबालाल पटेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में 11 से 14 मई तक सौराष्ट्र समेत नॉर्थ और सेंट्रल गुजरात में पारा 44 डिग्री तक पहुंच जाएगा, जिससे भीषण गर्मी पड़ेगी। हालांकि, 18 मई से मौसम बदलेगा और प्री-मॉनसून एक्टिविटी शुरू हो जाएगी। अंबालाल पटेल ने बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में बन रहे सिस्टम की वजह से साउथ गुजरात में भारी बारिश और तूफान की संभावना जताई है।

18 से 23 मई तक शुरू होगी प्री-मॉनसून एक्टिविटी

गुजरात में गर्मी इस समय अपने आखिरी दौर में अपना तीखापन दिखा रही है। मौसम वैज्ञानिक अंबालाल पटेल ने आने वाले दिनों में राज्य में भीषण गर्मी पड़ने और फिर प्री-मॉनसून एक्टिविटी शुरू होने की अहम भविष्यवाणी की है। 11 से 14 मईः हीटवेव जैसे हालात अंबालाल पटेल के मुताबिक, गुजरात में 11 से 14 मई तक बहुत ज़्यादा गर्मी पड़ेगी। खासकर उन इलाकों में जहां से ट्रॉपिक ऑफ़ कैंसर गुज़रता है, वहां टेम्परेचर में बड़ा उछाल आएगा। नॉर्थ गुजरात के जिलों में पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। जबकि सेंट्रल गुजरात और सौराष्ट्र के राजकोट और सुरेंद्रनगर में भी टेम्परेचर 44 डिग्री के आस-पास रहेगा। ईस्ट गुजरात में गर्मी 43 डिग्री तक रह सकती है। कच्छ, भुज और कांडला में भी लोगों को चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, 15 मई से गर्मी में थोड़ी कमी दर्ज की जाएगी।

बंगाल की खाड़ी में साइक्लोन की हलचल

गर्मी के बीच, समुद्र में हलचल भी तेज़ हो रही है। बंगाल की खाड़ी में आज से गतिविधियां शुरू हो गई हैं, जो 18 मई तक साइक्लोन में बदल सकती हैं। इस सिस्टम के असर से साउथ इंडिया में तेज़ हवाएं और आंधी-तूफान आने की संभावना है। उसके बाद 25 मई के बाद अरब सागर में भी हलचल बढ़ेगी और वहां एक मज़बूत डीप डिप्रेशन बनेगा।

18 मई से बारिश का मौसम और प्री-मॉनसून एक्टिविटी

राज्य में गर्मी से राहत देने वाली खबर यह है कि 18 से 23 मई तक प्री-मॉनसून एक्टिविटी शुरू हो जाएगी। इस दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में गरज के साथ बारिश हो सकती है। तटीय इलाकों में भी बारिश का मौसम देखने को मिलेगा। खासकर गुजरात के दक्षिणी हिस्सों में तूफ़ान के असर से आठ इंच तक भारी बारिश होने की संभावना है।

गाधीनगरः राज्य के सरकारी प्राइमरी स्कूलों के प्रिंसिपल अब एकेडमिक सेशन के आखिर में रिटायर होंगे

अब सरकारी प्राइमरी स्कूलों के प्रिंसिपल भी एकेडमिक सेशन खत्म होने के बाद होंगे रिटायर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

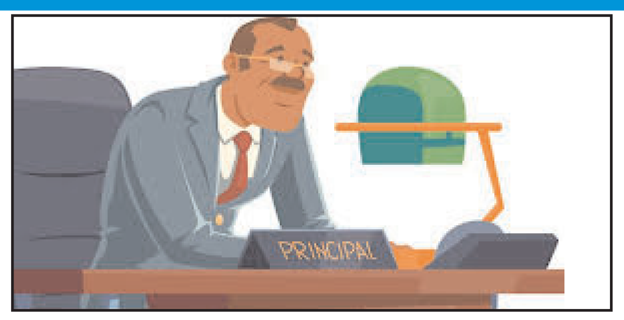

गुजरात। गुजरात राज्य शिक्षा विभाग ने सरकारी प्राइमरी स्कूलों में काम करने वाले प्रिंसिपलों के लिए एक अहम फैसला लिया है। नए नियम के मुताबिक, अब साल के बीच में रिटायर होने के बजाय, ॥-ञ्जझ और हेड टीचर के तौर पर काम करने वाले प्रिंसिपल एकेडमिक सेशन पूरा होने के बाद रिटायर होंगे। अभी तक इस तरह की व्यवस्था सिर्फ प्राइमरी टीचरों के लिए लागू थी, लेकिन अब सरकार ने इसका दायरा बढ़ाकर इसमें प्रिंसिपलों को भी शामिल कर लिया है। शिक्षा विभाग के इस फैसले से उम्मीद है कि स्कूलों के पढ़ाई और एडमिनिस्ट्रेटिव काम में कंटिन्यूटी बनी रहेगी। आमतौर पर, अगर कोई प्रिंसिपल एकेडमिक सेशन के बीच में रिटायर होता है, तो नई नियुक्ति या चार्ज ट्रांसफर की प्रक्रिया में समय लगता था। जिससे स्कूल के एडमिनिस्ट्रेटिव कामों के अलावा एजुकेशनल प्लानिंग पर भी असर पड़ता था। कुछ स्कूलों में समय पर जिम्मेदारी तय न होने से स्टूडेंट्स की पढ़ाई पर भी बुरा असर पड़ता था। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 'सत्रांते रिटायरमेंट' सिस्टम लागू करने का फैसला किया है। अब अगर कोई प्रिंसिपल एक एकेडमिक सेशन के दौरान 58 साल की उम्र पूरी करता है, तो उसे तुरंत रिटायर नहीं किया जाएगा, बल्कि उस सेशन के पूरा होने तक अपनी सर्विस जारी रखने की इजाज़त होगी। राज्य के सरकारी प्राइमरी स्कूलों के टीचरों की तरह प्रिंसिपलों की रिटायरमेंट की उम्र भी 58 साल तय की गई है। पहले प्रिंसिपलों को रिटायरमेंट वाले महीने के आखिरी दिन रिटायर किया जाता था। लेकिन अब रिटायरमेंट एकेडमिक सेशन पूरा होने के बाद ही लागू होगा। शिक्षा विभाग के इस फैसले को शिक्षा जगत और प्रिंसिपल्स एसोसिएशन ने पॉजिटिव बताया है। शिक्षाविदों के मुताबिक, इस कदम से स्कूलों में स्थिरता बढ़ेगी, एडमिनिस्ट्रेटिव गलतफहमियां कम होंगी और स्टूडेंट्स के करिकुलम पर पड़ने वाले असर को रोकने में मदद मिलेगी।

अहमदाबादः बापूनगर में मोबाइल चोरी के शक में चाकू से हमला, तीन घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बापूनगर। अहमदाबाद के पूर्वी इलाके में स्थित बापूनगर में मोबाइल चोरी के शक में दो लोगों के बीच सरेआम पथराव और हाथापाई से लोगों में डर फैल गया है। बापूनगर इलाके में हसनपीर की दरगाह के पास मोबाइल गुम होने को लेकर दो लोगों में बहस हो गई। मोहम्मद यूसुफ उर्फ टकला राजपूत से बहस हो गई। जिसमें यूसुफ ने चाकू निकालकर दो लोगों पर हमला कर दिया। दूसरी तरफ, सामने वाले ने भी उसे डंडे से पीटा। दोनों के बीच मारपीट और पथराव हुआ। जिससे आसपास के लोकल लोगों में भी डर फैल गया। बापूनगर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, हालांकि पुलिस ने अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है।

मोबाइल गुम हो गया और दोनों के बीच लड़ाई और हाथापाई हो गई

मोहम्मद आजम अपने परिवार के साथ अहमदाबाद के रखियाल इलाके में पन्ना एस्टेट के पास मणिलाल मथुरदास के घर में रहते हैं। उनका छोटा भाई भी उनके साथ रहता है। रात करीब 11 बजे, जब मोहम्मद आजम बापूनगर में हसन पीर की दरगाह के पास खड़े थे, तो उनके छोटे भाई का मोबाइल फ़ोन गायब हो गया और वह उसे ढूंढ रहे थे। तभी मोहम्मद यूसुफ़ उर्फ़ टकलो वहाँ आया और इश्तियार से गायब मोबाइल के बारे में पूछने गया तो यूसुफ़ भड़क गया। दोनों के बीच लड़ाई और हाथापाई हो गई।

चाकू से हमला किया और दोनों के बीच पत्थर फेंके गए

जब यूसुफ़ को लड़ने से मना किया गया, तो वह भड़क गया और उसे डंडे से पीटा और मोहम्मद आजम पर चाकू से हमला कर दिया। जब उसके छोटे भाई को अलग करना पड़ा, तो उसके हाथ में भी चोट लग गई। यूसुफ़ ने उसे दोबारा दिखने पर जान से मारने की धमकी दी। आगे की बहस के दौरान, उसने पत्थर फेंके और घायल होने के बाद वहाँ से चला गया। जबकि मोहम्मद आजम भी घायल हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पूरे मामले में बापूनगर पुलिस मौके पर पहुँची। दूसरी तरफ, मोहम्मद यूसुफ ने भी बापूनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है कि हसनपीर अपने बेटे के साथ दरगाह के पास खड़ा था, तभी पड़ोस में रहने वाला मोहम्मद आजम वहां मौजूद था और उसके छोटे भाई का मोबाइल फोन गायब था। गायब मोबाइल को ढूंढते हुए वह चिल्लाने लगा और भाग गया।

गांधीनगरः नर्मदा नहर में डूबते लोगों को ढूंढने के लिए अब पानी में उतारे जाएंगे रोबोट, फायर ऑपरेशन होंगे तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

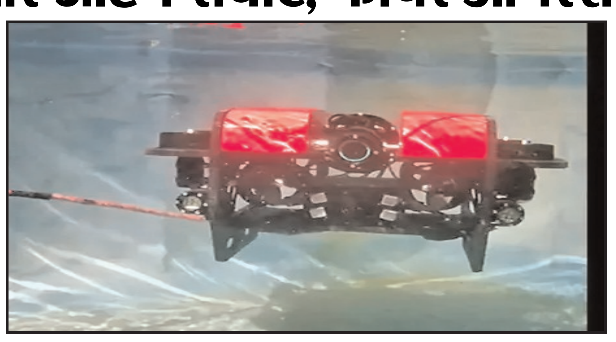

गांधीनगर। जिले में नर्मदा की मुख्य नहर और साबरमती नदी हैं। इन पानी के सोर्स में लोगों के डूबने या सुसाइड करने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। गणेश विसर्जन या दूसरे दिनों में लोग संत सरोवर और नदियों में डूब जाते हैं। ऐसे में गांधीनगर फायर ब्रिगेड को साल भर रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए कई कॉल आते हैं। अभी, जब कोई व्यक्ति पानी में डूबता है, तो फायर डिपार्टमेंट के तैराक खुद नदी या नहर में उतरकर चेक करते हैं। अक्सर यह सर्च लगातार दो दिन तक करनी पड़ती है। इस काम में तेज़ी लाने के लिए गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अब साइंस और टेक्नोलॉजी की मदद लेने का फ़ैसला किया है।

म्युनिसिपैलिटी एक खास तरह का अंडरवाटर रोबोट खरीदेगी। इस रोबोट के आने के लिए टेंडर प्रोसेस शुरू हो गया है। इस मशीन को पानी के अंदर रिमोट से ऑपरेट किया जा सकेगा। यह रोबोट पानी के नीचे जाकर वहां की स्थिति देख सकेगा और व्यक्ति या लाश की सही लोकेशन बता सकेगा। इस इक्विपमेंट से फायर ब्रिगेड वालों को सीधी लोकेशन मिल जाएगी और उनकी मेहनत कम हो जाएगी। इस डिवाइस की कैपेसिटी की बात करें तो यह पानी में 200 मीटर की गहराई तक जाकर सर्च ऑपरेशन कर सकता है। इस मशीन में अंधेरे में देखने के लिए स्रूह्वष्ठ लाइट और चीज़ों की पहचान करने के लिए सेंसर लगाए गए हैं। इस टेक्नोलॉजी का मुख्य मकसद यह है कि अगर कोई व्यक्ति पानी में गिर जाए तो उसे शुरुआती स्टेज में ढूंढा जा सके और उसकी जान बचाई जा सके। म्युनिसिपैलिटी की तरफ़ से टेंडर प्रोसेस शुरू कर दिया गया है और टेंडर जारी करके आगे का प्रोसेस शुरू कर दिया गया है। टेंडर मिलने के बाद रोबोट खरीदने का काम शुरू किया जाएगा। गौरतलब है कि गांधीनगर जिले में नर्मदा नहर का एक बड़ा नेटवर्क है और संत सरोवर भी यहीं है। जिसकी वजह से नर्मदा नहर में सुसाइड और संत सरोवर में डूबने की घटनाएं भी कभी-कभी सामने आती रहती हैं। जिसका सबसे बड़ा बोझ गांधीनगर फायर ब्रिगेड पर है। फायर डिपार्टमेंट कॉल मिलते ही दौड़ता है। लेकिन कुछ मामलों में समय पर कार्रवाई न होने की वजह से लोगों की जान नहीं बचाई जा सकती। इसलिए, नगर निगम ने रोबोट खरीदने का फैसला किया है।

अहमदाबादः जोधपुर में एक मेडिकल एजेंसी के गोदाम में आग लग गईः फायर टीम ने आग पर काबू पाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के जोधपुर इलाके में BRTS बस स्टैंड के पास पारस मेडिकल एजेंसी के गोदाम में आग लग गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचीं। चूंकि यह मेडिकल इक्विपमेंट और दवाओं का गोदाम था, इसलिए आग और फैल गई और धुआं निकलने लगा। धुआं हटाने के लिए फायर ब्रिगेड को खिड़की के शीशे तोड़ने पड़े और ऊपर की दीवार तोड़कर धुआं निकालना पड़ा।

गोदाम के मालिक ने मीडिया वालों से बदतमीजी की

जब मेडिकल एजेंसी के गोदाम के मालिक से आग के बारे में पूछा गया, तो उसने मीडिया वालों से बदतमीजी की। धुआं हटाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को काफी मेहनत करनी पड़ी। आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया, लेकिन धुआं साफ नहीं हो सका, जिसे बुझाने में थोड़ा समय लगा। डिविजनल फायर ऑफिसर एस.बी. जडेजा ने बताया कि फायर ब्रिगेड के मेन कंट्रोल रूम को मैसेज मिला कि जोधपुर BRTS बस स्टैंड के पास एक मेडिकल गोदाम में आग लग गई है। आग ने बहुत भयानक रूप ले लिया था। प्रहलादनगर और बोदकदेव फायर स्टेशन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। नीचे मौजूद दवा एजेंसी से भी लोगों को निकाल लिया गया था। अगर यह कमर्शियल नेचर का है, तो गोदाम के लिए फायर NOC लेनी होगी, जिसके लिए एस्टेट डिपार्टमेंट और पुलिस पूरे मामले की जांच करेगी।

गांधीनगरः सेक्टर-10 पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ऑफिस के पास राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौतः नेचर लवर्स में भारी गुस्सा

पोस्टमार्टम वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में मोर को पूरे राष्ट्रीय सम्मान के साथ दफनाया जाता है या उसका अंतिम संस्कार किया जाता है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। में जहां एक तरफ जंगल और पर्यावरण सुरक्षा की खूब बातें हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय पक्षी मोर की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आज सुबह सेक्टर-10 में मौजूद गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के ऑफिस के पास एक मोर का शव बहुत बुरी हालत में मिला, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। इस घटना ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट और स्थानीय प्रशासन के कामकाज पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

हर तरफ बिखरे पंख, पर्यावरण प्रेमियों में गहरी प्रतिक्रियाएं

गांधीनगर के सेक्टर-10 का यह इलाका घने पेड़ों और जंगल से घिरा होने के कारण सालों से जानवरों और पक्षियों के लिए प्राकृतिक आश्रय स्थल रहा है। हालांकि, पिछले कुछ सालों से इस इलाके में आवारा कुत्तों का आतंक देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जिस हालत में मोर का शव मिला, उससे लगता है कि उसे कुत्तों ने नोच डाला था।

हर जगह मोर के पंख बिखरे हुए देखे गए। वाइल्डलाइफ के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली राजधानी में राष्ट्रीय पक्षी के असुरक्षित होने से पर्यावरणविदों में हलचल मच गई है। मरे हुए मोर को आम पक्षियों की तरह नहीं फेंका जा सकता खास बात यह है कि इंडियन वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 के तहत मोर को सबसे ज्यादा सुरक्षा दी गई है। जब भी कोई मोर मरा हुआ मिलता है, तो उसे आम पक्षी की तरह नहीं फेंका जा सकता। प्रोटोकॉल के मुताबिक, लोकल फॉरेस्ट डिपार्टमेंट सबसे पहले ज़रूरी कार्रवाई करता है।

फॉरेस्ट डिपार्टमेंट इसे डॉक्यूमेंट करने के बाद ज़मीन में दफ़ना देता है या उसका अंतिम संस्कार कर देता है।

मोर के शरीर का पोस्टमॉर्टम जानवरों के डॉक्टर करते हैं। इस प्रोसेस के बाद, मोर को पूरे राष्ट्रीय सम्मान के साथ ज़मीन में दफ़ना दिया जाता है या फॉरेस्ट अधिकारियों की मौजूदगी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया जाता है। मोर के अंगों या पंखों के साथ किसी भी तरह की गैर-कानूनी छेड़छाड़ को रोकने के लिए, इस पूरे प्रोसेस की वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी करके डॉक्यूमेंट किया जाता है।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ऑफिस के बिल्कुल पास एक राष्ट्रीय पक्षी की मौत

उस समय, प्रशासन पर उंगली उठ रही है क्योंकि पर्यावरण को बचाने के लिए ज़िम्मेदार पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ऑफिस के बिल्कुल पास राष्ट्रीय पक्षी ऐसी हालत में देखा गया है। एक तरफ़ तो वन विभाग वाइल्डलाइफ़ वीक मनाता है, वहीं दूसरी तरफ़ सड़क पर भटकती राष्ट्रीय पक्षी की लाश प्रशासन की बेपरवाही को दिखाती है। स्थानीय लोगों की मांग है कि वन विभाग और नगर निगम मिलकर पक्षियों को आवारा कुत्तों की परेशानी से बचाने के लिए काम करें।

पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन से सौजन्य मुलाकात एवं सामाजिक कार्यों की सराहना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। आज भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव एवं राष्ट्रीय संयोजक डॉ. प्रेम कुमार वैद्य के साथ प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष महेश कुमार वर्मा तथा धार जिला अध्यक्ष योगेंद्र तिवारी द्वारा प्रदेश मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन के निवास पर पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की गई।

इस दौरान संगठन के विभिन्न सामाजिक, जनहित एवं मानव अधिकारों से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने प्रदेश मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन द्वारा संगठन एवं समाजहित में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उनके प्रयासों को प्रेरणादायक बताया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव ने कहा कि संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी का समाजसेवा एवं मानव अधिकारों के प्रति समर्पण ही ट्रस्ट की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि संगठन निरंतर जनजागरूकता, सामाजिक सहयोग एवं मानव अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करता रहेगा।

बैठक के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, युवाओं को जोड़ने एवं सामाजिक अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

संगठन के शिवम तिवारी, कृष्णा यादव, डॉ. प्रेम कुमार वैद्य, रामवेश सिंह राजावत, युवराज सिंह राठौर, मनीष गुप्ता एवं जीवनलाल जैन (चाय वाले) ने कहा कि भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, सहयोग एवं जागरूकता पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा तथा संगठन की टीम सेवा भाव के साथ जनहित में सदैव तत्पर रहेगी।

महायज्ञ बरसाईत चौंका आरती 16 को उरईडबरी में हेमंत वर्मा संवाददाता राजनांदगांव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव . सद्गुरु कबीर साहेब, पंथ श्री हुजुर प्रकाश मुनि नाम साहेब, पंथ श्री हुजुर उदित मुनि नाम साहेब के असीम कृपा से चिचोला समिपस्थ ग्राम उरईडबरी के पावन धरा में एक दिवसीय महायज्ञ बरसाईत महात्म्य चौंका आरती का आयोजन में दिनांक 16/05/2026 को मनाने के लिए मानिकपुरी पनिका समाज के परिक्षेत्रीय बैठक आयोजित कर निर्णय लिया गया। बरसाईत चौंका आरती महात्म्य का आध्यात्मिक शुद्धी से नकारात्मक शक्तियों, विकारों और अज्ञानता को दूर कर सात्विक वातावरण का निर्माण करता है। कबीर पंथ में सद्गुरु कबीर साहेब को सर्वोच्च माना जाता है , इस चौंका के माध्यम से गुरु की शक्ति और कृपा साधक के घर परिवार तक पहुंचती है। कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 16/05/26 को सुबह 11बजे महंतों द्वारा गुरु वंदना किया जाएगा, तत्पश्चात कबीर गुरुद्वारा से बाजे-गाजे के साथ शोभायात्रा और ग्राम उरईडबरी के मुख्य तालाब से सगरी भरकर पुनः जोश और उत्साह के साथ शोभायात्रा कबीर गुरुद्वारा पहुंचेगी। इसके बाद बरसाईत चौंका आरती महात्म्य मैं पधारे सभी कबीर भक्तों और ग्रामवासियों को सात्विक एवं शाकाहारी भोजन कराया जाएगा। वहीं कबीर पंथ के महंत दिवानों? द्वारा कबीर साहेब के भजनों का गान कर शाकाहारी, नशा मुक्त जीवन जीने, मोह, माया और संसारिक बंधनों से मुक्त होने की प्रेरणा देंगे। बैठक में डेरहा दास मानिकपुरी, ज्ञानदास मारगांव, ज्ञानदास मानिकपुरी पारीकला, मघनदास मानिकपुरी, दयाल दास, सेवा दास, गोपेश्वर दास, ब्रम्हा दास, भादू दास, रमेश दास, देवेन्द्र दास, गोपी दास, श्यामू दास, हारुन दास, सुरेन्द्र दास सहित मानिकपुरी समाज के सैकड़ों लोग मौजूद थे।

लायन अमित खण्डेलवाल बने रीजन चेयर पर्सन एवं लायन तरणदीप अरोरा बने जोन चेयर पर्सन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सेवा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ष्ट के नवनियुक्त यशस्वी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर PMJF लायन रिपुदमन पुसरी द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए नई टीम की घोषणा की गई है। इस घोषणा में लायंस क्लब राजनांदगांव सिटी के दो कद्दावर और समर्पित सदस्यों को डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट में बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से नवाजा गया है।

अमित खण्डेलवाल को मिली रीजन चेयरपर्सन की कमान

क्लब के ऐतिहासिक कार्यकाल और सेवा कार्यों को पूरे डिस्ट्रिक्ट में एक नई पहचान दिलाने वाले PMJF लायन अमित खण्डेलवाल (अध्यक्ष, वर्ष 2025-26) को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रतिफल मिला है। विशेष योगदानः मिशन 1.5 मेंबरशिप ग्रोथ में उल्लेखनीय योगदान और क्लब की प्रतिष्ठा को शिखर पर पहुँचाने के कारण उन्हें रीजन चेयरपर्सन जैसी गरिमामयी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तरणदीप अरोरा को जोन चेयरपर्सन का दायित्व

क्लब के अत्यंत सक्रिय, कर्मठ और सदैव सेवा कार्यों में तत्पर रहने वाले सदस्य लायन तरणदीप अरोरा को उनकी निष्ठा और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए जोन चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है।

पूरे शहर और क्लब में हर्ष की लहर

इन नियुक्तियों की खबर मिलते ही लायंस क्लब राजनांदगांव सिटी परिवार में जश्न का माहौल है। सचिव मयंक शर्मा ने जानकारी साझा करते हुए **बताया किः** यह उपलब्धि न केवल इन दोनों पदाधिकारियों के उत्कृष्ट नेतृत्व और सेवा भावना का प्रमाण है, बल्कि यह पूरे राजनांदगांव सिटी क्लब के लिए अत्यंत हर्ष, गर्व और सम्मान का विषय है। हमें पूर्ण विश्वास है कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में रीजन और जोन सेवा के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे। अमित खण्डेलवाल के कार्यकाल में क्लब ने सेवा के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक मील के पत्थर छुए 'मिशन 1.5' के तहत सदस्यता वृद्धि में राजनांदगांव सिटी क्लब डिस्ट्रिक्ट में अग्रणी रहा।

समर्पणः तरणदीप अरोरा की जमीनी स्तर पर सेवा करने की कार्यशैली और सकारात्मक सोचा है।

नेशनल लोक अदालत में 2 लाख 64 हजार 739 से अधिक प्रकरणों का निराकरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

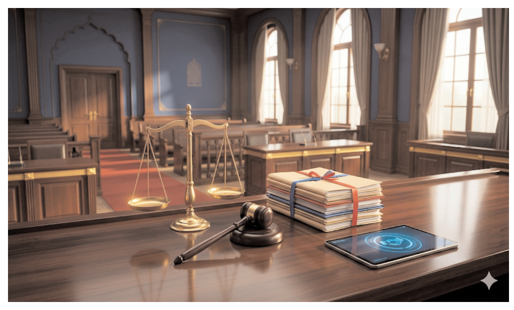

राजनांदगांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के तत्वावधान तथा मुख्य संरक्षक व मुख्य न्यायाधिपति छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के दिशा-निर्देशन और प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री विजय कुमार होता के निर्देशन में वर्चुअल और भौतिक मोड में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत के तहत सर्वोच्च न्यायालय से लेकर तहसील स्तर तक के न्यायालयों में लोक अदालत आयोजित की गयी। राजनांदगांव, जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी एवं जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई में न्यायालय में लंबित, राजस्व न्यायालय एवं प्री-लिटिगेशन के 2 लाख 63 हजार 133 प्रकरणों को निराकरण के लिए चिन्हित किया गया है।

प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री विजय कुमार होता के नेतृत्व में लोक अदालत के आयोजन की सभी तैयारी पूर्ण कर ली गयी थी। नेशनल लोक अदालत आयोजित करने के लिए कुल-44 खंडपीठों का गठन किया गया। आयोजित लोक अदालत में 2 लख 64 हजार 739 मामलों का सफलतापूर्वक निपटान किया गया। जिसमें कुल 263133 मामले प्री-लिटिगेशन चरण के थे और 3162 मामले ऐसे थे जो विभिन्न न्यायालयों में लंबित थे। निपटान राशि लगभग 31 अरब 11 करोड़ 56 लाख 70 हजार 937 रूपए थी। नेशनल लोक अदालत में आपराधिक राजीनामा योग्य मामले, मोटर वाहन दुर्घटना दावा से संबंधित मामले, धारा-138 एनआई एक्ट से संबंधित मामले अर्थात चेक से संबंधित मामले, वैवाहिक विवाद के मामले, श्रम विवाद के मामले, बैंक ऋण वसूली वाद, रूपए वसूली वाद, नगर निगम से संबंधित कर वसूली मामले, विद्युत बिल एवं टेलीफोन बिल के मामले, भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले, राजस्व न्यायालय के मामले एवं अन्य राजीनामा योग्य वाद से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई।

नेशनल लोक अदालत में न्यायलयों में निराकृत हुए प्रकरणों की सफल कहानी

राजीनामा होने से साथ-साथ रहने हुए राजी

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा 9 मई 2026 को निर्धारित नेशनल लोक अदालत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा आयोजित की गई। नेशनल लोक अदालत के आयोजन अवसर पर न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री उत्तरा कुमार कश्यप के न्यायालय में लंबित विविध दांडिक प्रकरण क्रमांक-131/2024, पक्षकार श्रीमती पदमा टेकाम विरूद्ध संदीप टेकाम, आवेदिका एवं अनावेदक का विवाह 24 फरवरी 2023 को संपन्न हुआ। विवाह के कुछ दिनों तक दांपत्य जीवन ठीक रहने के बाद अनावेदक और उसके परिवार वाले आवेदिका को अपमानित करने तथा मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। इस प्रकार अनावेदक ने उसे दाम्पत्य सुख से वंचित कर पतिधर्म से मुंह मोड़ लिया है और बेसहारा, बेबस, लाचार जीवन जीने को मजबूर कर दिया हैं, जिसके कारण पृथक रहने के पश्चात आवेदिका ने स्वयं के लिए भरण-पोषण राशि दिलाए जाने बाबत प्रकरण पेश किया। उभयपक्ष के मध्य राजीनामा की कार्यवाही की गई, सफल रही। उभयपक्ष के मध्य आपसी राजीनामा हो चुका है। प्रकरण नेशनल लोक अदालत में समाप्त किया गया।

राजीनामा होने से साथ-साथ रहना कबूल किया

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा निर्धारित नेशनल लोक अदालत 9 मई 2026 के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा जिला राजनांदगांव में आयोजित की गई। नेशनल लोक अदालत के आयोजन अवसर पर न्यायालय माननीय-न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री उत्तरा कुमार कश्यप के न्यायालय में लंबित व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक-164ए/ 2025, पक्षकार रितेश कुमार गुप्ता विरूद्ध श्रीमती निकिता, आवेदिका एवं अनावेदक का विवाह 11 दिसम्बर 2019 को संपन्न हुआ। दिनांक 14 अक्टूबर 2024 को प्रतिवादी अपने पिता को फोन कर ससुराल बुलाई और उसकी अनुपस्थिति में अपने पिता के साथ मायके चली गई, जिसके बाद प्रतिवादी को रखने के लिए अनावेदक ने बहुत प्रयास किया.

कलेक्टर टीना डाबी से मिले नरेश मीणाः पेयजल संकट पर बनी सहमति, 7 दिन का अल्टीमेटम देकर टाला धरना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में गहराते पेयजल संकट और अन्य प्रमुख जनसमस्याओं को लेकर भगत सिंह सेना के सुप्रीमो नरेश मीणा ने कलेक्ट्रेट पर जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ नवनियुक्त जिला कलेक्टर टीना डाबी से मुलाकात की। वार्ता के बाद प्रशासन के सकारात्मक रवैये को देखते हुए नरेश मीणा ने आज से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना फिलहाल स्थगित कर दिया है।

कलेक्ट्रेट में गूंजे 'नरेश मीणा जिंदाबाद' के नारे

दोपहर करीब 12:30 बजे नरेश मीणा भारी लाव-लश्कर के साथ कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। उनके वहां पहुंचते ही पहले से मौजूद सैकड़ों समर्थकों ने 'नरेश मीणा जिंदाबाद' के गगनभेदी नारे लगाने शुरू कर दिए। समर्थकों के इस भारी उत्साह को देखकर मीणा ने कार से उतरकर हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। किसी भी स्थिति से निपटने और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए टोंक डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा के नेतृत्व में भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

कलेक्टर के चैंबर में 30 मिनट चली अहम वार्ता

नारेबाजी के बीच नरेश मीणा अपने कुछ प्रमुख साथियों के साथ कलेक्टर टीना डाबी के चैंबर में दाखिल हुए। दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक गंभीर चर्चा हुई। कलेक्टर टीना डाबी ने सभी मांगों को बेहद सम्मानपूर्वक सुना और देवली-उनियारा क्षेत्र में पेयजल किल्लत का नियमानुसार और न्यायसंगत समाधान निकालने का त्वरित आश्वासन दिया।

टीना डाबी पर विश्वास है, पर 7 दिन का अल्टीमेटम भी

कलेक्टर के चैंबर से बाहर आने के बाद नरेश मीणा के तेवर स्पष्ट थे। उन्होंने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, 'आज पहली बार नई कलेक्टर टीना डाबी से हमारी सकारात्मक वार्ता हुई है। मुझे उनकी योग्यता और बातों पर पूरा विश्वास है। उनके ठोस आश्वासन के बाद हम आज का धरना स्थगित कर रहे हैं। हालांकि, अगर एक सप्ताह के भीतर पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो हम दोबारा सड़कों पर उतरेंगे और उग्र आंदोलन करेंगे। '

आमजन की समस्याओं को भी सुना

कलेक्ट्रेट से लौटते समय नरेश मीणा ने परिसर में मौजूद महिलाओं और आम नागरिकों से भी मुलाकात की। उन्होंने उनकी समस्याएं तसल्ली से सुनीं और आमजन को यह भरोसा दिलाया कि अगली बार जब वह यहां आएंगे, तो उनकी समस्याएं भी कलेक्टर के सामने पूरी मजबूती से उठाने का प्रयास करेंगे।

शिक्षा के नाम पर 'सफेदपोश डकैती!

टोंक में शिक्षा माफिया बेलगाम, कमीशन के खेल में सरकार और प्रशासन की 'मिलीभगतप्रशासन का 'मौन' या 'सांठगांठ'? शहर के बीचों-बीच चल रहे कमीशनखोरी के खेल पर विभाग ने मूँदी आँखें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। शिक्षा का मंदिर अब पूरी तरह से 'मुनाफाखोरी की मंडी' बन चुका है। टोंक जिले में निजी स्कूल संचालकों की मनमानी अब तानाशाही के स्तर पर उतर आई है। सूत्रों के हवाले से जो हकीकत सामने आई है, वह शिक्षा व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा है। फीस के नाम पर सरेआम अभिभावकों की जेबें काटी जा रही हैं, और किताबों से लेकर स्कूल ड्रेस तक हर चीज में कमीशन का गंदा और फिक्स खेल चल रहा है।

कोटा-सीकर का माल, अपना 'ठप्पा' और कई गुना दाम

ये स्कूल अब सिर्फ फीस की लूट तक सीमित नहीं हैं। इन्होंने 'बड़ी परीक्षाओं की तैयारी' के नाम पर अभिभावकों को ठगने का एक नया और शातिर नेक्सस तैयार कर लिया है। ये शिक्षा माफिया कोटा और सीकर जैसे बड़े शहरों के नामी कोचिंग संस्थानों से गुप्त बॉन्ड करते हैं, उनकी किताबें सस्ते में खरीदते हैं, और फिर उन पर बेशरमी से अपने स्कूल का 'लोगो' चिपकाकर उन्हें अभिभावकों को मनमाने और ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। एनसीईआरटी के नाम पर यह सीधा-सीधा एक सुनियोजित महाघोटाला है।

शिक्षा विभाग अंधा है या हिस्सेदार?

शहर के बीचों-बीच चल रही इस खुली लूट पर शिक्षा विभाग की रहस्यमयी और बेशर्म चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े करती है। क्या टोंक का प्रशासन इतना नाकारा है कि उसे इस 'डकैती' की भनक तक नहीं है? या फिर इस खामोशी का सीधा सा मतलब यह है कि ऊपर से नीचे तक 'सिस्टम' की जेबें गर्म की जा रही हैं? प्रशासन का यह रवैया चीख-चीख कर कह रहा है कि जो हो रहा है, वो उनकी मौन सहमति से हो रहा है।

दिल्ली में हंटर, राजस्थान में खुली छूट!

निजी स्कूलों की इस गुंडागर्दी के खिलाफ जब देशभर में बवाल मचा, तो दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इन माफियाओं की नकेल कसने के लिए तुरंत कड़े नियम लागू कर दिए। लेकिन राजस्थान में? यहां की सरकार कुंभकर्णी नींद सो रही है। राज्य में फिलहाल ऐसा कोई सख्त कानून या कार्रवाई नहीं दिख रही है। सरकार का यह ढुलमुल रवैया इस बात की खुली गवाही दे रहा है कि निजी स्कूल संचालकों को 'अघोषित लाइसेंस' मिला हुआ है कि वे अभिभावकों को बेरहमी से निचोड़ें और सरकार मूकदर्शक बनकर तमाशा देखती रहेगी। आखिर कब तक टोंक का आम आदमी अपने बच्चों के भविष्य के नाम पर इस भ्रष्ट 'सिस्टम' की चौखट पर लुटता रहेगा? क्या शिक्षा विभाग में इतनी रीढ़ बची है कि वह इन माफियाओं के खिलाफ कोई सख्त कदम उठा सके?

अर्जुनी में जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनपद पंचायत डोंगरगांव के ग्राम पंचायत अर्जुनी में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 19 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। शिविर में ग्रामीण द्वारा मांगों एवं शिकायतों से संबंधित कुल 1118 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। शिविर में शामिल अतिथियों द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम एवं द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 15 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य करने वाली 6 स्वच्छता दीदीयों को श्रीफल एवं गमछा प्रदान कर तथा 5 लखपति दीदीयों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही शिविर में सामाजिक सहायता पेंशन योजना अन्तर्गत 11 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति पत्र, 11 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 9 हितग्राहियों को जॉबकार्ड का वितरण किया गया। बैंक लिंकेज अन्तर्गत कृषि कार्य, ब्यूटी पार्लर एवं ऐग रोल शॉप हेतु तेजस्वनी स्वयं सहायता समूह अर्जुनी को 5 लाख रूपए का चेक, स्वर्ण स्वयं सहायता समूह अर्जुनी को कृषि कार्य हेतु 5.20 लाख रूपए का चेक, टेन्ट हाऊस एवं किराना स्टोर हेतु श्री शिवाय स्वयं सहायता समूह धौराभांठा को 1.50 लाख रूपए के चेक वितरण किया गया। कृषि विभाग अन्तर्गत 4 कृषकों को मूंग बीज की वितरण किया गया, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 5 गर्भवती माताओं की गोद भराई संस्कार, 3 बच्चों को सुपोषण किट एवं 10 बालिकाओं को सेनेटरी नेपकिन का वितरण किया गया तथा 3 किसानों को बैंक ऋण स्वीकृत किया गया। सुशासन तिहार अंतर्गत शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। जहां ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया जा रहा था। शिविर में उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव श्रीमती रंजीता पडौती, सदस्य जिला पंचायत श्रीमती जागृति चुन्नी यदु, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव मनीष कुमार साहू, सभापति जनपद पंचायत डोंगरगांव श्रीमती ममता पटेल एवं विवेक मंडावी, सदस्य जनपद पंचायत डोंगरगांव श्रीमती सरिता साहू, रेशमलाल साहू एवं श्रीमती कांति चन्द्रवंशी, उपाध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक राजनांदगांव, श्री भरत वर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगांव श्रीकांत कोराम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डोंगरगांव श्रीमती रोशनी भगत टोप्पो, नायब तहसीलदार डोंगरगांव आंतरिक लेखा परीक्षण अधिकारी जनपद पंचायत डोंगरगांव सहित 19 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं पंचायत प्रतिनिधि, आंतरिक लेखा परीक्षण अधिकारी जनपद पंचायत डोंगरगांव व समस्त विभागीय अधिकारी व कर्मचारीगण जनपद पंचायत डोंगरगांव तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।टेन्ट हाऊस एवं किराना स्टोर हेतु श्री शिवाय स्वयं सहायता समूह धौराभांठा को 1.50 लाख रूपए के चेक वितरण किया गया।

हैदराबाद हाई-प्रोफाइल मर्डरः रिटायर्ड IPS की पत्नी की हत्या में बड़ा खुलासा, मुख्य आरोपी कल्पना पुणे से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। शहर को दहला देने वाले हाई-प्रोफाइल मर्डर केस में हैदराबाद पुलिस के हाथ एक बहुत बड़ी सफलता लगी है। रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी विनय रंजन राय की पत्नी तनुजा की निर्मम हत्या और उनके घर से हुई सनसनीखेज लूटपाट के मामले में फरार चल रही मुख्य आरोपी 'कल्पना' को धर दबोचा गया है। हैदराबाद पुलिस की विशेष टीमों ने सटीक सूचना के आधार पर महाराष्ट्र के पुणे में छापेमारी की और कल्पना को हिरासत में ले लिया। अब उसे आगे की पूछताछ के लिए हैदराबाद लाया जा रहा है।

कैसे खुली गिरफ्तारी की राह?

हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस ने इससे पहले दो अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया था। जब जांच अधिकारियों ने उनसे सख्ती से पूछताछ की, तो आरोपियों के हौसले टूट गए। उन्होंने ही पुलिस के सामने यह राज उगला कि वारदात की मुख्य कड़ी यानी कल्पना पुणे में छिपी बैठी है। इसके तुरंत बाद पुलिस की कई टीमें पुणे के लिए रवाना हुईं और इस अहम गिरफ्तारी को अंजाम दिया गया।

नेपाल का 'साहू गैंग' और दिल्ली की जेल का कनेक्शन

पुलिस की सघन तफ्तीश में इस हत्याकांड को लेकर रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे हुए हैं। इस डकैती और हत्या के तार सीधे तौर पर नेपाल के कुख्यात 'साहू गिरोह' से जुड़े पाए गए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरी वारदात का मास्टर प्लान (स्केच) दिल्ली की एक जेल के अंदर बैठकर तैयार किया गया था। साजिश को अंजाम तक पहुंचाने के लिए साहू गैंग ने नेपाल, मुंबई और पटना के कई शातिर अपराधियों को कल्पना के साथ नेटवर्क में जोड़ा था।

75 वर्षों में राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बना सोमनाथ

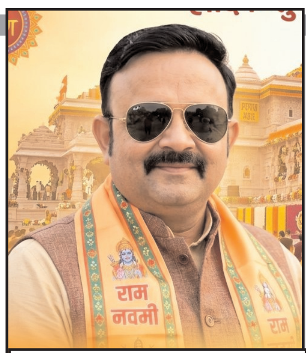

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत के संघर्ष, आक्रमणों और पुनर्जागरण की कहानी कहता है। विदेशी आक्रांताओं द्वारा कई बार ध्वस्त किए जाने के बाद भी यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौहपुरुष सरदार पटेल ने इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। वर्ष 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसने स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान को नई पहचान दी।

भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आस्था के प्रतीक सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होना केवल एक धार्मिक अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की ऐतिहासिक चेतना, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी महत्वपूर्ण क्षण है। आज जब देश इस गौरवपूर्ण यात्रा को स्मरण कर रहा है, तब यह भी स्पष्ट दिखाई देता है कि केंद्र की भारत सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारतीय विरासत और सांस्कृतिक धरोहरों के पुनर्स्थापन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की अदम्य शक्ति और सनातन परंपरा की अमर गाथा है।

सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत के संघर्ष, आक्रमणों और पुनर्जागरण की कहानी कहता है। विदेशी आक्रांताओं द्वारा कई बार ध्वस्त किए जाने के बाद भी यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौहपुरुष सरदार पटेल ने इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। वर्ष 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसने स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान को नई पहचान दी।

इन 75 वर्षों में सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं रहा, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक बन गया। विशेष रूप से पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने तीर्थ स्थलों के विकास और धार्मिक पर्यटन को जिस प्रकार गति दी है, वह उल्लेखनीय है। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या में राम मंदिर और केदारनाथ पुनर्विकास जैसे अनेक प्रकल्प इस सोच को मजबूत करते हैं कि भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर ही विश्व में नई पहचान बना सकता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सोमनाथ बारह ज्योतिलिंगों में प्रथम माना जाता है। कहा जाता है कि चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना कर यहां अपने श्राप से मुक्ति पाई थी, इसी कारण इसका नाम सोमनाथ पड़ा। अरब सागर के तट पर

स्थित यह मंदिर प्राचीन काल से श्रद्धा और व्यापार दोनों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा। इतिहासकारों के अनुसार इसका उल्लेख अनेक प्राचीन ग्रंथों और यात्रावृांतों में मिलता है।

सोमनाथ का इतिहास जितना गौरवपूर्ण है, उतना ही संघर्षपूर्ण भी। 11वीं शताब्दी में महमूद गजनी ने इस मंदिर पर आक्रमण कर इसकी अपार संपदा लूटी और मंदिर को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद भी विभिन्न कालखंडों में कई विदेशी आक्रांताओं ने इसे निशाना बनाया। लेकिन हर विनाश के बाद भारतीय समाज ने इसे फिर से खड़ा किया। यही तथ्य दशार्ता है कि किसी राष्ट्र की आत्मा को केवल पत्थरों को तोड़कर समाप्त नहीं किया जा सकता। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। आधुनिक सुविधाओं और भव्य स्थापत्य ने इसकी गरिमा को और बढ़ाया है। साथ ही यह मंदिर भारत को यह स्मरण कराता है कि हमारी संस्कृति ने हर संकट के बाद स्वयं को पुनर्जीवित करने की क्षमता दिखाई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं कई बार यह कहा है कि विकास और विरासत साथ-साथ चल सकते हैं। यही कारण है कि सरकार ने एक ओर आधुनिक आधारभूत संरचना पर बल दिया, वहीं दूसरी ओर प्राचीन मंदिरों, तीर्थों और सांस्कृतिक केंद्रों के संरक्षण को भी महत्व दिया। सोमनाथ मंदिर परिसर का आधुनिकीकरण, पर्यटन सुविधाओं का विस्तार और आसपास के क्षेत्र का विकास इसी दृष्टि का हिस्सा है।

हालांकि, इस अवसर पर यह भी आवश्यक है कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रह जाए। मंदिरों और तीर्थ स्थलों के विकास के साथ-साथ देश को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर भी समान गंभीरता से आगे बढ ?ा होगा। राष्ट्रीय गौरव तभी सार्थक होगा, जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सोमनाथ के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष भारत की उस अटूट चेतना का प्रमाण हैं, जिसने सदियों के संघर्ष के बाद भी अपनी पहचान को जीवित रखा। यह अवसर केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की सांस्कृतिक दिशा तय करने का भी है। यदि विरासत और विकास का संतुलन बना रहा, तो भारत विश्व मंच पर अपनी सभ्यतागत शक्ति के रूप में और अधिक मजबूती से उभरेगा।

आज जब भारत विश्व मंच पर अपनी नई पहचान बना रहा है, तब सोमनाथ जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक केंद्र देश की सांस्कृतिक शक्ति को मजबूत करते हैं। पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में भी ऐसे तीर्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी धरोहरों के संरक्षण, स्वच्छता और ऐतिहासिक महत्व को आने वाली पीढि ?ों तक पहुँचाने का कार्य गंभीरता से करें।

सोमनाथ मंदिर के 75 वर्ष हमें यह याद दिलाते हैं कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना और आत्मविश्वास में निहित होती है। समय बदलता है, चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन जो सभ्यता अपनी जड़ों से जुड़ी रहती है, वह सदैव मजबूत बनी रहती है। सोमनाथ इसी अमर भारतीय चेतना का प्रतीक है। वर्तमान समय में जब इतिहास और सांस्कृतिक पहचान को लेकर नई बहसें चल रही हैं, तब सोमनाथ का इतिहास हमें संतुलित दृष्टि अपनाने की प्रेरणा देता है। यह मंदिर प्रतिशोध का नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव का संदेश देता है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है, और सोमनाथ उसी निरंतरता का जीवंत प्रतीक है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

संपादकीय

सोनार बांग्ला का संकल्प

यह भाजपा के लिए आह्लादित होने का वक्त है कि आजादी के बाद पहली बार बंगभूमि में उसकी सरकार बनी है। जिस धूमधाम व उल्लास संग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा व एनडीए के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में पश्चिम बंगाल में शुभेंदु सरकार का शपथग्रहण समारोहपूर्वक संपन्न हुआ, उससे इसके महत्व का पता चलता है। भाजपा के लिए यह मौका इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उसकी पूर्ववर्ती मातृ पार्टी जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि में सरकार बनाने का सपना पौन सदी बाद पूरा हुआ। दशकों तक वामपंथी दलों का गढ़ रहे बंगाल में दक्षिणपंथ का उदय एक विस्मयकारी घटना है। डेढ़ दशक से सत्ता में

काबिज तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने में भाजपा ने साम-दाम-दंड-भेद के मुहावरे को हकीकत बनाया। कई दशकों के योजनाबद्ध अभियानों के बाद बंगाल में कमल खिला है। आक्रामक प्रचार तंत्र, मजबूत संगठन व संघ के वरदहस्त के चलते आज पश्चिम बंगाल भाजपामय हुआ है। यह पल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा ने कभी वामगढ़ रहे प्रदेश में अपनी यात्रा शून्य से शुरू की है। एक दशक में सुनियोजित अभियान से भाजपा का सत्ता पर काबिज होना भारतीय राजनीति की ऐतिहासिक घटना कही जा सकती है। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि शुभेंदु विपक्ष में रहते दिखाए गए आक्रामक तेवरों को छोड़, प्रतिशोध की राजनीति में न उलझकर, इस परिवर्तन को सार्थक बनाएंगे। कुछ ऐसा करें कि देश में शुभेंदु विकास मॉडल की चर्चा हो।

निस्संदेह, बंगाल में मिली बड़ी कामयाबी का श्रेय केंद्रीय नेतृत्व व पार्टी संगठन के साथ ही शुभेंदु अधिकारी को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने सत्ता के दमन का सामना करते हुए न केवल संगठन को मजबूत बनाये रखा, बल्कि नंदीग्राम से लेकर भवानीपुर तक बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी को सीधी लड़ाई में परास्त भी किया। वे पिछले पांच वर्ष से सड़क से विधानसभा तक में आक्रामक ढंग से टीएमसी का प्रतिरोध करते रहे। लेकिन अब जब उन्हें राज्य की बागडोर सौंपी गई है तो उम्मीद करें कि वे राज्य की कानून व अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाएंगे। उद्योग विरोधी नीतियों को दूर कर, राज्य में भारी निवेश को आमंत्रित करके बेरोजगारी संकट को दूर करने का प्रयास करेंगे। राज्य में कानून व्यवस्था, खासकर महिला सुरक्षा का बड़ा मुद्दा रहा है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद राज्यव्यापी आक्रोश पनपा था। संदेशखाली में महिलाओं से दुर्व्यवहार व हिंसा की घटनाएं लोगों को याद हैं। राष्ट्रवादी नीतियों को लेकर अगुवा रहने वाली भाजपा के लिए बांग्लादेश सीमा से घुसपैठ रोकना प्राथमिकता होगी, लेकिन इसका खमियाजा भारतीय नागरिकों को न भुगतना पड़े। उम्मीद की जानी चाहिए कि शुभेंदु सरकार राज्य में राजनीतिक व चुनावी हिंसा पर लगाम लगाने की ठोस पहल करेगी। साथ ही उन हिंसा करने वाले दबंग तत्वों पर लगाम लगाएगी, जो चोला बदलकर हर नई सरकार की छतरी के नीचे खड़े हो जाते हैं। जो कालांतर राज्य में अराजक राजनीतिक संस्कृति को जन्म देते हैं। कानून व्यवस्था सुधरने से ही पश्चिम बंगाल पटरी पर लौटेगा।

चिंतन-मनन

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए।

प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है। चेतना के उस शुद्ध स्वभाव को देखो जहां जानने-देखने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वही परम दर्शन है।

मनोबल की पूंजी — जीवन की असली विरासत

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद: आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हमारे पास डिग्रियों का ढेर है, लेकिन दिशा कहीं खोती हुई नजर आती है। हाल ही में एक कॉलेज यात्रा के दौरान छात्राओं के साथ हुई बातचीत ने जीवन के एक ऐसे सत्य की ओर ध्यान खींचा, जो आज समाज के लिए बेहद जरूरी बन चुका है। एक छात्रा ने बेहद सरल लेकिन गहरा सवाल पूछा–

'जीवन की लंबी यात्रा से ऐसी कौन-सी सलाह है, जो वास्तव में हमारे काम आ सके? '

यही सवाल आज की पीढ़ी के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौती को उजागर करता है।

गरीबी पैसों की नहीं, सोच की होती है

आज हमारे पास जानकारी की कोई कमी नहीं है, लेकिन आत्मबल और आत्मविश्वास की कमी साफ दिखाई देती है। दुखद बात यह है कि लोग अपने सपनों को पूरा करने से ज्यादा दूसरों की सफलता गिनने में व्यस्त हैं। याद रखिए, जीवन की सबसे बड़ी गरीबी पैसों की नहीं होती, बल्कि सोच की होती है।

कई लोग ऐसे होते हैं जिनके घरों में धन की कोई कमी नहीं होती, लेकिन आत्मविश्वास मानो उधार लिया हुआ लगता है। वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनके पास सीमित संसाधन होते

हैं, फिर भी उनकी आंखों में पूरा आसमान जीतने का साहस होता है।

दूसरों की थाली में झांकने की आदत

आज के समय की सबसे बड़ी बीमारी है– दूसरों की जिंदगी से अपनी तुलना करना।

किसके पास कौन-सी कार है, कौन कौन-सा ब्रांड पहनता है, किसके परिवार के पास कितनी संपत्ति है– इन्हीं बातों में लोग अपना पूरा जीवन निकाल देते हैं।

लेकिन असली सुकून तब मिलता है, जब रात को सोते समय आपका आत्मसम्मान यह कहे–

'आज मैंने जो हासिल किया है, वह मेरी मेहनत का परिणाम है। '

बेटियों के लिए खास संदेश

पिता की संपत्ति गर्व का विषय हो सकती है, लेकिन वह आपकी पहचान नहीं बन सकती।

शादी के बाद मिलने वाला वैभव आपको सुविधाएं दे सकता है, लेकिन आत्मसम्मान नहीं।

आपकी असली पहचान तब बनती है, जब आप गर्व से कह सकें–

'यह मैंने अपने दम पर हासिल किया है। '

दूसरों की लकीर छोटी नहीं, अपनी बड़ी करें

ईर्ष्या इंसान को भीतर से कमजोर बना देती है, जबकि मेहनत उसे पहाड़ जैसा मजबूत बनाती है।

किसी की आलोचना करने या उसे नीचे दिखाने से आपकी सफलता कभी बड़ी नहीं हो सकती।

सफलता पहले विचारों में जन्म लेती है और फिर कर्मों में दिखाई देती है। यदि आपने मन से हार मान ली, तो दुनिया की कोई यूनिवर्सिटी आपको जीत नहीं दिला सकती।

संस्कार और ईमानदारी ही असली स्टेटस है

आज लोगों को बड़ा घर चाहिए, लेकिन बड़ा दिल नहीं।

ऊंचा स्टेटस चाहिए, लेकिन ऊंचे विचार नहीं।

याद रखिए– पैसा दोबारा कमाया जा सकता है, लेकिन एक बार टूटा हुआ विश्वास और बिकी हुई ईमानदारी वापस नहीं आती।

जीवन की सबसे बड़ी कमाई वह मन है, जो कठिन परिस्थितियों में भी कह सके–

'मैं फिर से उठ खड़ा होऊंगा। '

तानों को ताकत बनाइए

जब आप आगे बढ़ेंगे, तो आलोचनाएं भी होंगी, क्योंकि पत्थर हमेशा फलदार पेड़ पर ही फेंके जाते हैं।

लोगों के तानों को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि प्रेरणा बनाइए।

व्यंग्य करने वाले सिर्फ समय बिताते हैं, जबकि मेहनत करने वाले इतिहास लिखते हैं।

जीवन की असली विरासत संपत्ति नहीं, बल्कि मजबूत मनोबल, ईमानदारी और आत्मविश्वास है।

जो व्यक्ति यह पूंजी बना लेता है, उसे दुनिया की कोई ताकत गरीब नहीं बना सकती।

राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी वालों के फिरेंगे दिन

उमेश चतुर्वेदी

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। शुभेंदु अधिकारी की अगुआई में राज्य में नई सरकार बन चुकी है। ममता बनर्जी की सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट गई है। यूं तो हर चुनाव अभियान के साथ तमाम घटनाएं इतिहास में समाती रहती हैं। उनमें से कुछ का प्रभाव बरसों तक रहता है। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव अभियान में एक घटना ऐसी घटी, जिसने ना सिर्फ पश्चिम बंगाल के वोटरों पर अमिट छाप छोड़ी, बल्कि बांग्ला खान-पान और संस्कृति से उन लोगों को भी परिचित करा दिया, जो उससे अब तक सर्वथा अपरिचित थे।

पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था। इसके साथ ही झालमुढ़ी इंटरनेट सर्च की दुनिया में पहले नंबर पर पहुंच गई।

झालमुढ़ी में कई बार भुने हुए चने भी मिलाए जाते हैं तो कई बार भीगे हुए कच्चे चने तो कई बार उस चने से बनी घुघनी। जिन्हें घुघुनी के बारे में पता नहीं है, उनकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने को जीरा, हरी मिर्च के सरसों तेल में छौंक लगाने के बाद सूखा और कई बार प्याज-टमाटर आदि मिलाकर मसालों को साथ भी पकाया जाता है। पश्चिम बंगाल ही क्यों, पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मुढ़ी को विशेषकर शाम की चाय के वक्त खाया जाता है। इन इलाकों के स्कूलों, कॉलेजों के बाहर, कचहरियों में स्टेशन के सामने झालमुढ़ी के ठेले और खोमचे खूब दिख जाएंगे। विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल और मिथिलांचल में तो मुढ़ी को पकौड़े के साथ भी खाया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो इसे आलूचप के साथ विशेष रूप में पसंद किया जाता है। अब सवाल उठ सकता है कि आलूचप क्या होता है। दरअसल उबले आलू को मसलकर उसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर उसकी टिक्की को बनाया जाता है। फिर उसे बेसन में डुबोकर छाना जाता है। इसे ही आलूचप कहा जाता है। वैसे आलूचप पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा में खूब प्रचलित है। विशेषकर शाम की चाय के वक्त।

झालमुढ़ी का पश्चिम बंगाल की राजनीति से खास रिश्ता है। राजनीतिक, चुनावी आदि चचाओं में चाय के साथ सहज उपलब्ध झालमुढ़ी ही होती है। कई बार सिर्फ मुढ़ी भी खाया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शादी-विवाह मुंडन-जनेऊ के हल्दी और मंडप बनाने के दिन विशेषरूप से लोगों को सिर्फ मुढ़ी मिठाई या गुड़ के साथ नाश्ते में दी जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता के एक मैदान पर ममता बनर्जी ने बाबुल सुप्रियो के संग झालमुढ़ी खाया था। इसके जरिए उन्होंने अपनी विजय, भाजपा से बेफिक्री और अपने लोगों को संदेश दिया था। उन्नीस अप्रैल को झारग्राम में झालमुढ़ी खरीदते वक्त पता नहीं प्रधानमंत्री मोदी को यह पता था कि नहीं, लेकिन उन्होंने इसके जरिए इतिहास रच दिया। गांधी जी के बारे में कहा जाता है कि वे बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर थे। प्रधानमंत्री मोदी भी बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर हैं। मात्र दस रूपए की झालमुढ़ी के जरिए उन्होंने पश्चिम बंगाल के आम लोगों के दिलों तक जगह बना ली। उन्होंने अपनी पार्टी का संदेश सीधे हर घर तक पहुंचा दिया। जिन इलाकों में झालमुढ़ी खाई जाती है, उन इलाकों में देखेंगे तो हर राजनीतिक सम्मेलन, रैली आदि के दौरान बाहर इसके ठेले और खोमचे लगे होते हैं। कई बार नेताओं के इंतजार में वक्त काटने तो कई बार तात्कालिक भूख मिटाने का जरिया यह झालमुढ़ी ही होती है। स्कूलों, कॉलेजों और कचहरियों के आसपास झालमुढ़ी और चने-चबेने के खोमचे और ठेले आपको पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुतायत से मिल जाएंगे। हाट-बाजार में भी शाम की चाय के वक्त का इन इलाकों का सबसे आसानी से सस्ते में उपलब्ध और पसंदीदा स्नैक यह झालमुढ़ी ही है। झालमुढ़ी आम लोगों और आम दुकानदारों से जुड़ने का भी सबसे बड़ा जरिया है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने झारग्राम में सड़क किनारे की झालमुढ़ी की दुकान को चुना और महज दस रूपए की झालमुढ़ी के ठोंगे यानी लिफाफे के जरिए पश्चिम बंगाल के करोड़ों दिलों तक जगह बना ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। झालमुढ़ी उनके इन दोनों नारों का भी प्रतिनिधित्व करता है। झालमुढ़ी और उसमें शामिल किए जाने तत्वों को स्थानीय स्तर पर ही तैयार किया जाता है, स्थानीय लोगों में यह सर्वाधिक लोकप्रिय है और इसके जरिए स्थानीय स्तर पर एक पूरी श्रृंखला की रोजी-रोटी चलती है। इसलिए यह आत्मनिर्भर भारत का भी प्रतीक है। चूंकि इसे खरीदने और खाने से स्थानीय रोजगार और पैदावार को सहयोग मिलता है, इसलिए यह वोकल फॉर लोकल के भी नजदीक है।

पश्चिम बंगाल में अब सरकार बन चुकी है। सरकार बनने और जीत हासिल करने के बाद बीजेपी और उसके नेताओं ने झालमुढ़ी की पार्टियां की हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की सरकार राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी और उस पर निर्भर लोगों की भलाई की दिशा में जरूर कदम उठाएगी।

चंदौलीः अस्पताल में घुसकर महिला मरीज की हत्या, सिर में मारी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली में अस्पताल में भर्ती एक महिला मरीज की गोली मार कर हत्या कर दी गई. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग रहा था, जिसके बाद ग्रामीणों ने पड़कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया. वहीं चंदौली में ही ट्रेन में 2 अन्य लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई. 24 घंटे के अंदर हुई तीन हत्याओं से लोगों में दहशत का माहौल है. फिलहाल पुलिस तीनों ही मामलों की जांच कर रही है. दरअसल चंदौली जिले के अलीनगर थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी अस्पताल में बिहार के भभुआ के रहने वाली लक्ष्मीना देवी नाम की एक मरीज का इलाज चल रहा था. सोमवार सुबह 6 बजे के आसपास एक अज्ञात हमलावर अस्पताल में घुसा और उनके सिर में गोली मार दी. वारदात को अंजाम देकर हमलावर फरार होने की कोशिश कर रहा था. लेकिन वहां मौजूद लोगों और ग्रामीणों नें उसे दौड़ा कर पकड़ लिया. इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमें मे हड़कंप मच गया. आनन फ़ानन मे चंदौली के एसपी आकाश पटेल पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया. फिलहाल पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है. लेकिन पिछले 24 घंटे में चंदौली जनपद में अलग-अलग तीन घटनाओं में गोली मारकर 3 लोगों की हत्या से सनसनी मच गई है. पहली घटना रविवार सुबह की है, जब पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से दिलदारनगर होते हुए तारीघाट जाने वाली पैसेंजर ट्रेन में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. युवक गाजीपुर जिले के जमानिया के रहने वाला था. युवक की पहचान मंगरु नामक यात्री के रूप में हुई. पुलिस इस मामले की भी जांच-पड़ताल कर रही है. वहीं आधी रात को दिनेश साहू जम्मू तवी जाने वाली सियालदह जम्मू तवी एक्सप्रेस ट्रेन के स्लीपर कोच में सफर कर रहे थे. उन्हें गया से लखनऊ के लिए जाना था. लेकिन जब ट्रेन पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से खुलकर वाराणसी की तरफ जा रही थी, तभी उनकी गोली माकर हत्या कर दी गई. पुलिस अभी इस मामले की भी जांच पड़ताल कर ही रही है. साथ ही पुलिस यह भी पता लगा रही है कि तीनों घटनाएं एक दूसरे जुड़ीं तो नहीं हैं. एसपी चंदौली, आकाश पटेल ने बताया कि अलीनगर थाना क्षेत्र में एक जीवक हॉस्पिटल है, आज सुबह सूचना मिली कि लक्ष्मीना देवी नाम की एक महिला जो भभुआ, बिहार के रहने वाली हैं अपना इलाज कराने के लिए एडमिट थी.

लंदन वाली मैडम ने लूट लिया! ग्वालियर के ठेकेदार से दोस्ती कर वसूले 1.27 लाख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। साइबर ठगी का एक और बड़ा मामला सामने आया है. यहां फेसबुक पर विदेशी महिला की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करना एक ठेकेदार को भारी पड़ गया. दोस्ती के नाम पर शुरू हुई बातचीत धीरे-धीरे लाखों की विदेशी करेंसी बदलवाने के झांसे तक पहुंच गई और आखिरकार ठेकेदार से 1 लाख 27 हजार रुपये की ठगी कर ली गई. मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

'लकी चार्ल्स' नाम से आई फ्रेंड रिक्वेस्ट

जानकारी के अनुसार, झांसी रोड थाना क्षेत्र के हरिशंकरपुरम निवासी ठेकेदार कमलकांत यादव को 24 अप्रैल को फेसबुक पर 'लकी चार्ल्स' नाम की आईडी से फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली थी. कमलकांत ने रिक्वेस्ट स्वीकार कर ली, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई. कुछ दिन बाद महिला ने व्हाट्सएप पर बात करने की बात कही और खुद को लंदन निवासी डॉक्टर पैंट्रिशिया आर मेडिसिन बताया.

बातचीत के दौरान महिला ने कहा कि वह भारत घूमने आना चाहती है और अपने साथ 95 हजार ब्रिटिश पाउंड लेकर आ रही है. उसने कमलकांत से कहा कि भारत पहुंचने पर इस रकम को भारतीय मुद्रा में बदलवाने में मदद करें. बड़ी रकम और कमीशन के लालच में कमलकांत उसकी बातों में आ गया. किस्तों में ट्रांसफर कराए 1 लाख 27 हजार 27 अप्रैल को कमलकांत के पास एक महिला का फोन आया, जिसने खुद को मुंबई एयरपोर्ट कर्मचारी बताया. उसने कहा कि आपके नाम से एक विदेशी महिला की करेंसी एयरपोर्ट पर रोकी गई है और उसे रिलीज कराने के लिए रजिस्ट्रेशन फीस जमा करनी होगी. इसके बाद अलग-अलग बहानों से लॉन्ड्री चार्ज और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर ठेकेदार से किस्तों में कुल 1 लाख 27 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए गए. दोबारा मांगे पैसे तो हुआ शक जब आरोपियों ने दोबारा 70 हजार रुपये की मांग की तो कमलकांत को शक हुआ. जांच-पड़ताल करने पर उसे एहसास हुआ कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुका है. उसने तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई.

यूपी कैबिनेट विस्तारः 3 OBC, 2 दलित और एक ब्राह्मण, सीएम योगी ने खेली आखिरी बाजी, अखिलेश का PDA क्या होगा फेल ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में करीब 10 महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव (Uttar Pradesh Assembly Elections 2027) का असर राज्य की योगी आदित्यनाथ की सरकार पर दिखाई दे रहा है। योगी आदित्यनाथ ने खास तौर पर समाजवादी पार्टी के 'पीडीए', यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय पर केंद्रित चुनावी फॉर्मूले के जवाब में मंत्रिमंडल के विस्तार के जरिए अपने तरकश में 'तीर' भर लिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी कैबिनेट में रविवार को छह नए मंत्रियों को शामिल किया। इनमें से तीन पिछड़े वर्ग से और दो दलित वर्ग से हैं। नए मंत्रियों को सामिल करने के साथ कुछ को प्रमोट भी किया गया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पिछले लोकसभा चुनाव में अपनाए गए 'पीडीए' फॉर्मूले से मिली सफलता से उत्साहित हैं। यही कारण है कि वे यूपी के आगामी विधानवसभा चुनाव में भी इसी फॉर्मूले को अपनाकर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक लोगों की वोटें हासिल करने का दांव लगा रहे हैं। हालांकि बीजेपी ने उनके इस फॉर्मूले की धार कुंद करने की कोशिश शुरू कर दी है।

सोशल इंजीनियरिंग पर केंद्रित रणनीति

योगी आदित्यनाथ ने एक सोशल इंजीनियरिंग पर केंद्रित एक सोची-समझी रणनीति के तहत उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल का विस्तार किया है। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) और अनुसूचित जाति या दलित (SC) वर्गों के भीतर उन छोटे और राजनीतिक रूप से कम प्रभावशाली जातीय समूहों को प्राथमिकता दी है, जिनके पास भले ही व्यक्तिगत रूप से बड़ा वोट बैंक न हो, लेकिन कड़े मुकाबले वाले चुनावों में वे महत्वपूर्ण बढ़त दिला सकते हैं। यूपी के मंत्रिमंडल विस्तार में छह नए चेहरों को शामिल किया गया है और दो मंत्रियों को प्रमोशन दिया गया है। बीजेपी की यह कोशिश यह दर्शा रही है कि वह अलग-अलग क्षेत्रों में छोटे-छोटे सामाजिक गठबंधनों को एकजुट कर रही है, ताकि जाति और भौगोलिक, दोनों ही स्तरों पर पार्टी की पकड़ को मजबूत किया जा सके।

बीजेपी की पार्टी से दूर हुए समुदायों पर नजर

इस फेरबदल में जिन जातीय समूहों के नेताओं को जगह दी गई है, उनमें से कई के बारे में माना जाता है कि लोकसभा चुनावों के दौरान वे बीजेपी से कुछ दूर हो गए थे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बीजेपी ने साल 2027 के चुनावी मुकाबले से पहले अपने सामाजिक समीकरणों को संतुलित किया है। योगी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में वाराणसी के एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा को मंत्रिमंडल में शामिल करके उनका कद बढ़ा दिया है। वे ओबीसी वर्ग से हैं और इस समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे जमीनी नेता हैं और संगठन में उनकी गहरी पैठ है। उनको प्रमोट करके बीजेपी ने संदेश दिया है कि वह अपने वफादार नेताओं, कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत करना चाहती है। विश्वकर्मा का कद बढ़ाकर वह पूर्वांचल क्षेत्र में अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहती है। माना जाता है कि उन्हें कोई महत्वपूर्ण मंत्रालय सौंपा जाएगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर की खुर्जा सीट से विधायक सुरेंद्र दिलेर को कैबिनेट में शामिल है।

भोपाल में लगा देश का पहला 'एल्गी ट्री', अकेले देता है 25 पेड़ों के बराबर ऑक्सीजन, जानें क्या है टेक्निक ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। पर्यावरण के प्रति सजग रहने वाले शहर भोपाल ने एक बार फिर देश को नई राह दिखाई है। राजधानी के अशोका गार्डन स्थित स्वामी विवेकानंद पार्क में भारत का पहला 'एल्गी ट्री' स्थापित किया गया है। यह तकनीक न केवल देखने में आधुनिक है, बल्कि यह शहर की हवा से जहर को कम करने में जादुई भूमिका निभाएगी।

क्या है ये 'एल्गी ट्री' और कैसे करता है काम ?

यह कोई सामान्य पेड़ नहीं, बल्कि एक फोटो-बायोरिएक्टर है। इसके भीतर एक कांच के टैंक में विशेष प्रकार के सूक्ष्म शैवाल और पानी भरा होता है। यह मशीन सूर्य की रोशनी का उपयोग कर प्रकाश संश्लेषण की प्राकृतिक प्रक्रिया को कई गुना तेज गति से दोहराती है। यह हवा से कार्बन डाइऑक्साइड को सोखती है और शुद्ध ऑक्सीजन छोड़ती है।विशेषज्ञों के अनुसार, एक एल्गी ट्री अकेले 20 से 25 बड़े पेड़ों के बराबर काम करता है। यह सालाना लगभग 1.5 टन कार्बन डाइऑक्साइड को सोख सकता है।

खास बात यह है कि यह धूल के सूक्ष्म कणों को भी हवा से साफ करता है। घनी आबादी वाले इलाकों में जहां पेड़ लगाने की जगह कम होती है, वहां यह तकनीक वरदान साबित होगी।

पूरी तरह ईको-फ्रेंडली

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत विकसित यह मशीन पूरी तरह सौर ऊर्जा से चलती है। इसे तैयार करने में करीब 50 विशेषज्ञों की टीम को 2 साल का समय लगा। भोपाल की इस सफलता के बाद अब इसे देश के अन्य महानगरों में भी लगाने की तैयारी की जा रही है।

'सिंगल हो, मेरे साथ चलोगी', सिविल में जा रही लेडी कॉन्स्टेबल के पीछे पड़ा मनचला, ACP की स्टिंग में धराया

मध्यप्रदेश के इंदौर पुलिस एसीपी की स्टिंग में एक मनचला फंसा है। वह रात में अकेले चल रहीं महिला कॉन्स्टेबल पर फब्तियां कस रहा था। साथ ही कह रहा था कि सिंगल हो तो मेरे साथ चलो।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। सादी वर्दी में जा रही दो लेडी कॉन्स्टेबल के पीछे एक मनचला पड़ा हुआ था। वह अपनी स्कूटी से मंडरा रहा था। साथ ही लेडी कॉन्स्टेबल को कह रहा था कि सिंगल हो क्या, मेरे साथ चलोगी। वहीं, मनचले के पीछे इंदौर एसीपी की गाड़ी चल रही थी। उन्होंने मनचले का पूरा वीडियो रिकॉर्ड किया है।

इंदौर पुलिस ने शुरू की है अभियान

दरअसल, इंदौर में सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं से छेड़छाड़ और अभद्र टिप्पणियां करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त अभियान शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में शनिवार रात इंदौर के विजय नगर इलाके में पुलिस ने एक स्टिंग ऑपरेशन चलाया, जिसमें एक युवक महिला सिपाही से अभद्रता करते हुए पकड़ा गया। युवक लगातार महिला पुलिसकर्मी का पीछा कर रहा था और बातचीत करने की कोशिश कर रहा था। पूरी घटना गुप्त कैमरे में रिकॉर्ड होने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर ही उसे दबोच लिया।

लगातार मिल रही थीं शिकायतें

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मेघदूत गार्डन और सयाजी होटल के आसपास पिछले कुछ समय से महिलाओं के साथ फब्तियां कसने और पीछा करने की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए एसीपी पराग सैनी के निर्देशन में विशेष कार्रवाई की योजना बनाई गई। पुलिस की स्टिंग में फंसा मनचला इंदौर पुलिस की स्टिंग में एक मनचला फंसा वह लेडी कॉन्स्टेबल पर कस रहा था फब्तियां मनचला सर्वेश साहू को पुलिस ने किया गिरफ्तार आरोपी को इंदौर पुलिस ने भेजा जेल सिविल ड्रेस में थीं लेडी कॉन्स्टेबल स्टिंग ऑपरेशन के तहत महिला पुलिसकर्मियों को सामान्य युवतियों की तरह सादे कपड़ों में इलाके में भेजा गया। इस दौरान एक युवक स्कूटर से वहां पहुंचा और महिला पुलिसकर्मियों के आसपास घूमने लगा। पहले उसने बातचीत करने की कोशिश की लेकिन अनदेखा करने के बावजूद वह पीछा करता रहा। कुछ देर बाद उसने महिला सिपाही से 'सिंगल हो क्या' जैसी टिप्पणी की। युवक की पूरी हरकत पहले से लगाए गए कैमरों में रिकॉर्ड हो गई।

सागर का रहने वाला है युवक

संकेत मिलते ही आसपास मौजूद पुलिस टीम सक्रिय हुई और युवक को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान सर्वेश साहू के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि वह मूल रूप से सागर का रहने वाला है और इंदौर की एक आईटी कंपनी में काम करता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 151 के तहत प्रकरण दर्ज कर जेल भेज दिया है।

दूध में नशा और फिर 'फिल्मी' लूटः बुजुर्ग महिला के भरोसे का कत्ल कर परिचित ने ही घर कर दिया साफ!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। के थाना कुतुबशेर इलाके में एक ऐसी वारदात सामने आई जिसने अकेले रह रहे बुजुर्गों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया. 75 वर्षीय वीना बांगा के घर उनके परिचित हरदीप उर्फ दीपा ने भरोसे का फायदा उठाकर फिल्मी अंदाज में चोरी की साजिश रची. आरोपी रात करीब 8 बजे दूध और खाने का सामान लेकर घर पहुंचा, जैसे वह पहले भी कई बार आता रहा था. बुजुर्ग महिला ने बिना शक किए दूध पी लिया, लेकिन उस दूध में नशीला पदार्थ मिला हुआ था. कुछ ही देर में महिला बेहोश हो गई और फिर शुरू हुआ चोरी का पूरा खेल. महिला जब सुबह होश में आई तो घर का मंजर देखकर दंग रह गई. अलमारी के ताले खुले पड़े थे, नगदी गायब थी, हाथों की चार सोने की चूड़ियां और गले की चैन तक उतार ली गई थी. इतना ही नहीं, आरोपियों ने घर में लगे CCTV कैमरों से छेड़छाड़ की और सबूत मिटाने के लिए वाई-फाई डिवाइस भी साथ ले गए. पुलिस जांच में सामने आया कि यह कोई अकेला चोर नहीं बल्कि पूरा गिरोह था, जो नशा देकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था. एसएसपी के निर्देश पर थाना कुतुबशेर पुलिस ने जाल बिछाकर चारों शातिर आरोपियों को दबोच लिया. दबनी वाले कब्रिस्तान के तालाब किनारे से हुई गिरफ्तारी में पुलिस ने पीली धातु की डलियां, चैन-लोकेट, नकदी, मोबाइल फोन, फर्जी नंबर प्लेट और चोरी की स्कूटी बरामद की. मुख्य आरोपी हरदीप उर्फ दीपा का लंबा आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिस पर उत्तराखंड, हरियाणा और सहारनपुर में नशा देकर चोरी, लूट और अन्य संगीन मामलों के कई मुकदमे दर्ज हैं. पुलिस अब गिरोह के बाकी नेटवर्क और पुरानी वारदातों की भी जांच में जुट गई है. घटना इलाके में चर्चा का विषय बन गई है.

दोस्त को कार देना पड़ा महंगा, मर्डर केस में फंसी, हाईकोर्ट की दखल से पुलिस असली मालिक को लौटाएगी कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल. मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पुलिस थानों में जब्त वाहनों की हालत और उनके मालिकों के अधिकारों को लेकर एक दूरगामी फैसला सुनाया है। अदालत ने नरसिंहपुर के एक चर्चित मर्डर केस में इस्तेमाल हुई लग्जरी स्कूड़ को उसके मालिक को वापस सौंपने के लिए ट्रायल कोर्ट को पुनर्विचार करने का निर्देश दिया है। जस्टिस डी.डी. बंसल ने स्पष्ट किया कि जब्त वाहनों को थानों में लावारिस छोड़ने से वे कबाड़ में तब्दील हो जाते हैं, जिससे राष्ट्रीय संपत्ति का नुकसान होता है।

क्या था पूरा मामला?

यह मामला अगस्त 2025 का है, जब नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा निवासी आदित्य राजपूत ने अपनी लग्जरी स्कूड़ अपने दोस्त शिवम राय को भोपाल जाने के लिए दी थी। शिवम ने वह गाड़ी नितिन दुबे को दे दी, जिसने कथित तौर पर उसी चलती कार के भीतर अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्या के साक्ष्य के तौर पर गाड़ी को जब्त कर लिया था।

मालिक की दलील और हाई कोर्ट का रुख

गाड़ी के असली मालिक आदित्य राजपूत ने दलील दी कि वह इस अपराध में आरोपी नहीं है और जांच पूरी हो चुकी है, इसलिए उसे उसकी गाड़ी वापस मिलनी चाहिए। निचली अदालत ने उसकी याचिका खारिज कर दी थी, जिसे हाई कोर्ट ने 'त्रुटिपूर्ण' बताया। हाई कोर्ट ने 'भजनलाल बनाम मध्य प्रदेश राज्य' मामले का हवाला देते हुए कहा कि यदि वाहन मालिक कोर्ट की शर्तों को मानने और भविष्य में गाड़ी के उपयोग को लेकर विवाद न करने का वचन देता है, तो उसे 'सुपुर्दनामा' पर कब्जा दिया जाना चाहिए।

बांदा किडनैपिंग मिस्ट्रीः सगा मामा ही निकला 'मास्टरमाइंड' पुलिस को गुमराह करने के लिए खेला 'डबल गेम'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। जिले के बबेरू कस्बे में 7 मई को स्कूल से घर लौट रहे 10 वर्षीय हर्षित का नकाबपोश बदमाशों ने दिनदहाड़े अपहरण कर लिया. पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल 5 टीमों को सक्रिय किया. सर्विलांस और सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने किडनैपर्स का पीछा किया. यह पूरी साजिश मासूम के सगे मामा रामजी ने ऋषिकेश में अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर रची थी. आरोपियों ने बच्चे की जान के बदले 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी, जिन्हें पुलिस ने हरियाणा के रोहतक स्थित एक होटल से गिरफ्तार कर लिया.

ऋषिकेश में बनी साजिश, बांदा में वारदात

पुलिस पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपी मामा रामजी का अपनी बहन और जीजा के साथ पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद था. रामजी ने उधार लिए पैसे वापस नहीं किए थे, जिसके कारण परिजनों ने उससे बातचीत बंद कर दी थी. इसी खुन्नस और जुए व अय्याशी की लत को पूरा करने के लिए उसने अपने भांजे हर्षित के अपहरण का प्लान बनाया. आरोपियों ने पहले ऋषिकेश में योजना तैयार की, फिर बांदा आकर वारदात को अंजाम दिया और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के रास्ते हरियाणा फरार हो गए. हैरानी की बात यह है कि अपहरण के बाद आरोपी मामा लगातार परिजनों के संपर्क में था. वह पुलिस और परिवार को गुमराह करने के लिए फोन कर रहा था कि वह अपहरणकर्ताओं को जानता है और डील करा देगा. उधर, किडनैपर्स 10 लाख की फिरौती मांगते हुए बच्चे को जान से मारने की धमकी दे रहे थे. एसपी पलाश बंसल खुद ऑपरेशन की मॉनिटरिंग कर रहे थे. पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए परिजनों से कुछ पैसे आरोपियों के खाते में डलवाए और बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसका वीडियो भी मंगवाया. पुलिस की सर्विलांस टीम ने जब लोकेशन ट्रैक की, तो संदिग्ध गाड़ी बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से आगरा की ओर जाती दिखी. टोल प्लाजा से मिले गाड़ी के नंबरों का मिलान करते हुए पुलिस की टीम रोहतक के एक होटल तक पहुंच गई. होटल स्टाफ को बच्चे की फोटो दिखाई गई, जिन्होंने पुष्टि की कि बच्चा तीन युवकों के साथ कमरे में है. पुलिस ने जाल बिछाकर एक आरोपी को बाहर दबोचा और फिर उसकी मदद से कमरा खुलवाकर हर्षित को सकुशल बरामद कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. मासूम हर्षित को सुरक्षित वापस पाकर परिजनों की आंखों में आंसू आ गए. एसपी पलाश बंसल ने इस सफल ऑपरेशन के लिए पुलिस टीम को 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है

निकाह से पहले बनाए संबंध, इंस्टा पर बगैर कपड़े फोटो मांगता था! शौहर की करतूतों से तंग बीवी पहुंची थाने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ताजनगरी। यूपी की ताजनगरी आगरा में एक गर्भवती महिला ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि शादी से पहले उसके पति ने जबरन संबंध बनाए। इंस्टाग्राम पर चैटिंग करते समय वह पूरे कपड़े उतारकर फोटो भेजने का दबाव बनाता था। मना करने पर रिश्ता तोड़ने की धमकी देता था। निकाह के बाद उसके सहकर्मियों के साथ फोटो वायरल कर बदनाम कर दिया है। पीड़िता ने अपने पति के खिलाफ दुष्कर्म और अन्य ससुरालियों पर केस दर्ज कराया है। यह मामला ताजगंज थाना क्षेत्र का है। शिकायत के मुताबिक, 11 अप्रैल, 2025 को दोनों का निकाह हुआ था। शादी के बाद महिला को पता चला कि उसके पति के अन्य महिलाओं से भी संबंध हैं। विरोध करने पर पति ने शादी से पहले के फोटो और वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी। महिला ने बताया कि वह वर्तमान में चार माह की गर्भवती है और गर्भावस्था के दौरान भी उसके साथ जबरन संबंध बनाए गए, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने उसका उचित इलाज भी नहीं कराया और उसे भूखा तक रखा गया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई।

सहकर्मियों संग फोटो वायरल कर दिए

पीड़िता ने बताया कि 16 जनवरी 2026 को पति, सास, देवर और अन्य रिश्तेदार रात में उसके मायके पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए फोटो वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी। इसके बाद महिला ने पुलिस और उच्चाधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। इसके बाद आरोपियों ने उसके सहयोगियों के साथ खिंचाए फोटो वायरल कर दिए। पीड़िता ने बताया कि ससुराल पक्ष ने उसके पुराने कार्यस्थल के सहकर्मियों के साथ खिंचवाई गई सामान्य फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए, जिससे उसकी बदनामी हुई। महिला ने पति पर दूसरी शादी करने की आशंका भी जताई है। महिला ने अदालत से आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई कर मुकदमा दर्ज कराने की मांग की थी।

दिल्ली सरकार की बच्चों को बड़ी सौगात, 18 साल के बाद भी मिलेगी मदद; 3.5 करोड़ रुपये का बजट मंजूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मां की ममता बचपन तक सीमित नहीं होती, जिंदगी की हर मुश्किल में सहारा बनती है। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली सरकार ने मदर्स डे पर उन युवाओं के लिए बड़ी पहल की है, जो 18 साल की उम्र पूरी होने के बाद चाइल्ड केयर संस्थानों '88 चाइल्ड केयर संस्थाएं चला रही सरकार से बाहर आ जाते हैं।

3.5 करोड़ रुपये का बजट भी निर्धारित

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'आफ्टरकेयर स्कीम फॉर यंग पर्सन्स' की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार किसी भी बच्चे का साथ बालिग होने के बाद भी नहीं छोड़ेगी। इस योजना के लिए वित्त वर्ष 2026-27 में 3.5 करोड़ रुपये का बजट भी निर्धारित किया गया है।

मदर्स डे पर रविवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लाजपत नगर के विलेज कॉटेज होम में बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार और एनजीओ मिलकर स्स चाइल्ड केयर इंस्टिट्यूशंस चला रहे है। इन संस्थानों में 18 साल तक के बच्चों को देखभाल, सुरक्षा, शिक्षा, पुनर्वास और अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

उन्होंने कहा कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 के तहत मंजूर की गई 'आफ्टरकेयर स्कीम फॉर यंग पर्सन्स' का मकसद संस्थागत देखभाल छोड़ने वाले युवाओं को जरूरी सहयोग, मार्गदर्शन और अक्सर उपलब्ध कराना है।

18 साल के बाद भी बच्चों को दी जाएगी मदद: रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में दो आफ्टरकेयर होम भी चलाए जा रहे हैं, जिनमें एक लड़कों और एक लड़कियों के लिए है। हर साल करीब 150 से 200 युवा 18 साल की उम्र के बाद चाइल्ड केयर संस्थानों से बाहर आते हैं। बाहर आने के बाद उन्हें पढ़ाई जारी रखने, रोजगार पाने और स्वतंत्र जीवन शुरू करने जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री के अनुसार, योजना के तहत पात्र युवाओं को कॉलेज की पढ़ाई के लिए मदद दी जाएगी। इसके अलावा - स्किल डिवेलपमेंट और प्रफेशनल ट्रेनिंग की सुविधा भी दी जाएगी। आर्थिक सहायता और स्टाइपेंड का भी प्रावधान रखा गया है। मेंटरिंग, काउंसलिंग, करियर गाइडेंस, पुनर्वास सहायता और स्वतंत्र जीवन जीने के लिए जरूरी सहयोग भी प्रदान किया जाएगा।

राज्य और जिला स्तर पर होगी निगरानी

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना के लिए महिला और बाल विकास विभाग के सचिव की अध्यक्षता में 'स्टेट आफ्टरकेयर कमिटी' बनेगी। यह कमिटी नीति निर्धारण, निगरानी और सुपरविजन का काम करेगी।

सोया चाप की आड़ में चल रहा था अवैध हथियार का धंधा, नाबालिग की मदद से तस्कर तक पहुंची पुलिस,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

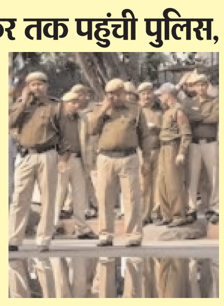

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो पोस्ट करने के मामले में दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच टीम की सतर्कता ने उसे एक हथियार सप्लायर तक पहुंचा दिया। दरअसल, टीम ने फोटो पोस्ट करने वाले एक नाबालिग को पकड़कर जब उससे पूछताछ की तो वहां से तस्कर के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने तस्कर को गिरफ्तार कर लिया।

क्या था पूरा मामला

आरोपी पुलिस और लोगों को गुमराह करने के लिए द्वारका स्थित वेगास मॉल के पास सोया चाप की दुकान चलाता था, जबकि असल में वह अवैध हथियारों की सप्लाई करता था। पुलिस ने आरोपी के पास से एक पिस्टल, तीन कारतूस और अन्य सामान बरामद किया है। हथियार तस्कर की पहचान नवीन उर्फ विवेक (27) के रूप में हुई है।

पुलिस पूछताछ में बड़ा खुलासा

डीसीपी क्राइम ब्रांच आदित्य गौतम ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक नाबालिग सोशल मीडिया पर हथियार के साथ तस्वीरें पोस्ट कर रहा है। जांच के बाद पुलिस ने नाबालिग को तुगलकाबाद इलाके से पकड़ा। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि पिस्टल उसे किशन नाम के युवक ने दी थी। पुलिस ने जब किशन के बारे में जांच की तो पता चला कि उसने यह हथियार सोनिया विहार निवासी नवीन ने खरीदा है। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने नवीन की तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

यूपी से खरीदकर करता था दिल्ली में सप्लाई

पूछताछ में नवीन ने बताया कि वह यूपी से अवैध हथियार खरीदकर दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग गैंग और लोगों को सप्लाई करता है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से अवैध हथियार तस्करी के तीन मामले दर्ज हैं। इनमें यूपी के खेकड़ा, बागपत कोतवाली और दिल्ली के कालकाजी थाने के मामले शामिल हैं। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटाने में लगी है।

दिल्ली में देर रात एनकाउंटर, पुलिस और बदमाशों के बीच चली गोली, दो गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर । में पारिवारिक विवाद के बाद गुस्से में एक नशे में धुत युवक ने बिल्डिंग की छत से पाइप के सहारे नीचे उतरने की खतरनाक कोशिश की. हालांकि बीच रास्ते में संतुलन बिगड़ने पर वह पांचवीं और छठी मंजिल के बीच खिड़की की संकरी मुंडेर पर फंस गया. इसके बाद युवक मदद के लिए जोर-जोर से चिल्लाने लगा. यह पूरी घटना रामदासपेठ स्थित आशीष अपार्टमेंट की है.

शराब के नशे में ससुराल की छत पर चढ़ा युवक

जानकारी के मुताबिक, वाड़ी इलाके में रहने वाले युवक का अपनी पत्नी के साथ पिछले कई दिनों से पारिवारिक विवाद चल रहा था. विवाद के चलते पत्नी मायके में रह रही थी. इसी बीच युवक शराब के नशे में सीधे ससुराल पहुंच गया, जहां दोनों के बीच फिर से जमकर बहस और आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए.

बताया जा रहा है कि विवाद बढ़ने के बाद युवक वहां से निकलकर रामदासपेठ स्थित आशीष अपार्टमेंट पहुंचा और बिल्डिंग की छत पर चढ़ गया. इसके बाद उसने पाइप के सहारे नीचे उतरने की कोशिश की. लेकिन उतरते समय उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पांचवीं-छठी मंजिल के बीच खिड़की की संकरी मुंडेर पर जाकर फंस गया. घटना को देखकर स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया. नागरिकों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी. बचाव दल के पहुंचने तक स्थानीय लोग युवक से लगातार बातचीत करते रहे ताकि वह घबराए नहीं. इमारत की ऊंचाई पर युवक के फंसे होने की खबर फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई. काफी देर तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम ने रस्सी और सीढ़ी की मदद से युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. देर रात उस वक्त सनसनी फैल गई.

बंगाल को 15 सालों में ममता बनर्जी ने बनाया कंगाल, रामदास आठवले ने बोला हमला, अखिलेश यादव और ओवैसी को भी घेरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने अखिलेश यादव की ओर से ईवीएम को समाप्त करने पर की गई टिप्पणी का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख को संविधान की ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। उनको अपनी पार्टी की चिंता करनी चाहिए। क्योंकि संविधान की चिंता करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है। अगर बैलेट पेपर से जुड़ा कानून होता तो हमें उससे भी कोई दिक्कत नहीं होती। लेकिन जब वो सत्ता में होते हैं तो वो यह सवाल नहीं उठाते हैं। लोकसभा में जब समाजवादी पार्टी की ज्यादा सीटें आईं तो उन्होंने ईवीएम को लेकर कोई सवाल नहीं उठाया। इसके अलावा उन्होंने बंगाल की हार को लेकर ममता बनर्जी पर निशाना साधा।

ओवैसी के आरोपों को किया खारिज

केंद्रीय मंत्री ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के उन आरोपों को खारिज किया, जिसमें उन्होंने एनआरसी जैसे कानून के माध्यम से मुसलमानों को निशाना बनाने का आरोप लगाया था। इस पर उन्होंने कहा कि एनआरसी के माध्यम से किसी मुसलमान को नुकसान पहुंचाने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। मुसलमान भी भारत के नागरिक हैं। उनको सभी संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। ऐसे में मुसलमानों को खत्म करना केवल एक कपोल कल्पित बात है। असदुद्दीन ओवैसी बिना किसी आधार के ऐसी बातें करते हैं। सरकार की सभी योजनाओं का लाभ उनको मिल रहा है, फिर उनको खत्म करने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

ममता पर साधा निशाना

उन्होंने ममता बनर्जी की ओर से बीजेपी के खिलाफ संयुक्त विपक्ष मंच बनाने के आह्वान की आलोचना की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब बीजेपी और एनडीए को सत्ता मिलती है तो विपक्ष चुनाव आयोग और ईवीएम पर तमाम सवाल उठाता है,

इसके विपरीत जब विपक्षी दलों की ज्यादा सीटें आती हैं तो हम निर्वाचन आयोग और ईवीएम को कोई दोष नहीं देते। इससे पहले 2021 में जब ममता बनर्जी को 215 सीटें मिली थी तो हमने अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर नहीं फोड़ा। ममता बनर्जी 15 साल तक बंगाल की मुख्यमंत्री रहीं और बंगाल को कंगाल करने का काम उन्होंने किया। दीदी ने वहां राजनीतिक अपराध को बढ़ावा दिया, यही वजह है कि वहां के लोग ममता बनर्जी से तंग आ चुके थे और उन्होंने मतदान के दिन भारी संख्या में मतदान किया।

विजय के शपथ पर क्या बोले?

आठवले ने कहा कि पांच राज्यों से तीन राज्यों में एनडीए की सरकार आई है। तमिलनाडु में मैंने टीवीके प्रमुख विजय थलपति को एनडीए में आने का न्योता दिया था। अगर वह एनडीए का समर्थन मांगते तो भाजपा और एआईएडीएमके गठबंधन उनका सपोर्ट करता। तमिलनाडु ने एक अभिनेता को चुना है। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने विजय के तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।

सड़कों पर पशुओं का कब्जा, MCD विभाग की रफ्तार हुई मंदी, गौशालाएं 'हाउसफुल' होने से रुकी धरपकड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। MCD का पशु विभाग पिछले साल के मुकाबले इस साल कुछ कम ऐक्टिव नजर आ रहा है। साल 2025-26 में सड़कों पर घूम रहे जानवरों के खिलाफ कार्रवाई भी कम हुई। साल 2024-25 में पशु विभाग ने 13,780 जानवरों को पकड़कर अलग-अलग गौशालाओं में पहुंचाया था, जबकि साल 2025-26 में यह आंकड़ा घटकर 13,432 रह गया। इस पर क्या है पशु विभाग का दावा पशु विभाग का दावा है कि इस साल बंदरों को पकड़ने की कार्रवाई में बढ़ोतरी हुई है। साल 2024-25 में पूरे साल में 1,483 बंदरों को पकड़ा गया था, जबकि साल 2025-26 में यह आंकड़ा बढ़कर 1,639 तक पहुंच गया। स्ष्टष्ठ के 250 वॉर्ड में शायद ही कोई ऐसा वॉर्ड हो, जहां जानवरों की समस्या न हो। निगम पार्षद भी लगातार स्ष्टष्ठ बैठकों में इस मुद्दे को उठाते रहे हैं। इसके बावजूद राजधानी को अब तक जानवरों की समस्या से राहत नहीं मिल सकी है।

पिछले कुछ सालों में पकड़े गए कितने जानवर

पिछले साल पशु विभाग ने साल सबसे ज्यादा 1,379 जानवर अक्टूबर 2024 में पकड़े थे। वहीं साल 2025-26 के दौरान सबसे ज्यादा 1,704 जानवर मई 2025 में पकड़े गए। अप्रैल 2025 में 1,640 जानवरों को पकड़ा गया। सबसे कम कार्रवाई जुलाई 2025 में की गई, जब पशु विभाग सिर्फ 242 जानवर ही पकड़ पाया। विभाग के मुताबिक, जून और जुलाई 2025 में दिल्ली की गौशालाओं ने ओवरलोड होने के कारण जानवरों को लेना बंद कर दिया था। इससे विभाग को कार्रवाई धीमी करनी पड़ी। इस समय दिल्ली में सिर्फ 4 गौशालाएं हैं

और उनमें क्षमता से कहीं ज्यादा जानवर रखे जा रहे हैं। सरकार ने घुम्मनहेड़ा की बंद पड़ी गौशाला को दोबारा शुरू करने के निर्देश दिए थे लेकिन अभी तक इस पर काम शुरू नहीं हो पाया है।

आप पर असर सड़कों पर जानवरों से पूरी दिल्ली परेशान है।

लगभग हर दिन जानवरो की वजह से एक न एक हादसा जरूर होता है। यह हालात तब है जब जानवरों की धरपकड़ के लिए MCD में पूरा एक विभाग बना हुआ है। जो अधिकारी कभी वेटनरी ऑफिसर या डॉक्टर के तौर पर भर्ती हुए थे, उनमें से कई डायरेक्टर बनकर रिटायर्ड हो गए लेकिन दिल्ली की सड़के जानवरों से मुक्त नहीं हो पाई।

गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड: दिंडोशी कोर्ट से फिल्म सिटी फ्लाईओवर मॉनसून से पहले खुलने को तैयार, जानें ताजा अपडेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड का एक अहम फेज पूरा होने वाला है। इसे मई के आखिर तक ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा। गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड पर 1.2 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर का निर्माण अब अपने आखिरी चरण में पहुंच गया है। जो कि कई सालों से चल रहा था। सड़क का यह हिस्सा दिंडोशी कोर्ट से गोरेगांव में फिल्म सिटी तक फैला हुआ है। मुंबई बीएमसी का लक्ष्य है कि मॉनसून शुरू होने से पहले इस रास्ते का उद्घाटन कर दिया जाए। गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड कुल 12.2 किलोमीटर लंबा है। मुंबई के पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों को जोड़ने के लिए डिजाइन किए गए इस कॉरिडोर में अंडरग्राउंड टनल, फ्लाईओवर और कई इंटरचेंज शामिल हैं। एक बार चालू हो जाने पर यह मुंबई के पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों के बीच सीधा संपर्क प्रदान करेगा। यह फ्लाईओवर प्रोजेक्ट का पहला चरण है। जो कि पश्चिमी उपनगरों में दिंडोशी कोर्ट के पास से शुरू होता है। यह फ्लाईओवर संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के पास खत्म होता है और वाहन चालकों को उन रास्तों की ओर ले जाता है जो पूर्वी उपनगरों से जुड़ते हैं। इस रास्ते के चालू होने से वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर ट्रैफिक की भीड़ काफी कम होने की उम्मीद हैं। लिंक रोड पर ट्विन टनल का निर्माण 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद वाहन चालक सीधे फ्लाईओवर से टनल में जा सकेंगे। इससे यात्रा बहुत ज्यादा आसान और सुविधाजनक हो जाएगी। इस फ्लाईओवर में छह लेन होंगी। इसके अलावा रास्ते के किनारे एक ऊंचा प्लेटफॉर्म बनाया जा रहा है। इस पर एक ऊंचा रोटरी होगा। साथ ही फ्लाईओवर के दोनों ओर डेक स्लैब और पैदल चलने वालों के लिए रास्ते बनाए जा रहे हैं। काम आखिरी चरण में फिलहाल, इस फ्लाईओवर पर निर्माण कार्य अपने आखिरी चरण में है। रास्ते पर डामर बिछाने, पेंटिंग करने, ट्रैफिक सिग्नल लगाने और साइनबोर्ड लगाने जैसे काम अभी चल रहे हैं। उम्मीद है कि यह फ्लाईओवर मई के आखिर तक या जून के पहले सप्ताह में ट्रैफिक के लिए खुल जाएगा। अभी मुंबई में तीन मुख्य रास्ते उपलब्ध हैं: सांताक्रूज-चेम्बूर लिंक रोड अंधेरी-घाटकोपर लिंक रोड और जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड । हालांकि, इन तीनों रास्तों पर ट्रैफिक जाम की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसी वजह से गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड बनाने का फैसला लिया गया। इस प्रोजेक्ट पर कुल 14,000 रुपये करोड़ का खर्च आएगा। इस रकम में से 300 करोड़ रुपये सिर्फ पहले चरण में बनने वाले फ़्लाईओवर पर खर्च किए गए हैं। नगर निगम का लक्ष्य है कि 2028 तक यह पूरा रास्ता बनकर तैयार हो जाए। चार चरणों में निर्माण गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड पर काम चार मुख्य चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में दो फ़्लाईओवर बनाए जा रहे हैं। एक गोरेगांव की तरफ और एक मुलुंड की तरफ। गोरेगांव की तरफ वाला फ़्लाईओवर 1.3 किमी लंबा है, जो दिंडोशी कोर्ट से फिल्म सिटी तक फैला हुआ है। मुलुंड की तरफ 1.9 किमी लंबा फ़्लाईओवर बनाया जा रहा है। जो तांसा पाइपलाइन से नाहुर तक फैला है। अगले चरण में संजय गांधी नेशनल पार्क के नीचे से गुजरने वाली दो ट्विन टनलों पर अभी काम चल रहा है। नाहुर में रेलवे पुल का निर्माण पहले ही पूरा हो चुका है।इसके अलावा रास्ते के कुछ हिस्सों में सड़क चौड़ी करने का काम भी चल रहा है। आखिर में चौथे और आखिरी चरण में मुलुंड के पास एक क्लोवरलीफ के आकार का इंटरचेंज बनाया जाएगा ताकि इसे ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे से जोड़ा जा सके। साथ ही ऐरोली पुल की तरफ जाने वाला एक केबल-स्टेड पुल भी बनाया जाएगा। गोरेगांव की तरफ वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर एक अंडरपास बनाया जाएगा.

मुंबई के नामी होटल में फर्जी आधार से एंट्री! पत्नी की ID पर प्रेमिका को ले गया शख्स! ऐसे हुआ खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। के नामी होटल में फर्जी आधार कार्ड के जरिए एंट्री लेने का एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है. जहां तलाक की प्रक्रिया से गुजर रही एक महिला ने अपने पति पर आरोप लगाया है कि उसने दूसरी महिला के साथ होटल में ठहरने के लिए उसके नाम और आधार कार्ड का इस्तेमाल किया. इतना ही नहीं, होटल रिकॉर्ड में दूसरी महिला को ही पत्नी बताकर चेक-इन कराया गया, इस मामले में महिला की शिकायत पर बांद्रा पुलिस ने मामला दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है. बांद्रा पुलिस ने महिला के पति दीपक गोयल और अज्ञात महिला के खिलाफ BNS की धारा 318, 319(2), 336(2), 336(3), 336(4), 340(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है. पुलिस की शुरुआती जांच में फर्जी आधार कार्ड के इस्तेमाल की बात सामने आने के बाद पूरे घटनाक्रम ने बड़ा मोड़ ले लिया है.

पल्लवी की दीपक से 2013 में हुई थी शादी

शिकायतकर्ता पल्लवी दीपक गोयल (39) द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, उनकी शादी साल 2013 में दीपक गोयल से हुई थी, पिछले कुछ समय से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा है और दोनों के बीच आपसी सहमति से तलाक की प्रक्रिया सूरत कोर्ट में जारी है. 20 फरवरी 2026 से तलाक का केस कोर्ट में लंबित है, 14 अप्रैल 2026 को वह निजी काम से मुंबई आई हुई थीं. इसी दौरान उनके वकील का फोन आया, वकील ने पूछा कि क्या उन्होंने अपने पति के साथ समझौता कर लिया है और तलाक का केस वापस ले लिया है. जब शिकायतकर्ता महिला ने इससे इनकार किया तो वकील ने बताया कि उनके परिचित ने दीपक गोयल को होटल में एक महिला के साथ देखा है, यह जानकारी सुनते ही पल्लवी के होश उड़ गए. उन्होंने तुरंत होटल में फोन कर पूछताछ की, होटल स्टाफ ने पुष्टि की कि दीपक गोयल और पल्लवी गोयल के नाम से 16 फरवरी से 18 फरवरी 2026 तक होटल में स्वीट रूम बुक था और दोनों ने वहां चेक-इन किया था. सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि जिन तारीखों में होटल में पल्लवी गोयल के नाम से एंट्री दर्ज हुई, उन दिनों असली पल्लवी वडोदरा स्थित अपने माता-पिता के घर पर थीं. उस दौरान उनका आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्र उनके पास सुरक्षित थे और उन्होंने कभी मुंबई के उस होटल में चेक-इन नहीं किया. महिला ने बांद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई शिकायत सच्चाई सामने लाने के लिए पल्लवी उसी दिन शाम को होटल पहुंचीं और होटल मैनेजमेंट से सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग की, हालांकि होटल प्रबंधन ने सीधे जानकारी देने से इनकार कर दिया और जनरल मैनेजर को ईमेल करने की सलाह दी. पल्लवी ने होटल प्रबंधन को ईमेल भी किया, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला. अगले दिन जब वह फिर होटल पहुंचीं तो असिस्टेंट सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजर ने स्पष्ट कर दिया कि होटल यह जानकारी केवल पुलिस को ही उपलब्ध कराएगा. इसके बाद बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. महिला की शिकायत पर जांच में जुटी पुलिस पुलिस की प्रारंभिक जांच में होटल से मिले दस्तावेज और रिकॉर्ड देखकर पल्लवी दंग रह गईं.

पश्चिम एशिया संकट पर सरकार अलर्ट! राजनाथ सिंह ने कर्तव्य भवन में बुलाई हाई लेवल मीटिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कर्तव्य भवन में मंत्रियों के अनौपचारिक सशक्त समूह (ढ्ढत्रश्रू) की हाई लेवल मीटिंग का नेतृत्व किया. यह बैठक पश्चिम एशिया संकट की निगरानी और भारत पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए आयोजित की गई. यह मीटिंग कर्तव्य भवन-2 में आयोजित की गई. इससे पहले 28 मार्च और 2 अप्रैल 2026 को भी ऊर्जा आपूर्ति और बुनियादी ढांचे के लचीलेपन पर चर्चा हुई थी. ताजा चर्चा हिंद महासागर क्षेत्र, होर्मुज स्ट्रेट और ईंधन आपूर्ति के जोखिमों पर केंद्रित रही. प्रधानमंत्री ने संसाधनों के संरक्षण की अपील की थी, जिसके बाद यह पहली बड़ी बैठक है. सरकार इस वक्त ग्लोबल सप्लाई चेन में हो रही बाधाओं को लेकर पूरी तरह सतर्क है. हैदराबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से वैश्विक तनाव के बीच आर्थिक लचीलेपन के लिए एक जन आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि देशभक्ति सिर्फ सीमा पर जान देने का नाम नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी से जीना भी राष्ट्र सेवा है. पीएम ने नागरिकों से ईंधन बचाने के लिए मेट्रो, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, कार-पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने की गुजारिश की. उन्होंने कोविड काल की तरह वर्चुअल इंफ्रास्ट्रक्चर के उपयोग पर जोर दिया, जिससे ऊर्जा बिल कम किया जा सके. प्रधानमंत्री ने देशवासियों से 'रुपये का संरक्षक' बनने की सीधी अपील की. उन्होंने विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने के लिए गैर-जरूरी विदेश यात्राओं, विदेशी छुट्टियों और विदेशों में होने वाली शादियों से बचने की गुजारिश की. इसके बजाय घरेलू पर्यटन और भारत में ही उत्सव मनाने को प्रोत्साहित किया. पीएम ने एक साल तक गैर-जरूरी सोना न खरीदने, विदेशी सामान के बजाय 'मेड इन इंडिया' प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता देने और खाद्य तेल के उपयोग में कमी लाने का भी अनुरोध किया. किसानों से भी रसायनों के उपयोग में 50' की कटौती कर प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील की गई, जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त हो सके.

दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये... महिला समृद्धि योजना पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की आ गई डेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। महिलाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. बीजेपी सरकार अब दिल्ली की महिलाओं से किए अपने वादे को पूरा करने की तैयारी में है. दरअसल दिल्ली सरकार जून महीने से महिला समृद्धि योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करने जा रही है. इसके तहत जरूरतमंद महिलाओं के खाते में हर महीने 2500 रुपये आएंगे.

पहले इस योजना को 'महिला समृद्धि योजना' के नाम से जाना जा रहा था. लेकिन अब कहा जा रहा है कि सरकार इसे 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के नए नाम से लॉन्च कर सकती है. इसके जरिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की लगभग 17 लाख महिलाओं को मदद मिलने की उम्मीद है.

'महिला समृद्धि योजना' को जमीन पर उतारने के लिए रजिस्ट्रेशन पोर्टल पूरी तरह तैयार कर लिया गया है. जून के पहले हफ्ते से ये पोर्टल काम करना शुरू कर सकता है.

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'महिला समृद्धि योजना' के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में 5,100 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आवंटित किया है. पिछले साल भी इतना ही बजट रखा गया था, लेकिन लाभार्थियों के डेटा की कमी की वजह से इसमें देरी हुई थी.

किन महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपये?

सरकार ने इस बार 'महिला समृद्धि योजना' को फूलप्रूफ बनाने के लिए एलिजिबिलिटी के कड़े नियम तय किए हैं. इस योजना का लाभ सिर्फ उन्हीं महिलाओं को मिलेगा जो गरीबी रेखा से नीचे श्रेणी में आती हैं. आवेदन करने वाली महिला के पास दिल्ली का आधार कार्ड होना अनिवार्य है. इस योजना महिला और बाल विकास विभाग लागू करेगा, जिसकी कमान खुद मुख्यमंत्री के पास है।

पारदर्शिता पर सरकार का जोर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई बार भरोसा दिलाया है कि इस योजना को पूरी पारदर्शिता और ठोस योजना के साथ लागू किया जाएगा. पिछले साल मार्च में इस योजना को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक पैनल बनाया गया था, जिसमें कई कैबिनेट मंत्री भी शामिल थे. इस योजना का मकसद दिल्ली की गरीब महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है.

खेलते हुए बच्चों को मिला नरकंकाल, मचा हड़कंप, पुलिस ने इलाके को घेरकर शुरू की जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद नगर. जानकारी के अनुसार, जिस जगह कंकाल मिला वहां पिछले तीन दिनों से आग लगी हुई थी. रविवार होने की वजह से आसपास के कुछ बच्चे खाली मैदान में क्रिकेट खेलने पहुंचे थे. खेल के दौरान बच्चों की नजर वहां पड़े मानव कंकाल पर पड़ी. पास जाकर देखने पर बच्चों ने मानव खोपड़ी और कई हड्डियां बिखरी हुई हालत में देखीं. यह दृश्य देखकर बच्चे घबरा गए और तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी. स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना माणिकपुर पुलिस को दी. खबर मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी. पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा किया और आसपास से मिले साक्ष्यों को कब्जे में लिया. कंकाल के पास कुछ चिल्लर पैसे भी बरामद हुए हैं, जिससे मामले को लेकर रहस्य और गहरा गया है.

हाल में पानी टंकी से मिला नरकंकाल

गौरतलब है कि करीब तीन महीने पहले भी आनंद नगर इलाके की एक इमारत की पानी की टंकी से मानव कंकाल बरामद हुआ था. अब उसी क्षेत्र में दोबारा कंकाल मिलने की घटना ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है. लोग इलाके की सुरक्षा व्यवस्था और लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं को लेकर सवाल उठा रहे हैं.

क्या खाली है तमिलनाडु का खजाना.... यहां थलापति कर रहे राजनैतिक बयानबाजी

पूर्व सीएम स्टालिन ने दावों पर उठाए सवाल

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत के साथ सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री विजय थलापति पहले दिन से ही चुनौतियों और आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम् को लेकर उठे विवाद के बाद, दूसरा और बड़ा मुद्दा राज्य की आर्थिक स्थिति पर उनके दावे से शुरू हुआ है। नए मुख्यमंत्री बने विजय ने आरोप लगाया है कि पूर्ववर्ती डीएमके सरकार ने राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज छोड़ा है और सरकारी खजाने को पूरी तरह से खाली किया है। इन दावों पर पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने तीखा पलटवार कर कहा कि प्रदेश की नई सरकार के पास पैसा है, बस लोगों तक पहुंचाने की इच्छाशक्ति और शासन चलाने की क्षमता की कमी है।

राज्य की राजनीति में नई सरकार आने के बाद पूर्ववर्ती सरकार पर खजाना खाली करने का आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। इसके पहले भी सत्ता में आने वाली डीएमके सरकार ने अपनी पूर्ववर्ती एआईएडीएमके सरकार पर इसतरह के आरोप लगाए थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सच में तमिलनाडु की आर्थिक स्थिति उतनी खराब है जितनी सीएम विजय ने बात दी है, या यह केवल राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा है?

दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, तमिलनाडु पर भारत के सभी राज्यों में सबसे ज्यादा कर्ज है। वर्ष 2025 के अंत तक, राज्य पर करीब 9.56 लाख करोड़ रुपये की उधारी का अनुमान है। यह पिछले कई वर्षों के दौरान विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा लिया गया कर्ज है। हालांकि, तमिलनाडु देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है, जिसकी विकास दर 2011 के जीडीपी वर्ष आधार पर 10.8 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 11.2 प्रतिशत हो गई है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य इस कर्ज को संभालने और चुकाने की मजबूत क्षमता रखता है।

इसके बाद विशेषज्ञों के अनुसार, मुख्यमंत्री थलापति की सरकार की वास्तविक चिंता कर्ज की मात्रा से अधिक, वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे अनिवार्य खर्चों का बढ़ता बोझ है। एक रिपोर्ट में प्रकाशित पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के विश्लेषण के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में राज्य की अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का लगभग 62 प्रतिशत इन्हीं अनिवार्य खर्चों में जाने का अनुमान है, जिससे विकास कार्यों पर खर्च के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है।

लेकिन विडंबना यह है कि थलापति ने स्वयं चुनावी घोषणापत्र में हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसे कई कल्याणकारी वादे किए हैं, जो उनके सरकारी खर्चे को और भी बढ़ाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में तमिलनाडु पहले ही सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं पर 72,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने की योजना बना चुका है, जो सड़क और बुनियादी ढांचे जैसी विकास परियोजनाओं के लिए निर्धारित राशि से भी अधिक है। अनुमान है कि विजय के सभी चुनावी वादों को पूरा करने से राज्य पर वार्षिक कल्याणकारी खर्च लगभग 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

वहीं तमिलनाडु का खजाना भले ही पूरी तरह से खाली न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से गंभीर वित्तीय दबाव में है। मुख्यमंत्री थलापति को न केवल पूर्ववर्ती सरकार द्वारा छोड़ी गई विरासत का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि अपने स्वयं के चुनावी वादों को पूरा करने के लिए भी एक ठोस वित्तीय रणनीति बनानी होगी, जो राज्य के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बीच संतुलन बिठा सके।

शुभेंदु के पीए की हत्या : बक्सर से विशाल श्रीवास्तव को किया गिरफ्तार

यूपीआई भुगतान से खुला हत्यारों का राज

बक्सर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की सनसनीखेज हत्या के मामले में जांच तेज करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बिहार के बक्सर में बड़ी कार्रवाई की है। एसटीएफ की टीम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेयपट्टी निवासी कुख्यात अपराधी विशाल श्रीवास्तव को हिरासत में लिया है और उसे पूछताछ के लिए कोलकाता ले गई है। विशाल के खिलाफ हत्या, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे करीब एक दर्जन गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ को संदेह है कि चंद्रनाथ रथ की हत्या की साजिश और इसे अंजाम देने से जुड़े कई अहम राज विशाल के पास हो सकते हैं। हालांकि, बक्सर के एसपी शुभम आर्य ने इस पर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की, लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि की है कि पश्चिम बंगाल से आई टीम ने

छापेमारी कर विशाल को हिरासत में लिया है। इस बीच, जांचकर्ताओं को हावड़ा के बल्ली टोल प्लाजा से एक बेहद महत्वपूर्ण सुराग मिला है। वारदात में इस्तेमाल की गई संदिग्ध कार हमले से कुछ देर पहले टोल प्लाजा से गुजरी थी, जहाँ उसमें सवार लोगों ने यूपीआई के माध्यम से टोल का भुगतान किया था। इस डिजिटल ट्रांजैक्शन ने पुलिस को संदिग्धों के मोबाइल नंबर तक पहुँचा दिया है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज में हमलावरों और वाहन की स्पष्ट तस्वीरें भी कैद हुई हैं। ज्ञात हो कि चंद्रनाथ रथ की हत्या 6 मई की रात कोलकाता हवाई अड्डे के समीप मध्यमग्राम के दोहरिया लेन में उस वक्त कर दी गई थी, जब वे अपनी एसयूवी से लौट रहे थे। हमलावरों ने सिल्वर रंग की कार से उनका रास्ता रोका और फिर दोपहिया वाहनों पर सवार होकर आए शूटर्स ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। जांच में पता चला है कि इस हत्याकांड में ऑस्ट्रिया निर्मित अत्याधुनिक ग्लॉक 47 एक्स पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया है, जिसने राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। सीआईडी और एसटीएफ की संयुक्त एसआईटी इस कोण से भी जांच कर रही है कि क्या इस हत्याकांड के पीछे कोई विदेशी नेटवर्क शामिल है, जिसने बांग्लादेश के रास्ते हथियारों की आपूर्ति की हो। विशाल श्रीवास्तव की गिरफ्तारी इस केस की गुत्थी सुलझाने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

पंचायतों के आम व उप निर्वाचन मई 2026 हेतु कार्यक्रम जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन मई 2026 हेतु समय-अनुसूची (कार्यक्रम) जारी किया गया है। जिसके तहत जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत हेतु 11 मई 2026 पूर्वान्ह 10.30 बजे निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन एवं स्थानों (सीटों) के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन किया गया। साथ ही रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन एवं नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किया गया। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 18 मई 2026 को अपरान्ह 3 बजे तक है। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 19 मई 2026 को पूर्वान्ह 10.30 बजे से की जाएगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 21 जून 2026 अपरान्ह 3 बजे तक है तथा अभ्यर्थिता वापसी के बाद रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना, प्रकाशन करना और निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन किया जाएगा। नगरीय निकाय हेतु 1 जून 2026 को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक आवश्यकता होने पर मतदान किया जाएगा। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा 4 जून 2026 को सुबह 9 बजे से मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा किया जाएगा। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन अंतर्गत 1 जून 2026 को सुबह 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक आवश्यकता होने पर मतदान किया जाएगा तथा मतदान के पश्चात मतदान केन्द्र पर की जाने वाली मतगणना की जाएगी। आवश्यकता होने पर खण्ड मुख्यालय पर की जाने वाली मतगणना 2 जून 2026 को सुबह 9 बजे से की जाएगी। पंच, सरपंच, जनपद पंचायत के मामले में खण्ड स्तर पर सारणीकरण एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा 4 जून 2026 को सुबह 9 बजे से की जाएगी। नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 अंतर्गत राजनांदगांव जिले में नगर पंचायत घुमका के 15 वार्डों में पार्षद पद हेतु निर्वाचन किया जाएगा। इसी तरह त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्य के 1 पद, सरपंच के 1 पद, पंच के 25 पद कुल 27 रिक्त पदों के लिए निर्वाचन किया जाएगा।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में लॉटरी के माध्यम से प्रवेश 13 से 15 मई तक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी डोंगरगढ़ केशरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 07/05/2026 को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी भूपेन्द्र सिन्हा निवासी बधियाटोला डोंगरगढ़, बधियाटोला रोड स्थित रतबहिनी माता मंदिर के पास अधिक मात्रा में शराब रखकर अवैध रूप से बिक्री हेतु ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को पकड़कर तलाशी ली गई। तलाशी दौरान आरोपी के कब्जे से 09 बोतल किंग फिशर स्ट्रांग बीयर कुल मात्रा 5.850 बल्क लीटर कीमत लगभग 1800/- रुपये एवं 04 बोतल इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की कुल मात्रा 3.000 बल्क लीटर कीमत लगभग 3200/- रुपये तथा शराब बिक्री रकम 500/- रुपये कुल जुमला कीमत 5500/- रुपये जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 235/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

ए.जी.गोवानी स्कूल में मातृ दिवस समारोह और प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल। स्थानीय अंकीबाई घमंडी रामजी गोवानी कवि माघ बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मातृ दिवस अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया। मातृत्व की महिमा को समर्पित इस कार्यक्रम में विद्यालय की माताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अंजना शर्मा (वरिष्ठ अंग्रेजी व्याख्याता, धोराढाल) और दयावंती (अधिवक्ता, हरियाणा) शान्ति देवासी, भारताराम सुंदेशा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथियों ने मातृ दिवस के महत्व और बच्चों के भविष्य निर्माण में माताओं की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। माताओं के सम्मान में प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह की शोभा बढ़ाई। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को और भी यादगार बना दिया। मातृ दिवस के अवसर पर आरबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

रेल मंत्री का बड़ा दावा: बुलेट ट्रेन खत्म करेगी छोटे रूटों पर हवाई सफर

–अश्विनी वैष्णव के बयान ने बढ़ा दी एयरलाइंस के लिए चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आने वाले वर्षों में, भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क कई छोटे घरेलू हवाई मार्गों पर हवाई यात्रा को करीब-करीब समाप्त कर देगा। सीआईआई बिजनेस समिट में रेल मंत्री वैष्णव ने एयरलाइन निवेशकों को आगाह कर संकेत दिया कि मुंबई-पुणे, हैदराबाद-बेंगलुरु और बेंगलुरु-चेन्नई जैसे प्रमुख रूटों पर यात्री अब फ्लाइट के बजाय बुलेट ट्रेन को प्राथमिकता देने वाले है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव का तर्क है कि जिस तरह जापान, चीन और दक्षिण कोरिया में हाई-स्पीड रेल ने घरेलू विमानन बाजार को पूरी तरह बदल दिया है, ठीक उसी तरह भारत में भी एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा।

केंद्रीय रेल मंत्री के अनुसार, मुंबई से पुणे की दूरी बुलेट ट्रेन से केवल 48 मिनट में तय होगी। इसी तरह, पुणे से हैदराबाद की यात्रा 1 घंटा 55 मिनट में, हैदराबाद से बेंगलुरु की यात्रा 2 घंटे 8 मिनट में और बेंगलुरु से चेन्नई की यात्रा महज 78 मिनट में पूरी होगी। इतनी कम यात्रा अवधि के साथ, लोग हवाई अड्डों पर लंबी सुरक्षा जांच, शहर के ट्रैफिक और उड़ानों में होने वाली देरी जैसी परेशानियों से बचने के लिए बुलेट ट्रेन को कहीं अधिक सुविधाजनक पाएंगे। उन्होंने विश्वास जताकर कहा कि भविष्य में इन रूटों पर 99 प्रतिशत यात्रा रेलवे के माध्यम से ही होगी, जिससे हवाई यात्रा की प्रासंगिकता करीब खत्म हो जाएगी।रेल मंत्री वैष्णव ने इस महत्वाकांक्षी योजना के वित्तीय पहलू पर भी प्रकाश डाला, बताया कि भारत सरकार बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर करीब 16 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रही है। इस परियोजना का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा भारतीय कंपनियों और सप्लायर्स को मिलेगा, जिससे देश में रोजगार के नए मौके पैदा होने और विनिर्माण क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री-नेताओं के काफिले पर पाबंदी, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद हों

–पीएम मोदी की अपील पर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर, कर दी तीन मांगें

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनियाभर में जारी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में पीएम मोदी ने देशवासियों से सामूहिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ईंधन का संयमित उपयोग किया जाए, साथ ही अगले एक साल तक सोने की खरीद न की जाए। पीएम मोदी की इस अपील पर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) गुट की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी पीएम मोदी का नाम न लेते हुए कहा कि सेंट्रल एशिया में जारी संघर्ष को संभालने में नीतिगत विफलता के चलते चुनाव संबंधी निर्णयों का बोझ अब नागरिकों पर नहीं डाला जा सकता और उनसे तेल बचाने या यात्रा कम करने को नहीं कहा जा सकता। चतुर्वेदी ने कहा कि नागरिक पहले से ही इस सरकार के चुनावी नीतियों पर केंद्रित शासन और पुरस्कार बटोरने वाली विदेश नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। इसके साथ

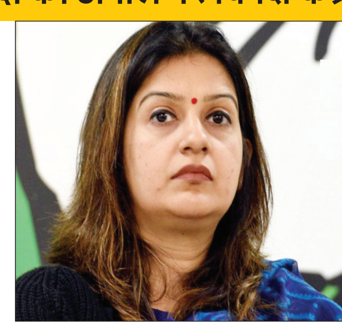

शिवसेना नेता अपने एक्स से देश वासियों को कुछ सुझाव भी शेयर किए, जिनमें मंत्री और नेताओं के लंबे काफिले पर पाबंदी लगाना, बड़ी चुनावी रैलियां एक साल के लिए बंद करना, बड़े शपथ ग्रहण समारोह पर पाबंदी हो, सिर्फ उब्ल्यूएचएफ यानी वॉच फ्रॉम होम करना शामिल है।

बता दें पीएम मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्थिक उथल-पुथल, सप्लाई चेन में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से जूझ रही है, जिसका असर बढ़ती महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे समय में भारत को मजबूत बनाए रखने के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी दैनिक आदतों में बदलाव लाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। उन्होंने लोगों से एक साल तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने का आग्रह किया, ताकि विदेशी मुद्रा के अनावश्यक बहिर्वाह को रोका जा सके। साथ ही उन्होंने पेट्रोल और डीजल के संयमित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तेल की बचत से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। निजी वाहनों के इस्तेमाल में कार-पूलिंग अपनाएं। माल ढुलाई के लिए रेल परिवहन को प्राथमिकता दें और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दें। पीएम मोदी ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनाए गए कार्यकुशल उपायों को दोबारा लागू करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वर्क-फ्रॉम-होम, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल बैठकों जैसी व्यवस्थाएं न केवल समय और संसाधनों की बचत करती हैं, बल्कि ईंधन की खपत भी कम करती हैं।

प्रधानमंत्री ने लोगों से रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं, जैसे जूते, बैग और अन्य सामान, के लिए स्थानीय और 'मेड-इन-इंडिया' उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल देश में रोजगार बढ़ेगा, बल्कि विदेशी आयात पर निर्भरता भी कम होगी। पीएम मोदी ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को 50 फीसदी तक कम करने और प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की।

कहीं आंधी-बारिश और ओलावृष्टि तो कहीं हीटवेव की चेतावनी

उत्तर भारत में फिर करवट ले रहा मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में दोपहर के समय बढ़ती तपिश के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आज से 14 मई के बीच उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से में बारिश, कड़कती बिजली और 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज आंधी का नया दौर शुरू होगा। पश्चिमी विक्षोभ और अन्य भौगोलिक कारणों से होने वाले इस बदलाव से जहां कुछ राज्यों को गर्मी से राहत मिलेगी, वहीं कई हिस्सों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आज से 14 मई के दौरान व्यापक स्तर पर बारिश और गरज के साथ बिजली चमकने का अनुमान है। विशेष रूप से सोमवार और मंगलवार को जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में, और 12 व 13 मई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 11 से 14 मई और उत्तर प्रदेश में 12 से 14 मई के बीच बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

एक तरफ जहां उत्तर भारत में बारिश की तैयारी है, वहीं दूसरी ओर 15 मई तक पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में भीषण हीटवेव (लू) चलने की आशंका है। दक्षिण भारत की बात करें तो अगले सात दिनों तक केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। 11 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की भी संभावना है, जिसका असर तटीय क्षेत्रों के मौसम पर पड़ेगा।पूर्वोत्तर भारत और पूर्वी राज्यों में भी मौसम का मिजाज बिगड़ा रहेगा। असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 मई तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। बिहार, झारखंड, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के मैदानी इलाकों में भी गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति की सबसे अस्वीकृत वस्तु : फडणवीस का तीखा हमला

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला कर उन्हें भारतीय राजनीति में सबसे अस्वीकृत वस्तु करार दिया। सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी को सभी राज्यों के मतदाताओं ने बार-बार नकारा है, जबकि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह आलोचना राहुल गांधी द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों की आलोचना करने के बाद की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी भारतीय राजनीति में सबसे ज्यादा नकारे गए व्यक्ति हैं, हर राज्य में सभी ने उन्हें नकार दिया है। उन्होंने गांधी को एक ऐसा उत्पाद जो कि जनता ने किनारे कर दिया है। फडणवीस ने जोर दिया कि लोकतंत्र में केवल वही मायने रखता है जिसे जनता स्वीकार करती है, और राहुल गांधी जैसे लगातार नकारे जा रहे व्यक्ति को कोई महत्व नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रधानमंत्री मोदी के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्हें बार-बार अपना आशीर्वाद देता है।

ये टिप्पणियाँ प्रधानमंत्री मोदी की सात अपीलों पर राहुल गांधी की आलोचना के बाद आईं, जो पश्चिम एशिया संकट के जवाब में की गई थीं। पीएम मोदी की अपीलों में खाद्य तेल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और प्राकृतिक खेती अपनाने जैसे अनुरोध शामिल थे, जिनका उद्देश्य वैश्विक आर्थिक दबावों से निपटना था। राहुल गांधी ने पोस्ट में इन अपीलों को उपदेश के बजाय विफलता करार दिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री को समझौतावादी बताकर अपनी आलोचना तेज की और दावा किया कि देश का शासन अब उनके नियंत्रण में नहीं है।

इस बीच, दिल्ली में आयोजित सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 में फडणवीस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के अगले युग के लिए महाराष्ट्र की तैयारियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य के विकास के लिए बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण पर महाराष्ट्र के विशेष ध्यान पर जोर दिया।

बंगाल चुनाव हार पर टीएमसी का नया दावा: एसआईआर के कारण गई 31 सीटें

अदालत ने दिया अलग याचिका का सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद सत्ता से बाहर हुई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुप्रीम कोर्ट में नतीजों को लेकर एक नया दावा पेश किया है। ममता की पार्टी ने सोमवार को एसआईआर (स्ट्राइक-आउट, इनएलिजिबल और रिजेक्टेड) से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इसी प्रक्रिया के चलते 31 सीटों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील में कहा कि इन 31 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अंतर एसआईआर में हटाए गए मतदाताओं की संख्या से भी कम है। उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर के कारण मतदाताओं का नाम सूची से नहीं हटाया जाता, तब इन सीटों का परिणाम निश्चित रूप से कुछ और हो सकता था और इससे चुनाव का रुख बदल सकता था। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई सीटें ऐसी भी हैं, जहां कटे हुए वोटों की संख्या और जीत का अंतर करीब बराबर है। उन्होंने कहा कि एक सीट पर, तब तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार मात्र 862 वोटों से हार गया, जबकि उसी सीट पर एसआईआर प्रक्रिया के तहत 5432 वोट हटा दिए गए थे।

तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि राज्य के चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच कुल 32 लाख वोटों का अंतर रहा है, जबकि वोटर सूची से नाम हटाने संबंधी 35 लाख अपीलें फिलहाल विभिन्न न्यायाधिकरणों (ट्राइब्यूनल्स) के समक्ष लंबित हैं, जिन पर अभी फैसला आना बाकी है। ममता के वकील ने इस दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची की एक पुरानी टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि डिलीट हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा रहती है, तब इसतरह के मामलों का न्यायिक परीक्षण अवश्य किया जाना चाहिए। इन दलीलों पर सुनवाई कर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने टीएमसी को सलाह दी है कि वे इस मामले को लेकर अलग से याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा कि ममता बनर्जी सहित इन 31 सीटों के सभी उम्मीदवार इस दावे के साथ अलग से याचिकाएं दायर कर सकते हैं। अदालत ने ममता बनर्जी का नाम विशेष रूप से इसलिए लिया क्योंकि भवानीपुर सीट भी उन्हीं सीटों में शामिल है, जहां एसआईआर में कटे वोटों से जीत का अंतर कम बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल 294 सीटों में से 207 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था और राज्य में पहली बार सरकार बनाई। इस जीत को भाजपा ने एक ऐतिहासिक सफलता माना था। हालांकि, अब टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी हार के पीछे एसआईआर प्रक्रिया को एक बड़ा कारण बताते हुए कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर महाराष्ट्र में लगाएगी नया संयंत्र, 2029 से उत्पादन

जापानी मीडिया के अनुसार करीब 1.9 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र में एक नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस संयंत्र से 2029 की पहली छमाही में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। जापानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मूल कंपनी टोयोटा मोटर भारत में क्षमता विस्तार के लिए लगभग 300 अरब येन (लगभग 1.9 अरब अमेरिकी डॉलर) का भारी निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि यह नया संयंत्र महाराष्ट्र के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। इस प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता एक लाख वाहनों की होगी और इससे लगभग 2,800 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के अनुसार इस संयंत्र में एक नया एसयूवी मॉडल तैयार किया जाएगा, जिसमें स्टैम्पिंग, वेल्डिंग, पेंटिंग और असेंबली जैसी प्रमुख प्रक्रियाएं शामिल होंगी। वर्तमान में, टीकेएम के कर्नाटक में दो संयंत्र हैं जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 5.52 लाख इकाई है। यह नया प्लांट कंपनी की भारतीय बाजार में अपनी कारोबारी बुनियाद को और मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा है।

भारत की आर्थिक वृद्धि 6.7 फीसदी रहने का अनुमान बीएमआई

चालू वित्त वर्ष में वैश्विक अस्थिरता और अल नीनो से जोखिम

नई दिल्ली ।

फिच समूह की इकाई बीएमआई ने ईरान युद्ध, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों के कमजोर पड़ने के चलते चालू वित्त वर्ष (2026-27) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को घटाकर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह पिछले वित्त वर्ष (2025-26) में 7.7 प्रतिशत थी, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों से इस पर नकारात्मक असर पड़ा है। बीएमआई की रिपोर्ट के अनुसार ईरान-अमेरिका संघर्ष के बढ़ने की आशंका भारत के वृद्धि अनुमानों के लिए एक बड़ा जोखिम है। ऐसे में भारत को रक्षा खर्च, ईंधन कीमतों और राजकोषीय स्थिति के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती होगा। हालांकि, 2025 में किए गए कर सुधार लागत-आधारित महंगाई के असर को कुछ हद तक कम करने में सहायक हो सकते हैं। संस्था ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत के अनुमान को बरकरार रखा है। बीएमआई का कहना है कि पिछले वर्षों के कर सुधारों का प्रभाव नए वित्त वर्ष में बढ़ती लागत से घटता जाएगा। ऊर्जा एवं खाद्य आपूर्ति में संभावित बाधाएं और भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अनुमानित 'अल नीनो' के कारण सामान्य से कम मानसून भी खपत वृद्धि को धीमा कर महंगाई बढ़ाएगा। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती है, तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर 0.4 से 0.7 प्रतिशत तक घट सकती है। भारत की अर्थव्यवस्था एशिया में ऊर्जा कीमतों के प्रति सबसे संवेदनशील मानी जाती है, जिससे बाहरी झटकों का उस पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

पश्चिमी एशिया में तनाव से महंगे हो सकते हैं पेट्रोल और डीजल

सरकारी तेल कंपनियों को 30,000 करोड़ का मासिक नुकसान

नई दिल्ली ।

पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष और कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के कारण भारत में पेट्रोल और डीजल महंगा हो सकता है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की बिक्री पर हर महीने 30,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेल रही हैं, जिससे सरकार पर अब कीमतों में वृद्धि का दबाव बढ़ गया है। पहले कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार करने वाली सरकार अब यह मान रही है कि अब तक की कोशिश कीमतों को स्थिर रखने की रही है, जो संभावित वृद्धि का संकेत है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के खतरे और अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, लेकिन भारतीय खुदरा बाजार में ईंधन के दाम लंबे समय से अपरिवर्तित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत और तेल कंपनियों के मुनाफे पर भारी पड़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1312 , निफ्टी 360 अंक फिसला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1312.91 अंक नीचे आकर 76,015.28 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी50 360.30 अंक गिरकर 23,815.85 पर बंद हुआ। आज व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.05 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में 1.13 फीसदी की गिरावट रही। क्षेत्रवार देखें तो आज सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी उपभोक्ता उत्पादों में 3.73 फीसदी और निफ्टी रियल्टी में 3.05 फीसदी रही। इसके अलावा निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑयल एंड गैस के शेयर भी 2 फीसदी नीचे आये जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी मेटल और निफ्टी प्राइवेट बैक के शेयर भी गिरे। निफ्टी पैक में सबसे ज्यादा टाटा कंज्यूमर के शेयरों में 8 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके बाद मैक्स हेल्थ के शेयरों में 2.7 फीसदी की तेजी रही। इसके अलावा कोल इंडिया, सन फार्मा, एचयूएल, ग्रासिम, ओएनजीसी, अदाणी पोर्ट्स और एसबीआई लाइफ के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर

टाइटन, इंडिगो, एसबीआई, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 467 लाख करोड़ रुपए ही रहा जबकि पिछले सत्र में ये 473 लाख करोड़ रुपए था।

रुपया 139 पैसे टूटकर 94.90 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया पिछले कारोबारी दिन 93.51 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 139 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.90 पर पहुंच गया। अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खारिज करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपये पर और दबाव डाला।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर खुला। फिर मामूली बढ़त के साथ 94.90 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 139 पैसे की भारी गिरावट है। रुपया शुक्रवार को 71 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.20 पर रहा।

सीनियर सिटिजन कोटे और बुकिंग के खास विकल्पों से पाएं ट्रेन में निचली बर्थ

बुजुर्गों और 45 वर्ष से अ धिक की महिलाओं के लिए विशेष कोटा

नई दिल्ली ।

ट्रेन में आरामदायक सफर के लिए लोअर बर्थ की चाहत हर यात्री को होती है, खासकर बुजुर्गों को, जिन्हें ऊपर की बर्थ पर चढ़ने में खासी परेशानी होती है। भारतीय रेलवे (आईआरसीटीसी) ने अब ऐसे यात्रियों के लिए लोअर बर्थ सुनिश्चित करने के खास तरीके बताए हैं, जिससे उनकी यात्रा सुगम बन सके। रेलवे के नियमों के अनुसार 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष, 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं और 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए लोअर बर्थ का एक संयुक्त कोटा निर्धारित है। यह कोटा स्लीपर से लेकर एसी क्लास तक उपलब्ध होता है, जिससे इन यात्रियों को प्राथमिकता मिलती है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए टिकट बुकिंग करते समय बुजुर्ग नागरिक विकल्प का चयन करना अनिवार्य है। आइआरसीटीसी के अनुसार एक पीएनआर पर केवल 1 या 2 बुजुर्ग यात्रियों के लिए ही लोअर बर्थ मिलने की संभावना अधिक होती है। लोअर बर्थ की गारंटी हेतु रिजर्वेशन चाइस में बुक ऑनली लोअर बर्थ इज एलाउउ विकल्प चुनें। यह विकल्प सुनिश्चित करेगा कि यदि लोअर बर्थ उपलब्ध नहीं है, तो आपका टिकट बुक नहीं होगा। ध्यान रहे कि सामान्य कोटे में लोअर बर्थ का आवंटन पूरी तरह उपलब्धता पर निर्भर करता है। यदि बुकिंग के दौरान लोअर बर्थ नहीं मिल पाती है, तो यात्रा के दौरान आप ड्यूटी पर मौजूद कोच टीटीई से संपर्क कर सकते हैं। उन्हें ज़रूरतमंद यात्रियों की सहायता करने का अधिकार है और वे सीटों की उपलब्धता के आधार पर मदद कर सकते हैं।

तेल कीमतों में उछाल, कच्चा तेल 104 डॉलर के पार

हॉर्मुज में आपूर्ति बाधित, ट्रंप की चीन यात्रा पर नजर, 10 हफ्तों से जारी संघर्ष गहराया

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर बातचीत विफल होने के बाद सोमवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड 104.47 डॉलर प्रति बैरल जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 98.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। दुनिया के महत्वपूर्ण तेल व्यापार मार्ग, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जारी तनाव के कारण तेल आपूर्ति सामान्य नहीं हो पा रही है, जिससे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर संकट गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान की ओर से दिए गए जवाब को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे पिछले 10 हफ्तों से जारी संघर्ष के जल्द खत्म होने की उम्मीदें कम हो गईं। अब बाजार की नजर इस हफ्ते होने वाली ट्रंप की चीन यात्रा पर टिकी है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से ईरान मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं, इस उम्मीद के साथ कि चीन, ईरान पर दबाव डालकर युद्धविराम की दिशा में मदद कर सकता है। इस बीच सऊदी अरामको के मुख्य कार्याधिकारी अमीन नासिर ने चिंता व्यक्त की है कि पिछले दो महीनों में दुनिया को लगभग 1 अरब बैरल तेल की कमी झेलनी पड़ी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेल की आपूर्ति फिर से शुरू भी हो जाए,

तब भी बाजार को सामान्य होने में समय लगेगा। हालिया शिपिंग डेटा से पता चला है कि पिछले हफ्ते दो तेल टैंकर बिना ट्रैकिंग सिस्टम चालू किए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से निकले, जिसे ईरानी हमलों से बचने की कोशिश माना जा रहा है। इस घटना ने पश्चिम एशिया से तेल निर्यात को लेकर वैश्विक चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

डाक विभाग का 4,000 करोड़ रुपए राजस्व वृद्धि का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

पेम्मासानी ने बताया, नवाचार, जवाबदेही और सेवा विस्तार के दम पर दोगुनी होगी अतिरिक्त आय

नई दिल्ली।

संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने घोषणा की है कि डाक विभाग का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में अपनी अतिरिक्त राजस्व वृद्धि को दोगुना कर 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। यह उपलब्धि नवाचार, जवाबदेही और विभिन्न खंडों में तय लक्ष्यों की प्राप्ति के माध्यम से हासिल की जाएगी। मंत्री पेम्मासानी ने बताया कि डाक विभाग ने बीते वित्त वर्ष में 2,100 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राजस्व वृद्धि दर्ज की, जो पिछले चार दशकों में सर्वाधिक है। इस अवधि में विभाग का कुल राजस्व 13,218 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,296 करोड़ रुपये हो गया। उनका दीर्घकालिक लक्ष्य अगले तीन से चार वर्षों में डाकघरों को लागत केंद्र से लाभ केंद्र में बदलना है। इस सफलता के लिए विभाग ने विभिन्न चुनौतियों का गहन अध्ययन किया, बाजार हिस्सेदारी की पहचान की, परिचालन बाधाओं को दूर किया और जवाबदेही सुनिश्चित की। मंत्री ने नियमित मासिक समीक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदर्शन में कमी पर पहले 15 अधिकारियों को पत्र भेजे गए थे, लेकिन अब प्रभावी निगरानी और प्रोत्साहन के कारण यह संख्या घटकर एक रह गई है। ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए 24 और 48 घंटे में स्पीड पोस्ट वितरण, उन्नत ट्रैकिंग प्रणाली और ओटीपी आधारित अलर्ट जैसी नवाचारी सेवाएं शुरू की गई हैं।

निजी क्षेत्र से प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर, 214 डाकघरों में

चौबीसों घंटे और लगभग 4,000 डाकघरों में विस्तारित कार्य घंटे की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिसे भविष्य में और बढ़ाया जाएगा। मंत्री ने जोर दिया कि आईटी के उपयोग और लक्ष्य-आधारित प्रणाली से ग्राहक संतुष्टि में सुधार आया है।

रेलवे की रफ्तार- रिकॉर्ड बजट व्यय, हवाई यात्रा को मिलेगी कड़ी टक्कर

मंत्री वैष्णव बोले- कई मार्गों पर ट्रेनें विमान सेवाओं से आगे निकलेंगी, यात्रा समय में भारी कमी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को भारतीय रेलवे की तीव्र प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रेलवे ने चालू वित्त वर्ष में अपने निर्धारित बजट का 98 प्रतिशत फरवरी के अंत तक खर्च कर दिया है, जो परियोजनाओं के तेज क्रियान्वयन को दर्शाता है। वैष्णव ने दावा किया कि आगामी समय में देश के कई प्रमुख मार्गों पर ट्रेन सेवाएं हवाई यात्रा को पीछे छोड़ देंगी। मंत्री ने बताया कि 49,000 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण और 36,000 किलोमीटर नई पटरियों के जुड़ने से यात्रा समय में अभूतपूर्व कमी आएगी। उन्होंने कहा कि 49,000 किलोमीटर विद्युतीकरण जर्मनी के पूरे रेल नेटवर्क से अधिक है, जबकि 36,000 किलोमीटर नई पटरियां स्विट्जरलैंड के नेटवर्क का लगभग छह गुना हैं। उदाहरण के लिए, मुंबई-पुणे (28 मिनट), पुणे-हैदराबाद (1 घंटा 55 मिनट), हैदराबाद-बेंगलुरु (लगभग 2 घंटे), बेंगलुरु-चेन्नई (78 मिनट), दिल्ली-वाराणसी (3 घंटे 50 मिनट) और दिल्ली-लखनऊ (लगभग 2 घंटे) में पूरी होगी। वैष्णव ने विमानन कंपनियों को आगाह करते हुए कहा कि इन मार्गों पर 99 प्रतिशत यातायात रेलवे से होगा और निवेशकों को इस सच्चाई को अभी से समझ लेना चाहिए।

ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स 750 करोड़ के आईपीओ की तैयारी में

सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज किए दाखिल

नई दिल्ली ।

ऑडियो-विजुअल सिस्टम एकीकरण (एवीएसआई) समाधान प्रदान करने वाली कंपनी ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड ने पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए 750 करोड़ रुपये जुटाना है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार इस निर्गम में नए शेयरों के माध्यम से 750 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, प्रमोटर और मौजूदा शेयरधारक 57.10 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी करेंगे। बेंगलुरु स्थित यह कंपनी आईपीओ से पहले 150 करोड़ रुपये तक का प्री-आईपीओ प्लेसमेंट भी कर सकती है, जिससे नए शेयर निर्गम का आकार उसी अनुपात में कम हो जाएगा। कंपनी ने बताया कि नए निर्गम से प्राप्त 750 करोड़ रुपये में से 160 करोड़ रुपये का उपयोग कुछ ऋणों के पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान के लिए किया जाएगा। वहीं, 330 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने में लगाए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग संभावित अधिग्रहणों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए आरक्षित की जाएगी। ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स ऑडियो-विजुअल सिस्टम एकीकरण (एवीएसआई) समाधानों में विशेषज्ञता रखती है और बेंगलुरु में इसके तीन

विनिर्माण संयंत्र हैं। कंपनी ने भारत सहित सिंगापुर, मलेशिया, ताइवान, यूएई, अमेरिका और फ्रांस जैसे कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी एवीएसआई परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं।

एलपीजी कंपनियों ने ग्राहकों को ठगों से रहें सावधान रहने की दी सलाह

फर्जी ओटीपी मैसेज से बचें, जानें असली संदेश की पहचान और शहर अनुसार कीमतें

नई दिल्ली ।

एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी अब डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) सिस्टम के जरिए हो रही है, जिससे सुरक्षा बढ़ी है पर साइबर ठग इसी का फायदा उठाकर फर्जी मैसेज भेजकर उपभोक्ताओं को धोखा दे रहे हैं। एलपीजी कंपनियों ने ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यह सिस्टम सुनिश्चित करता है कि सिलेंडर सही ग्राहक तक पहुंचे, जिससे गलत डिलीवरी और गड़बड़ी की संभावना कम हुई है। हालांकि, इसी सिस्टम का फायदा उठाकर साइबर ठग फर्जी मैसेज भेज रहे हैं। एचपीसीएल और भारत गैस ने चेताया है कि असली मैसेज केवल वीएम-एचपीगैस-एस जैसे आधिकारिक सेंडर आईडी से 4 अंकों के ओटीपी के साथ आते हैं, जिसे सिर्फ सिलेंडर डिलीवरी के समय साझा करें। कोई भी कर्मचारी फोन वाटसएप या लिंक से ओटीपी नहीं मांगेगा। इंडेन ने भी ग्राहकों को पहले बुकिंग जांचने की सलाह दी है और कहा है कि सही मैसेज (वीके-इंडेन या वीएम-इंडेन) से 6 अंकों का डीएसी कोड) डिलीवरी बॉय के घर पहुंचने पर ही शेयर करें।

वहीं एक तरफ सुरक्षा बढ़ रही है, दूसरी ओर एलपीजी सिलेंडर की कीमतें शहर-शहर अलग-अलग हैं। बेंगलुरु में घरेलू सिलेंडर 915.50 रुपये, हैदराबाद में 965 रुपये और इंदौर में 941 रुपये में उपलब्ध है। पटना में यह 1002.50 रुपये तक पहुंच गया है। ये दरें डिस्ट्रीब्यूशन और स्थानीय लागत के आधार पर निर्भर करती हैं।

फ्लिपकार्ट का एआई बूस्टर, छोटे शहरों के कारोबा रियों को बना रहा बड़ा सेलर

ई-कॉमर्स दिग्गज 1.4 मिलियन विक्रेताओं को सशक्त बनाकर अपनी बाजार स्थिति कर रहा है मजबूत

मुंबई ।

ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट छोटे शहरों के विक्रेताओं को देशभर में अपने कारोबार का विस्तार करने में मदद करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल का उपयोग कर रही है। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाला यह प्लेटफॉर्म अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करने और आगामी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) से पहले अपने 14 लाख विक्रेताओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। फिलपकार्ट ने एआई-संचालित ऐसे डैशबोर्ड विकसित किए हैं, जो हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में तत्काल जानकारी प्रदान करते हैं।

यह उपकरण विक्रेताओं को मांग का पूर्वानुमान, मूल्य निर्धारण संबंधी सलाह और बाजार के रुझानों का विश्लेषण करने में सक्षम बनाते हैं, जो पहले उनके लिए अनुपलब्ध थे। वॉयस-एनेबल्ड प्रणाली के माध्यम से, विक्रेता अब यह पूछ सकते हैं कि क्या बनाना है, कब स्टॉक करना है और उत्पादों का सही मूल्य कैसे निर्धारित करना है। फ्लिपकार्ट के मार्केटप्लेस और किराना प्रमुख के अनुसार, इस मार्गदर्शन ने कई व्यवसायों को हफ्तों के भीतर ही

उल्लेखनीय वृद्धि हासिल करने में सहायता की है। यह पहल भारतीय ई-कॉमर्स में एक बड़े संरचनात्मक बदलाव को दर्शाती है।

गूगल और डेलॉयट की रिपोर्ट के अनुसार यह उद्योग 2030 तक मौजूदा 90 अरब डॉलर से बढ़कर 250 अरब डॉलर का अनुमानित बाजार बन जाएगा। इस वृद्धि का मुख्य चालक महानगर नहीं, बल्कि मझोले और छोटे शहर हैं, जहां पहली बार के उद्यमी और कारीगर देशव्यापी पहुंच के साथ डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड बना रहे हैं।

रिपोर्ट बताती है कि एआई इस विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, क्योंकि यह खरीदारों की मांग को अत्यधिक व्यक्तिगत बनाता है, संचालन को सुव्यवस्थित करता है और लाभ में 30 से 35 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है।

भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद भारतीय एमएंडए बाजार मजबूत

आउटबाउंड अधिग्रहण में रिकॉर्ड उछाल, फार्मा, टेक और वित्तीय सेवा क्षेत्र बने मुख्य आकर्षण

नई दिन्ली ।

वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता और असामान्य उथल-पुथल के बावजूद, भारत का विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) बाजार अपनी पकड़ बनाए हुए है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के एक व रिष्ठ अ धिकारी के अनुसार देश में सौदों की गतिविधियां सालाना 200 अरब डॉलर की रफ्तार से जारी रहने की उम्मीद है। यह सौदे देश और विदेश में समान रूप से बंटे होंगे, जो भारतीय बाजार में निरंतर विश्वास को दर्शाता है। सिंघी ने वैश्विक एमएंडए परिदृश्य को दो हिस्सों की कहानी बताया, जहां अमेरिका और यूरोप में बड़े सौदे और घरेलू एकीकरण हावी हैं, वहीं भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा परिवर्तन और बुनियादी ढांचा प्रमुख चालक हैं। सबसे उल्लेखनीय बदलावों में से एक विदेश में भारतीय कंपनियों के अधिग्रहण में तेजी है। हाल में घोषित सन फार्मा का विदेशी अधिग्रहण इस नई रुचि का प्रमुख संकेत है, जिसे अब तक के सबसे बड़े भारतीय अधिग्रहणों में से एक माना जा रहा है। इस प्रवृत्ति को तीन प्रमुख कारकों से बढ़ावा मिल रहा है- विनिर्माण में प्रौद्योगिकी तक पहुंच, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन, और भारतीय कंपनियों का घरेलू विकास में नरमी के बावजूद विदेशों में अपनी ऐतिहासिक विस्तार गति बनाए रखने की क्षमता, क्योंकि उनके पास मजबूत बैलेंस शीट है। दवा, स्वास्थ्य सेवा, इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवाएं (ईएमएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विदेशी सौदों में रुचि वाले मुख्य क्षेत्र हैं। देश के भीतर, वित्तीय सेवाएं लगातार विदेशी रणनीतिक रुचि आकर्षित कर रही हैं। पश्चिम एशियाई निवेशक भारत में सक्रिय हैं, और एमिरेट्स एनबीडी-आरबीएल बैंक सौदा एक रणनीतिक कदम का उदाहरण है, जो जीडीपी वृद्धि हासिल करने का एक प्रभावी तरीका है।

अगर आपके बाल भी रूखे सूखे और बेजान हो गए हैं तो उन्हें सुलझाने के लिए और उनकी नेचुरल चमक को वापस लाने के लिए आप इन दो घरेलू नुस्खों को ज़रूर आज़माए। इनकी मदद से आपके बाल न केवल शाइनी होंगे बल्कि जड़ से मजबूत और हेल्दी भी होंगे। साथ ही बालों का झड़ना भी कम होगा। चलिए, जानते हैं वे नुस्खे कौन से हैं?

रूखे और बेजान बालों को चमकाने के लिए इन नुस्खों का करें इस्तेमाल, रेशम से सिल्की हो जाएंगे बाल

इन दो नुस्खों का करें इस्तेमाल :

अलसी का जेल : अलसी के बीजों में ऐसे कई फायदेमंद तत्व पाए जाते हैं, जो बालों की सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं ।अलसी में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड बालों को चमकने के अलावा उन्हें झड़ने से बचाता है। साथ ही ये सिर की त्वचा की सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल : अलसी के जेल को शहद, दही के साथ मिलाएं। इस मास्क को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएं, 15-20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धो लें। इससे बालों में नमी और चमक बढ़ सकती है।

चावल का पानी: चावल का पानी कई पोषक तत्वों जैसे विटामिन क्ख़ ष्ट, श्व, मिनरल्स और अमीनो एसिड से भरपूर होता है। यह बालों की सतह पर होने वाले घर्षण को कम करने में मदद करता है जिससे बाल रेशमी और चमकदार बनते हैं और उनमें रूखापन कम होता है।

कैसे करें इस्तेमाल: कच्चे चावलों को लगभग 30 मिनट तक पानी में भिगोकर रखें। चावलों को छान लें और पानी को अलग रख लें। बालों में शैम्पू करें और नल के पानी से धो लें। इसके बाद, बालों और सिर की त्वचा को उस चावल के पानी से धोएँ जिसे आपने अलग रखा था। इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें और आखिर में पानी से धो लें।

शाइनी और मजबूत हेयर के लिए इन बातों का भी रखें ख्याल :

तौलिए की जगह सूती का करें इस्तेमाल: अगर आप भी तौलिए का इस्तेमाल बालों को सुखाने के लिए कर रहे हैं तो इस आदत को बदल दें। तौलियों से ज़ोर से रगड़ने से बालों में घर्षण पैदा होता है, जिससे बाल टूट जाते हैं। इसलिए, तौलिए की जगह सूती कपड़े का इस्तेमाल करें, जिससे आप अपने बालों को सुखा सकें।

बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल न करें : अगर आप बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बालों के क्यूटिकल्स खुल जाते हैं। लेकिन जब आप बाल धोने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो यह क्यूटिकल्स को बंद कर देता है और बालों को रेशमी और सीधा रखने में मदद करता है।

हीट टूल्स का इस्तेमाल करने से बचें: अगर आप अपने बालों को ठीक करने के लिए ब्लो ड्रायर या इलेक्ट्रिक स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो असल में आप अपने बालों को कमज़ोर बना रहे हैं। इसीलिए आपको ड्रायर और इस तरह के अन्य उपकरणों का नियमित इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

चेहरे पर कैसे लगाएं दूध की मलाई, ग्लो करने लगेगा चेहरा

रूखी त्वचा भी बन जाएगी मुलायम

दूध को त्वचा के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि सिर्फ दूध ही नहीं, बल्कि दूध की मलाई भी आपकी त्वचा की सेहत पर पॉजिटिव असर डाल सकती है? दूध की मलाई में मौजूद तमाम औषधीय गुण स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकते हैं। आज हम आपको पोषक तत्वों से भरपूर दूध की मलाई को स्किन केयर रूटीन में शामिल करने के सही तरीके के बारे में बताएंगे।

कैसे लगाएं मलाई- सबसे पहले एक कटोरी में थोड़ी सी मलाई निकाल लीजिए। इसके बाद आपको इसी कटोरी में चुटकी भर हल्दी पाउडर को भी निकाल लेना है। अब आपको इन दोनों केमिकल फ्री चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आप इस पेस्ट को फेस पैक की तरह एक हफ्ते में 1 से 2 बार अप्लाई कर सकते हैं।

अप्लाई करने का तरीका- इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अच्छी तरह से लगा लीजिए। लगभग 5 मिनट तक अपने चेहरे की मसाज जरूर करें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको लगभग 20 मिनट तक इस फेस पैक को अपनी त्वचा पर लगाए रखना है। 20 मिनट के बाद आप फेस वॉश कर सकते हैं। हालांकि, आपको दूध की मलाई को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

त्वचा के लिए वरदान- त्वचा का निखार बढ़ाने के लिए और त्वचा को गहराई से पोषण देने के लिए इस फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। क्या आप दाग-धब्बों से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आप इस फेस पैक को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। दूध की मलाई में एंटी एजिंग गुण भी मौजूद होते हैं यानी झुर्रियों को रोकने के लिए भी इस फेस पैक को यूज किया जा सकता है। इस फेस पैक की मदद से रूखी त्वचा को मुलायम बनाया जा सकता है।

डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

नाश्ते में झटपट बनाएं टेस्टी और हेल्दी रागी चीला, वेट लॉस में है मददगार

सुबह का नाश्ता दिन का पहला मील होता है। इसलिए नाश्ते में हमेशा हेल्दी चीजें खानी चाहिए। सुबह की जल्दबाजी में लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाया जाए। अक्सर लोग एक ही तरह का नाश्ता करके बोर हो जाते हैं। ऐसे में रागी का चीला स्वाद और सेहत दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हो सकता है। रागी का चीला खाने में बेहद स्वादिष्ट लगता है और इसे बनाना बेहद आसान भी है। रागी चीला ग्लूटन-फ्री और कम कैलोरी वाला नाश्ता है। ऐसे में जो लोग वेट लॉस करना चाहते हैं वो इसका सेवन कर सकते हैं।

सामग्री

रागी का आटा- 1 कप
बेसन या सूजी- 2-3 बड़े चम्मच (बाइंडिंग के लिए)
दही- द कप
प्याज -1 मध्यम (बारीक कटा हुआ)
हरी मिर्च - 1-2 (बारीक कटी हुई)
अदरक-लहसुन पेस्ट - ङ्ग छोटा चम्मच
ताजा धनिया - बारीक कटा हुआ
सब्जियां - कद्दूकस की हुई गाजर या बारीक कटी शिमला मिर्च (स्वादानुसार)
मसाले - नमक, हल्दी, जीरा पाउडर, और थोड़ी सी हींग
पानी - आवश्यकतानुसार (घोल बनाने के लिए)
तेल/घी - सेकने के लिए

बनाने की विधि

घोल तैयार करें

एक बड़े बाउल में रागी का आटा, बेसन/सूजी, नमक और सभी सूखे मसाले मिला लें। अब इसमें दही और थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर एक मध्यम गाढ़ा घोल तैयार करें। ध्यान रहे कि गुठलियां न बनें।

सब्जियां मिलाएं

इस घोल में कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरा धनिया और अपनी मनपसंद सब्जियां डालकर अच्छी तरह मिलाएं। घोल को 10-15 मिनट के लिए ढककर रख दें।

तवा गरम करें

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और उस पर थोड़ा सा तेल या घी लगाकर चिकना कर लें।

चीला फैलाएं

आंच को धीमा करें और एक बड़ा चम्मच घोल तवे के बीच में डालें। इसे धीरे-धीरे गोल घुमाते हुए फैलाएं।

सेकें

चीले के किनारों पर थोड़ा सा तेल डालें। इसे मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकने दें जब तक कि ऊपर की सतह सूखी न दिखने लगे।

पलटें

अब चीले को पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें।

कच्चे आम की लौंजी बनाकर खाएं, खट्टा मीठा स्वाद चखते ही मजा आ जाएगा, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

कच्चे आम का सीजन आते ही लोग आम की चटनी, आम का अचार और आम की लौंजी बनाकर खाते हैं। अगर आपको भी कुछ खट्टा मीठा और स्वादिष्ट खाना है तो आम की लौंजी बनाकर खा सकते हैं। बिना प्याज, लहसुन और टमाटर के आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाती है। इसका स्वाद इतना अच्छा होता है कि आप लौंजी से 1-2 रोटी ज्यादा खा जाएंगे। अगर आपने अभी तक आम की लौंजी ट्राई नहीं की तो ये रेसिपी एक बार जरूर बनाएं। खास बात ये है कि कच्चे आम की लौंजी कई दिनों तक खराब नहीं होती है। इसका स्वाद बहुत ही मजेदार होता है। फटाफट नोट कर लें कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी।

कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी

पहला स्टेप- कच्चे आम की लौंजी बनाने के लिए आपको 3-4 कच्चे आम लेने हैं। आम को अच्छी तरह से धो लें और उसे छील लें। अब आम को मोटे-मोटे टुकड़ों में काट लें। गुठलियां निकाल लें और उन्हें फेंके नहीं बल्कि सब्जी में ही डाल दें।

दूसरा स्टेप- लौंजी के लिए कड़ाही में सरसों का तेल डालें। आपको बहुत कम तेल इस्तेमाल करना है। अब तेल में हरी सौंफ डालें और हल्दी, नमक और लाल मिर्च पाउडर डाल दें। अब इसमें कटे हुए कच्चे आम और उसकी गुठलियां डाल दें। सारी चीजों को मिक्स करके 1 गिलास पानी डाल दें।

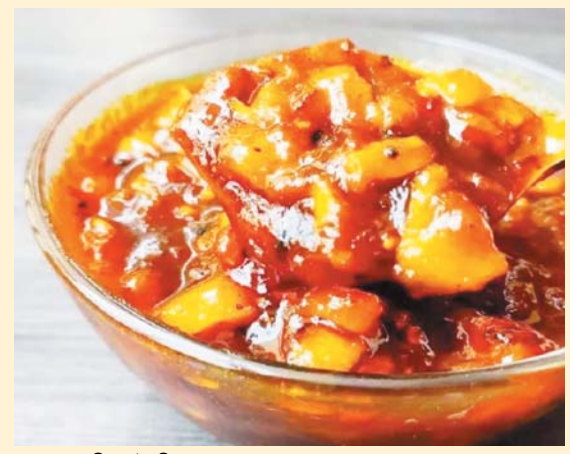

आम की लौंजी

तीसरा स्टेप- अब आम को अच्छी तरह से गलने तक पकाएं। जब आम पक जाए तो इसमें थोड़ा स्वाद बढ़ाने के लिए काला नमक और काली मिर्च का पाउडर डाल दें। अब मीठा करने के लिए इसमें गुड़, जैगरी पाउडर या फिर चीनी मिला दें। आप इसे अपने स्वाद के हिसाब से मीठा कम या ज्यादा रख सकते हैं। लौंजी में पानी कम हो तो थोड़ा और डाल लें।

चौथा स्टेप- आम की लौंजी को हल्का लुटपुटा बनाते हैं। बहुत ज्यादा पानी या बहुत गाढ़ा न करें। इस तरह स्वादिष्ट आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाएगी। आप इसे रोटी और चावल के साथ खाएं। आम की लौंजी को अच्छी तरह 8-10 दिन तक फ्रिज में रखकर खा सकते हैं।

बादाम के तेल में मिलाएं ये 1 चीज, तैयार हो जाएगी घर में बनी नेचुरल फेस क्रीम, लगाते ही मक्खन सी चिकनी होगी त्वचा

त्वचा को स्वस्थ और खूबसूरत बनाने के लिए चेहरे पर मालिश करना जरूरी है। मसाज के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मिल जाती हैं। लेकिन आप घर में सिर्फ बादाम के तेल और एलोवेरा जेल से एकदम नेचुरल और होममेड क्रीम तैयार कर सकते है। आपको यकीन नहीं होगा कि तेल से इतनी आसानी से क्रीम बन जाएगी। आप इसे कुछ दिनों तक लगातार चेहरे पर लगाएंगे तो निखार साफ नजर आने लगेगा। बाबाद और एलोवेरा से बनी ये क्रीम झुर्रियों को दूर करने, झाईं और दाग मिटाने और एजिंग को कम करने में मदद करती है। इस क्रीम को बनाना बच्चों का खेल है। इतनी आसानी से और मिनटों में घर में बादाम के प्योर शुद्ध तेल से क्रीम बन जाएगी। जानिए बादाम तेल से क्रीम बनाने का तरीका क्या है?

बादाम तेल से क्रीम कैसे बनाएं

इसके लिए आपको बादाम का शुद्ध तेल लेना है। आप घर में बादाम का तेल निकाल सकते हैं। बाजार से त्वचा पर लगाने के लिए कोल्ड प्रेस बादाम का खरीद सकते हैं। बादाम के तेल को कटोरी में निकाल लें। 4 चम्मच तेल में करीब 4 चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स करें। इसमें 2 विटामिन ई के कैप्सूल डालें और सारी चीजों को चम्मच की मदद से लगातार चलाते रहें। थोड़ी देर चलाने के बाद ही तेल और जेल मिलकर क्रीम जैसी बन जाएगी। इसका रंग भी व्हाइट और क्रीमी होने लगेगा।

बादाम क्रीम को चेहरे पर कैसे लगाएं

इस क्रीम को एक एयरटाइट कांच की शीशी या किसी क्राम के ट्यूब में भर दें। आप इसे रोजाना रात में सोते वक्त पूरे चेहरे पर अच्छी तरह से लगाएं। थोड़ी देर हल्के हाथों से चेहरे की मालिश करें। इसके बाद सो जाएं। सुबह पानी से चेहरे को धो लें। बादाम के तेल से बनी इस क्रीम का इस्तेमाल आप दिन में किसी भी वक्त कर सकते हैं। नहाने से पहले या नहाने के बाद इस क्रीम से फेस मसाज करना फायदेमंद साबित होगा। आप इसे लंबे समय तक आसानी से स्टोर कर सकते हैं। बादाम के तेल में भरपूर विटामिन ई पाया जाता है जिससे एजिंग को कम किया जा सकता है। वहीं एलोवेरा त्वचा में नमी को लॉक करने का काम करता है।

आईपीएल में आज प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेंगे गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। दोनो ही टीमों ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किये है और बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। इनका लक्ष्य अब ये मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी रही है और वह जीत की दावेदार है। उसके पास साई सुदर्शन और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज हैं।

वहीं पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स के पास भी वैभव सूर्यवंशी ओर यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज हैं। दोनो ही टीमों की गेंदबाजी भी अच्छी है सनराइजर्स के पास पैट कमिंट जबकि गुजरात के पास कागिसो रबाडा जैसा गेंदबाज है।

अब तक दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं उसमें से गुजरान ने 5 जबकि सनराइजर्स ने 1 जीता है।

टीम इस प्रकार है

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, राशिद खान, अरशद खान, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- साई किशोर

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, इम्पैक्ट प्लेयर- हर्ष दुबे

स्पेन के राफेल जोडार इटैलियन ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे

–अर्नाल्डी को हराया, टिएन से होगा मुकाबला

रोम (एजेंसी)। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी राफेल जोडार ने इटैलियन ओपन टेनिस में जीत के साथ ही चौथे दौर में प्रवेश किया है। जोडार ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वाइल्डकार्ड धारी अर्नाल्डी को हराकर जोडार ने अपनी क्षमताओं को साबित किया है।

स्पेनिश खिलाड़ी ने पहले सेट को 6-1 से जीता पर दूसरे सेट में अर्नाल्डी ने 6-4 से जीत दर्ज कर अच्छी की। वहीं निर्णायक तीसरे सेट में जोडार ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही जोडार ने इस साल क्ले कोर्ट पर अपना 14-2 का रिकॉर्ड बरकरार रखा है। इस सत्र में उन्होंने माराकेच में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। साथ ही बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टर फाइनल तक वह पहुंचे थे।

जीत के बाद जोडार ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। रोम में किसी इटैलियन खिलाड़ी के साथ खेलना कभी आसान नहीं रहता। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया पर मैटेओ ने दूसरे और तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेला। अब जोडार का मुकाबला लर्नर टिएन से होगा

इससे पहले, लर्नर अलेक्जेंडर बुब्लिक को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। इंडियन वेल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के बाद से ही टिएन की यह अच्छी वापसी है। टिएन साल 2002 में एंडी रोडिक के बाद रोम के चौथे राउंड में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के अमेरिकी खिलाड़ी हैं। एक अन्य मुकाबले में विश्व के पूर्व नंबर 2 कैस्पर रूड ने भी चेक गणराज्य के 11वें वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को ठीक 80 मिनट में 6-3, 6-4 से आसानी से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया है।

मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हुए

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद मुंबई इंडियंस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है। ये दोनो ही टीमों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और अंतिम पायदान पर होने के करण ये प्लेऑफ तक भी नहीं पहुंच पायीं। लखनऊ को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) जबकि मुंबई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इससे दोनो का ही अभियान समाप्त हो गया।

मुंबई को अंतिम गेंद पर आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा।

मुंबई इंडियंस के लिए यह सीज़न अच्छा नहीं रहा था। टीम की कप्तानी में बदलाव, लगातार हार और सही संयोजन न मिल पाने के कारण उसके प्लेऑफ की रहा बंद हो गयी। टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या भी कई मैचों में खेल नहीं पाये। रोहित शर्मा की भी फिटनेस ठीक नहीं रही जिससे भी टीम को नुकसान हुआ। इस प्रकार 11 मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में नौवें स्थान पर है।वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स का हाल भी इसी प्रकार का रहा है। सीएसके से मिली हार के बाद वह भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी। 11 मैच खेलने के बाद लखनऊ की टीम ने केवल 3 मैच ही जीते। इससे उसे 6 अंक ही मिल पाये। उसका नेट रन रेट भी काफी कम रहा। अंक तालिका में ये दोनो अपने बचे हुए मैच जीतने के बाद भी केवल 12 अंक तक ही पहुंच पाते। अभी शीर्ष चार टीमों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के ही 14-14 अंक हैं, जबकि पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे नंबर पर बरकरार है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे हैं हेल्स

लंदन (एजेंसी)। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जैसे छोटे प्रारुप में जहां कई खिलाड़ियों ने शतक लगाये हैं। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो केवल एक रन से शतक नहीं लगा पाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स थे। साल 2012 में नॉटिंघम के मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए एक मुकाबले में हेल्स ने केवल 68 गेंदों में 99 रन रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 4 छक्के लगाये थे पर वह अपना पहला शतक पूरा नहीं कर पाये। रवि रामपॉल की एक गेंद पर वह आउट हो गये। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 99 पर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी रहे हैं।

वहीं 99 पर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज डेनमार्क के हामिद शाह रहे हैं। साल 2022 में हामिद ने फिनलैंड के खिलाफ 68 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्के लगाकर 99 रन बनाए। हामिद भी 99 पर पहुंचकर आउट हो गये। साल 2024 में थाईलैंड के बैंकॉक में सऊदी अरब के अब्दुल वहीद ने कंबोडिया के खिलाफ केवल 58 गेंदों में ही 99 रन बना दिये। इस पारी में में 9 शानदार चौके और 6 विशाल छक्के शामिल थे पर वह भी शतक से ठीक पहले आउट हो गये।

इसके अलावा ओमान के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी प्रकार आउट हुएहुए। ओमान के खिलाफ उन्होंने 55 गेंदों में 99 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाये पर वह शतक पूरा नहीं कर पाये। ये चारों ही पारियों इन खिलाड़ियों के साथ ही क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी निराशाजनक रही। ये चारों घटनाएं इस बात साबित करती हैं कि क्रिकेट में कभी-कभी एक रन की दूरी भी बड़ी बन जाती है। भले ही ये बल्लेबाज अपने शतक नहीं लगा पाये पर उनकी ये 99 रन की पारियां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद की जाती रहेंगी।

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

–निगार सुल्ताना करेंगी कप्तानी

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेंगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं उिससे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज़ में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी। यह सीरीज खिलाड़ियों को यूरोपीय हालातों के अनुसार ढ़लने और अपनी रणनीति को परखने का अवसर देगी। त्रिकोणीय-सीरीज़ के समाप्त होने के बाद, टीम लॉफबोरो जाएगी, जहां वे अपने टी-20 विश्व कप वार्म-अप मैचों में भाग लेंगी। टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को एजबेस्टन में

नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। बीसीबी के अनुसार टीम की कप्तान निगार सुल्ताना और उपकप्तान नाहिदा अख्तर अनुभवी हैं जो टीम को प्रेरित करेंगी। बीसीबी को उम्मीद है कि टीम विश्वकप में भाग ही नहीं लेगी बल्कि अपने प्रदर्शन से भी प्रभावित करेंगी।

बीसीसीआई ने अंपायर से बहस के लिए फ्लावर पर जुर्माना लगाया

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए जुर्माना लगाया है। बीसीसीआई के अनुसार मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में फ्लावर पर अंपायर से बहस के लिए 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।उन पर मैच के दौरान आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगे हैं।फ्लावर ने इसे स्वीकार कर लिया है जिस कारण उनपर आगे कार्रवाई नहीं होगी। इस मैच में आरसीबी लक्ष्य का पीछा कर रही थी। तभी 18वें ओवर के दौरान नमन धीर ने कुनाल पंड्या का का कैच पकड़ने का प्रयास किया ।इसके बाद अंपायर ने कुनाल को आउट करार दिया हालांकि इस पर संशय था जिससे फ्लावर भड़क गए और चौथे अंपायर से बहस करने लगे।इसी दौरान उन्होंने अंपायर को अपशब्द कह दिये। इसी कारण उन्हें आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया। इसी को लेकर मैच रेफरी अमित शर्मा ने फ्लावर पर जुर्माना ठोक दिया। आईपीएल में किसी मैच अधिकारी पर उठे विवाद का ये पहला मामला नहीं है।इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर पर भी डगआउट में मोबाइल पर बात करने के कारण विवाद उठा था।इसके बाद उन पर भी भारी भरकम जुर्माना लगा था।

वैभव को बटलर ने उपहार में दिया बल्ला

जयपुर ।आईपीएल के इस सत्र में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन कर 400 से अधिक रन बनाये हैं।इस दौरान वैभव ने कई रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं।वैभव की इस सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी देखकर सभी हैरान हैं। जिस प्रकार से वह निडर होकर बल्लेबाजी करते हैं उसकी सभी ने प्रशंसा की है। वैभव के इस प्रदर्शन पर गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज ने उन्हें उपहार में एक बल्लास दिया है।बल्ला देते हुए बटलर ने कहा कि इसपर ऑटोग्राफ नहीं दूंगा बल्कि इससे तुम्हें खेलना है। इस नजारे को देख क्रिकेट प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गयी।बटलर ने स्वयं वैभव से मुलाकात की।इस वीडियो में वैभव की मासूमियत और खेल के प्रति

उनका जुनून नजर आया।वीडियो में वैभव कहते सुनाई देते हैं, 'बल्ला ले लेता हूं जाकर।' इसके बाद दोनों खिलाड़ी डगआउट की ओर बढ़ते हैं। बटलर ने तभी वैभव को अपना एक बल्ला उपहार में दिया। जब वैभव से कहा गया कि इस बल्ले पर बटलर के ऑटोग्राफ ले लो, तो वैभव ने कहा कि इसे उन्हें खेलने के लिए दिया गया है।वैभव ने इस मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ केवल 16 गेंदों पर ही 36 रनों की आक्रामक पारी खेली थी पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये हालांकि इस दौरान उन्होंने रिकार्ड जरुर बना लिया।वैभव ने पारी का पहला छक्का लगाते ही टी20 क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए।वैभव की सबसे बड़ी ताकत उनका 236.56 का स्ट्राइक रेट है। जहां अन्य बल्लेबाज 150-160 का स्ट्राइक रेट के रन बना रहे हैं।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-

अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी आक्रामक खिलाड़ी हैं, जिनसे गोल दागने की उम्मीद है।

शिविर के महत्व पर जोर देते हुए मुख्य कोच शॉर्ड मारिन ने कहा, यह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले एक छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण कैंप होगा। हमारा मुख्य ध्यान खिलाड़ियों की फिटनेस और खेल के उन विशिष्ट क्षेत्रों पर रहेगा, जहां हमें सुधार की आवश्यकता है। हम लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और एक टीम के तौर पर अगले स्तर तक पहुंचना चाहते हैं। है।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2–0 से हराकर 29 वीं बार जीता ला लीगा खिताब

मैड्रिड ।बार्सिलोना ने यहां हुए एक मुकाबे में रियल मैड्रिड को 2–0 से हराकर 29 वीं बार स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल खिताब जीता है।इस जीत के साथ ही बार्सिलोना ने एक बार फिर अपने को साबित किया है।एक बार फिर फुटबॉल जगत में अपनी श्रेष्ठता साबित की।वहीं रियल मैड्रिड को इस खिताबी मुकाबले में अपने तीन प्रमुख खिलाड़ियों की कमी खली। उसके स्टार खिलाड़ी काइलियन एम्बाप्पे हैमस्ट्रिंग फेडेरिको वाल्वरडे और डीन हुइजसेन चोटिल होने के कारण इस मैच में शामिल नहीं हुए।इससे टीम के खेल पर काफी प्रभाव पड़ा उसकी आक्रामकता और मध्यपंक्ति कमजोर हुई।बार्सिलोना ने इस स्थिति का लाभ उठाते हुए शुरुआती मिनटों में ही दबाव बनाना शुरू कर दिया।मैच के नौवें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने पहला गोल दागकर बार्सिलोना को 1–0 की बढ़त दिला दी।इसके कुछ ही देर बाद, 18वें मिनट में टोरेस ने डैनी ओल्मो के पास पर खेल कर बार्सिलोना की बढ़त को 2–0 कर दिया।वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही रियल मैड्रिड ने वापसी का अच्छा प्रयास किया पर बार्सिलोना की रक्षापंक्ति ने इस प्रयास को विफल कर दिया।इसके बाद देनो ही टीमों ने गोल करने के प्रयास किये पर असफल रहे।मुकाबले के दौरान, रियल मैड्रिड ने वापसी करने के कई प्रयास किए, लेकिन बार्सिलोना के रक्षापंक्ति ने उसे अवसर नहीं दिया।जीत के बाद बार्सिलोना के खिलाड़ी जश्न में डूबे दिखे।

कुश्ती से संन्यास नहीं लूंगी, विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर लगाया आरोप

गोंडा (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। विनेश फोगाट ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) में सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि वह इस खेल को छोड़ दें, लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह हार स्वीकार नहीं करेंगी और उन्हें अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगी। WFI ने विनेश को यहां होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए तब तक अयोग्य घोषित कर दिया था, जब तक उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती।

विनेश प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचीं और दावा किया कि वह मुकाबले में वापसी के लिए पात्र हैं, जबकि महासंघ ने डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य छह महीने की नोटिस अवधि का हवाला देते हुए उन्हें 26 जून 2026 तक अयोग्य घोषित कर दिया है। WFI ने उनकी भागीदारी को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। WFI अधिकारियों से मिलने के बाद विनेश ने पत्रकारों से कहा, 'आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं? क्या मैं संन्यास ले लूं और दूर हो जाऊं? हार मान लूं? जिससे कि मेरे खिलाफ उनकी साजिश कामयाब हो जाए? वे चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूं, मैं थक जाऊं, मैं हाथ जोड़ लूं और चली जाऊं। संजय सिंह, बृज

भूषण, उनकी टीम–वे सभी जिनका इस पर नियंत्रण है, जिनके पास सत्ता है।'

विनेश ने कहा कि उन्होंने WFI के कारण बताओ नोटिस पर संक्षिप्त जवाब भेज दिया है और 14 दिनों के भीतर विस्तृत जवाब देंगी। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे (संजय सिंह) कहा कि 14 दिनों में विस्तृत जवाब दे दूंगी, लेकिन उससे पहले ही मुझे दोषी कैसे माना जा सकता है? कम से कम 14 दिनों तक तो मुझे मत रोकिए। उसके बाद जो कार्रवाई करनी हो, कर लीजिए। लेकिन वह विस्तृत जवाब पर ही अड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैंने 12 दिसंबर को पत्र भेजकर बताया था कि मैं खेल में वापसी करना चाहती हूं और प्रशिक्षण शुरू कर चुकी हूं। फिर छह महीने तक इंतजार क्यों किया गया? मैं प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पहुंची और तब मुझ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यह बात पहले भी बताई जा सकती थी। ऐसा लगता है कि मुझे प्रतिबंधित करने का पहले से ही फैसला कर लिया गया था। यह पूरी तरह पूर्व-नियोजित है।' विनेश ने कहा, 'हम अपने वकील के जरिए पहले ही जवाब दे चुके हैं। अब हम एक और विस्तृत जवाब तैयार कर रहे हैं, जिसमें अपनी ओर से हर संभव बात रखेंगे। लेकिन मैं उन बातों को स्पष्ट करना चाहती हूं जो नोटिस में लिखी गई हैं। उनमें से एक बिंदु विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से संबंधित था।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या हाल के घटनाक्रमों के बाद वह अदालत का रुख करेंगी, तो विनेश ने कहा, 'देखते हैं। हम अपनी क्षमता के अनुसार जो कुछ भी कर सकते हैं, करने की कोशिश करेंगे।' विनेश ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी भी डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन नहीं किया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी के लिए उन्हें वाडा से अनुमति मिल चुकी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने एक बार अपनी उपस्थिति' की जानकारी अपडेट नहीं की थी, जबकि खिलाड़ियों को तीन बार ऐसी छूट होती है। कोई भी शीर्ष खिलाड़ी कभी-कभी ऐसी भूल कर सकता है। उस समय मैं विधानसभा सत्र में व्यस्त थी और अपडेट करना भूल गई थी। इसके लिए मैंने वाडा से माफी भी मांगी।'

विनेश के अनुसार, 'वाडा ने मुझे क्लीन चिट दी और कहा कि मैं किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकती हूं। लेकिन यहां (WFI) कहा जा रहा है कि वे संतुष्ट नहीं हैं। मैंने डोप टेस्ट के बाद ही प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं डोपिंग को लेकर पूरी तरह पाक-साफ हूं और हमेशा रही हूं। मैं किसी का हक नहीं छीन रही, बस अपने लिए निष्पक्ष मौका चाहती हूं।'

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पिछले साल जून में ही खेल में वापसी की सूचना दे दी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने जून में ही बता दिया था कि मैं फिर से कुश्ती शुरू कर रही हूं, आप मेरा टेस्ट (डोपिंग जांच) कर सकते हैं। मैंने उन्हें छह महीने का समय दिया। अब यह उनका अधिकार है कि वे कब टेस्ट करना चाहते हैं।' विनेश ने यह भी दावा किया कि उन्हें बताया गया था कि एक जनवरी 2026 से वे अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में हिस्सा ले सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं नियम जानती हूं और वाडा के प्रति जवाबदेह हूं। मैंने ब्रेक के लिए अनुरोध किया था क्योंकि मैं गर्भवती थी। बाद में मैंने वापसी की सूचना भी दे दी थी।'

विनेश ने कहा कि पहलवानों को जिन असुरक्षाओं का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें दूर करना डब्ल्यूएफआई नेतृत्व की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'मैं इतने वर्षों से इस दौर से गुजर रही हूं, इसलिए मेरे मन में ये असुरक्षाएं हैं। डब्ल्यूएफआई के प्रमुख के तौर पर इन असुरक्षाओं को दूर करना आपकी जिम्मेदारी है।' पास के अयोध्या हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद विनेश ने WFI के कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया। उन्होंने दावा किया कि संन्यास लेने वाले खिलाड़ियों से संबंधित विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) का नियम 5.6.1 उन पर लागू नहीं होता, क्योंकि उन्होंने जून में ही यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) को संन्यास के बाद दोबारा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया था।

UWW के सूत्रों ने हालांकि बताया कि महासंघ उनके जवाब से संतुष्ट नहीं था। उनका मानना था कि पहलवान ने केवल पात्रता वाले पहलू पर ही बात की है, जबकि शनिवार को जारी विस्तृत नोटिस में उन पर लगाए गए व्यापक अनुशासनात्मक आरोपों का उन्होंने पूरी तरह से जवाब नहीं दिया है।

मुंबई को हराकर अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंची आरसीबी

रायपुर । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद पर हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।वहीं इस हार के साथ ही मुंबई की टीम अंतिम स्थान पर खिसक गयी है। इस जीत के साथ ही आरसीबी की प्लेऑफ के लिए दावेदारी मजबूत होगी।इस मैच में 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की। इसी के साथ ही मुंबई की टीम को11 मैचों में आठवीं हार का सामना करना पड़ा है।इसी के साथ ही मुम्बई की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद प्लेऑफ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है।वहीं इस जीत के साथ ही आरसीबी के अब सबसे अधिक 14 अंक हो गये हैं और वर नंबर एक पर पहुंच गयी है।वहीं इतने ही अंक लेकर सरनरइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि इनका नेट रन रेट कम रहा है।इस में आरसीबी को जीत के लिए 15 रनों की जरुर थी।मुंबई की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने राज अंगद बावा को ओवर दिया।ओवर की शुरुआत में वाइड और नो-बॉल से हुई, जिससे आरसीबी को आसानी से 5 रन मिल गए। बावा ने तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड का विकेट लेकर मुंबई की उम्मीदें जगा दीं पर इसके बाद एक और वाइड से टीम को नुकसान हुआ।अगली गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने छक्का लगाकर मैच एक बार फिर आरसीबी के पाले में कर दिया।इसके बाद आरसीबी को केवल गेंदों में तीन रन चाहिए थे।पांचवीं गेंद पर एक रन लेने के बाद अंतिम गेंद पर दो रन की जरूरत थी।

अगले प्रोजेक्ट में कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

अभिनेता ईशान खट्टर ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहा गया। फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री भी थी। अब ईशान खट्टर एक बार फिर एक नए तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शकों ने ईशान को इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा है।

कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

रिपोर्ट के मुताबिक, ईशान खट्टर अब एक कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म का निर्देशन पलाश वासवानी करेंगे, जो 'गुल्लक' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में ईशान पहले ही मुख्य भूमिका में हैं। निर्माता अब फीमेल एक्ट्रेस और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी।

'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे ईशान

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर को आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'होमबाउंड' में देखा गया था। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म उत्तर भारतीय शहर में दो बचपन के दोस्तों चंदन, एक दलित और शोएब एक मुस्लिम की कहानी है। दोनों पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन परीक्षा परिणामों में देरी से सब कुछ बदल जाता है। ईशान अब 'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे। निर्माताओं ने इस साल की शुरुआत में सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की थी।

टॉक्सिक में यश के साथ बोल्ड सीन वाली खबरों पर कियारा आडवाणी ने दिया रिएक्शन

कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इस साल सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। जब इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ तो इसमें दिखाए गए बोल्ड सीन चर्चा का विषय बन गए। हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि कियारा और यश के बीच फिल्म में कुछ बोल्ड सीन हैं। खबरें यह भी थीं कि कियारा ने मेकर्स से उन सीन को थोड़ा कम करने की गुजारिश की है। इस मामले पर अब कियारा ने रिएक्शन दिया है।

कियारा ने दिया रिएक्शन

इस तरह की खबरों को कियारा आडवाणी ने सिरे से खारिज किया है जिनमें कहा गया था कि उन्होंने मेकर्स से बोल्ड सीन कम करने की गुजारिश की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें यश के साथ उनकी तस्वीर है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'बिल्कुल बकवास!' कियारा के यह साफ करने के बाद कि ये खबरें झूठी हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में उनके और यश के बीच कोई बोल्ड सीन होंगे या नहीं।

इस वजह से टल गई रिलीज डेट

'टॉक्सिक' इस साल मार्च में, ईद के मौके पर रिलीज होने वाली थी। हालांकि, इसकी रिलीज डेट 4 जून 2026 तक के लिए टाल दी गई थी, ताकि यह फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' के साथ क्लैश होने से बच जाए। मगर कुछ दिनों पहले मेकर्स ने एलान किया कि फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर आगे बढ़ाई जा रही है।

4 जून को नहीं रिलीज होगी फिल्म

मेकर्स ने एक नोट शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'टॉक्सिक' पूरी हो चुकी है। हम इस समय इसके ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन और पार्टनरशिप को अंतिम रूप देने में लगे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने अपनी रिलीज टाइमलाइन को फिर से तय करने का फैसला किया है। हालांकि पहले घोषणा की गई थी कि हम इसे 4 जून को रिलीज नहीं करेंगे। हम इसे बाद में तय की गई किसी तारीख पर रिलीज करेंगे।'

कौन है फिल्म की निर्देशक

अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे। इसके निर्देशक गीतू मोहनदास हैं।

रश्मिका मंदाना ने पूरा किया फिल्म 'माइसा' का शेड्यूल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने मंगलवार को अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइसा' का केरल शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की टीम के साथ एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपनी पूरी टीम के साथ मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। वीडियो में सेट की थकान के बावजूद पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ देखी जा सकती है। रश्मिका ने टीम का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, 'दोस्तों, एक छोटा सा अपडेट यह है कि हमने केरल में माइसा का एक लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। ये कुछ प्यारे लोग हैं, जिन्होंने बहुत मेहनत की और इस प्रोजेक्ट को मुमकिन बनाया। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया। मैं जल्द ही दोबारा सेट पर वापसी करूंगी।' फिल्म 'माइसा' में रश्मिका का किरदार उनके पिछले किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। केरल की खूबसूरत लोकेशन्स पर इस फिल्म के कई अहम सीन फिल्माए गए हैं। रश्मिका ने निर्देशक रविंद्र पुल्ले और प्रोडक्शन हाउस 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' को भी इस बेहतरीन अनुभव के लिए टैग किया है। 'माइसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन राविंद्र पुल्ले कर रहे हैं। वहीं अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने अपने बैनर अनफॉर्मूला फिल्म्स के तहत इसे प्रोड्यूस किया है। 'माइसा' हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। बातचीत में रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, 'मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए।'

उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए।'' रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं। सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है।'' उन्होंने कहा, ''एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।'' रश्मि ने कहा मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं।

मेरे लिए 'लुक्खे' में गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है

म्यूजिकल एक्शन-ड्रामा वेब सीरीज 'लुक्खे' पंजाब की गलियों, वहां की आपसी प्रतिद्वंद्विता, जबरदस्त एक्शन और रैप संगीत के शानदार मेल को बखूबी दर्शाता है। इसकी कहानी एक युवा एथलीट लकी के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी दुनिया में तब मोड़ आता है, जब उसे ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए पंजाब की खतरनाक रैप दुनिया में कदम रखना पड़ता है। जैसे-जैसे वह इस अंडरवर्ल्ड के भीतर जाता है, वह न केवल अपराध बल्कि प्यार, परिवार, पछतावे और दोस्ती के जटिल जाल में फंस जाता है। ट्रेलर एक ऐसे सफर की ओर इशारा करता है, जहां एक खिलाड़ी को अपनी नैतिकता और मिशन के बीच चुनाव करना पड़ता है। इस सीरीज के जरिए रैपर किंग अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। सीरीज में अभिनेत्री राशी खन्ना पुलिस अधिकारी गुरबानी की भूमिका में नजर आएंगी। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'यह सीरीज केवल रोमांस और रैप बैटल्स के बारे में नहीं है, बल्कि उस धुंधली सीमा के बारे में है, जहां सही और गलत के बीच फर्क करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है। क्योंकि भले ही मैंने कई भाषाओं में काम किया हो, लेकिन पंजाबी मेरी असली जड़ है। गुरबानी एक ऐसी लड़की है, जो अपने अंदर बहुत सारा अनकहा दुख समेटे हुए है। वह अपनी आवाज ऊंची नहीं करती, लेकिन उसकी मौजूदगी स्क्रीन पर गहरा असर डालती है। वह एक कोमल लड़की भी है और जरूरत पड़ने पर एक तेज-तर्रार पंजाबन भी।' राशी ने स्क्रिप्ट की सराहना करते हुए शो के निर्माता अग्रिम, डेबोज और निर्देशक हिमांकर का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस जटिल कहानी को खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है।

इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है

पंजाबी फिल्मों और बॉलीवुड में काम कर चुकीं एक्ट्रेस सोनम बाजवा फिर से अपनी एक पंजाबी फिल्म 'पिट्ट सियापा' के साथ लौट आई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में काफी कुछ बताया।

आपकी फिल्मी सफर बहुत ही दिलचस्प रहा। आपने मॉडलिंग भी की है, साउथ में भी काम किया है और पंजाबी से लेकर बॉलिवुड तक में काम किया है। आप अपनी इस यात्रा को कैसे देखती हैं?

जब मैं अपना सफर देखती हूं, तो कभी सोचा नहीं था कि यहां तक पहुंच जाएंगे या ज़िंदगी में कुछ कर लेंगे। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो सोचती हूं कि आखिर कैसे हुआ। क्योंकि मैंने सारे डिसीज़न तो सही नहीं लिए। जब आप एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, आपकी कोई ट्रेनिंग नहीं है, कोई आपको गाइड करने वाला नहीं है, आपको पीछे से सपोर्ट देने वाला नहीं है, तो आपकी एक गलती भी आपको बहुत पीछे लेकर जा सकती है। मुझे लगता है कि मैंने ऐसे कई फैसले लिए जो शायद नहीं लेने चाहिए थे, कई जगह हां बोला, जहां ना कहना चाहिए था। लेकिन वही है न कि आप अपनी गलतियों से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं। तो बस मुझे यही लगता है कि मैंने बहुत शिद्दत और ईमानदारी से काम किया और लोगों का प्यार मिलता रहा। तभी तो इतनी सारी गलतियां भी माफ हो गईं। कई प्रोजेक्ट्स जो शायद नहीं करने चाहिए थे, वह भी ऑडियंस भूल जाती है क्योंकि ऑडियंस को आप अपने लगने लगते हैं। इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था मैं यहां तक पहुंच जाऊंगी।

आपकी फिल्म पिट्ट सियापा का कॉन्सेप्ट बहुत दिलचस्प है। क्या आप कभी ऐसी सिचुएशन से असल ज़िंदगी में भी रूबरू हुई हैं?

समाज में जब आप रहते हैं तो आपकी ज़िंदगी में कभी ना कभी तो होता ही है कि जब आप किसी के फ्यूनरल में जाते हैं। मेरी भी लाइफ में ऐसा हुआ है। मुझे पक्का यकीन था कि मेरी पहली फिल्म के बाद मुझे कोई काम नहीं मिलने वाला। पता नहीं कैसे मुझे पंजाब 1984 मिली, जिसे नैशनल अवॉर्ड मिला। उस फिल्म ने मेरे करियर का ग्राफ तो चेंज किया ही, मेरा सोचने का तरीका भी बदल दिया। और वहां से मैंने सोचा कि अब मैं फिल्मों में ही काम करूंगी। और वहां से यहां तक के सफर में बहुत कुछ मिला, जो कि बिल्कुल भी आसान नहीं था।

आपकी फिल्म में डायलॉग है जिसमें आप कहते हैं कि दिलजीत दोसांझ जिंदाबाद थे, हैं और रहेंगे। आपने तो फिल्म बॉर्डर 2 में साथ काम भी किया है। उनके साथ आपका अनुभव कैसा रहा?

बॉर्डर 2 दिलजीत के साथ मेरी दूसरी फिल्म थी। पहली थी पंजाब 1984, उनकी भी सफलता बेमिसाल है, पंजाब में दर्शकों का दिल जीतने से लेकर भारत और अब एक ग्लोबल स्टार बनने तक। मैं जब भी उनकी तरफ देखती हूं तो यही अहसास होता है कि लाइफ में हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए कि अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो मेरे साथ भी हो सकता है। दिलजीत वाकई बहुत मेहनती हैं और बहुत फोकस्ड भी हैं।

पंजाबी सिनेमा ने अपनी पहचान बनाई, इसकी क्या वजह मानती हैं

मैं आपकी इस बात से बिल्कुल सहमत हूं कि लोग पंजाबियों को बहुत प्यार करते हैं, उनकी भाषा लोगों को बहुत स्वीट लगती है, बड़ी अपनी सी लगती है। संगीत में भी, कोई नॉन पंजाबी भी है, तो भी हर एक की प्ले लिस्ट में पंजाबी गाना होगा। पहले तो लोग कहते थे अरे ये डांसिंग डांस वाले गाने हैं, लेकिन आप सतेंद्र सरताज जी के गाने सुनें, वह जब मुंबई या पुणे में कॉन्सर्ट करते हैं, तो उनका कार्यक्रम सोल्ड आउट होता है। वह कोलकाता में करें, मुंबई में करें या पुणे में करें, बहुत सारे नॉन पंजाबी लोग उनके कॉन्सर्ट में आते हैं। तो शायद ये मेहरबानी कुदरत की है कि लोगों को इस भाषा से बहुत प्यार है, इस कल्चर से बहुत प्यार है। हिंदी सिनेमा भी बहुत समय तक पंजाब से जुड़ी कहानियां दिखाता आया है, तो लोगों के अंदर वह प्यार बना हुआ है। अभी पंजाबी इंडस्ट्री दूसरी फिल्म इंडस्ट्रीज़ की तुलना में बहुत नई और काफी छोटी है। इस इंडस्ट्री में अच्छा करने की बहुत संभावनाएं हैं। हम कोरियन सिनेमा, फ्रेंच कॉन्टेंट या इस्राइली सिनेमा भी सब-टाइटल्स के साथ देखते हैं। तो थोड़ा सा जो बैरियर है भाषा का, वह भी कम होता जा रहा है। मुझे लगता है कि ये भी एक कारण है कि लोग पंजाबी सिनेमा को इतना प्यार करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हॉलीवुड निर्माता व वॉर्नर ब्रदर्स के पूर्व कार्यकारी टोनी का निधन

न्यूयॉर्क , एजेंसी। टेलीविजन निर्माता और वॉर्नर ब्रदर्स के पूर्व प्रोडक्शन वाइस प्रेसिडेंट टोनी अमतुलो का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार के अनुसार, एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया से जूझने के बाद 3 मई को न्यूयॉर्क में उन्होंने अंतिम सांस ली। 14 जुलाई 1949 को मैनहट्टन में जन्मे अमतुलो ने फेम और मियामी वाइस जैसे लोकप्रिय शो में बतौर सहयोगी निर्माता काम किया। उन्होंने स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्मों द गूनीज और द कलर पर्पल में मैनेजर की भूमिका निभाई।

कनाडा : दंपती की हत्या में 3 भारतवंशी दोषी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की एक अदालत ने एबॉट्सफोर्ड में एक बुजुर्ग दंपती की बर्बर हत्या के मामले में भारतीय मूल के तीन लोगों को फर्स्ट-डिग्री मर्डर का दोषी ठहराया है। ब्रिटिश कोलंबिया सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस ब्रेंडा ब्राउन ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि गुरकरण सिंह, अभिजीत सिंह और खुशवीर तूर ने इस हत्याकांड में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अर्नाल्ड और जोआन डी जोंग मई 2022 में अपने घर में मृत पाए गए थे। अभियोजकों ने अदालत को बताया कि तीनों आरोपियों ने मिलकर लूटपाट और हत्या की साजिश रची थी। उन्होंने घर से क्रेडिट कार्ड, चेक और एक पावर वॉशर चुराया था। ये तीनों आरोपी अभिजीत सिंह की सफाई कंपनी में काम करते थे, जिसने पहले इस दंपती के घर काम किया था। दंपती के शव अलग-अलग कमरों में मिले थे। अर्नाल्ड का चेहरा डक्ट टेप से लिपटा था, जबकि जोआन खून से लथपथ मिली थीं। दोनों के हाथ-पैर रस्सी से बंधे थे। अदालत में पेश साक्ष्यों में घटनास्थल से मिला डीएनए, हत्या में इस्तेमाल रस्सी और संदिग्धों की गाड़ी से बरामद मेटल का बेसबॉल बैट शामिल है। फोन डाटा से पता चला कि हत्या के बाद अभिजीत ने इंटरनेट पर सजा संबंधी कानून भी सर्च किए थे। दोषियों को सजा 28 मई को सुनाई जाएगी।

हैकर समूह शाइनीहंटर्स ने ली हमले की जिम्मेदारी

मिसिसिपी , एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी स्टेट यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार की अंतिम परीक्षाएं स्थगित कर दीं ताकि छात्र अपना संभावित रूप से खोया हुआ कार्य दोबारा प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान के छात्र ऑब्री पामर ने बताया कि वह और अन्य छात्र लगभग 2,900 शब्दों का परीक्षा निबंध पूरा कर चुके थे, तभी अचानक स्क्रीन पर फिरौती वाला संदेश दिखाई देने लगा।

ऑस्ट्रेलिया से कनाडा तक विश्वविद्यालय प्रभावित

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सिडनी यूनिवर्सिटी ने छात्रों को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि कैनवस फिलहाल उपलब्ध नहीं है और छात्र लॉगिन करने की कोशिश न करें। विश्वविद्यालय ने स्वीकार किया कि सेमेस्टर के बेहद महत्वपूर्ण समय में यह व्यवधान छात्रों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर रहा है। विश्वविद्यालय ने बताया कि वह दुनिया भर के लगभग 9000 प्रभावित संस्थानों में शामिल है और इंस्ट्रक्चर से आगे की सलाह का इंतजार कर रहा है।अमेरिका में आइडाहो स्टेट यूनिवर्सिटी ने दोपहर बाद होने वाली परीक्षाएं रद्द कर दीं, जबकि पेन स्टेट यूनिवर्सिटी ने छात्रों को संदेश भेजकर बताया कि फिलहाल किसी को भी कैनवस तक पहुंच नहीं मिल पा रही।

कांगो संकट में अमेरिका की भूमिका पर सवाल

किंशासा , एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो के विद्रोहियों ने अमेरिका पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। विद्रोही गुट 'एम-23' ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को पत्र लिखकर कहा कि अमेरिका शांति के लिए सही से मध्यस्थता नहीं कर रहा है। उनका कहना है कि अमेरिका केवल उन पर पाबंदियां लगा रहा है, जबकि कांगो सरकार की गलतियों को नजरअंदाज कर रहा है। कांगो का यह इलाका खनिज संपदा से भरपूर है और यहां दशकों से हिंसा चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले इस विवाद को सुलझाने का दावा किया था, लेकिन जमीन पर अभी भी लड़ाई जारी है। इस संघर्ष में अब तक हजारों लोग प्रभावित हो चुके हैं।

पाकिस्तान के बन्नू में आतंकी हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों ने एक पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया। हमलावरों ने पहले विस्फोटक से लदी गाड़ी से धमाका करने की कोशिश की और फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई ने एक बड़े आत्मघाती हमले को टाल दिया, लेकिन धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के कई घरों की छतें गिर गईं।

यूएई ने रातों-रात हजारों पाकिस्तानियों का बोरिया-बिस्तर बांधा; ना कारण बताया, ना मोहलत दी

अबू धाबी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान में जारी जंग के बीच खुद को मध्यस्थ यानी बिचौलिए के तौर पर पेश करने की पाकिस्तान की कोशिश उसी पर भारी पड़ गई है। पाकिस्तान के इस कदम से मुस्लिम देश संयुक्त अरब अमीरात (८श्व) के साथ उसके कूटनीतिक संबंध बिगड़ गए हैं। यूएई से बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी कामगारों को डिपोर्ट (निर्वासित) किया जा रहा है।

यूएई क्यों है पाकिस्तान से खफा : खाड़ी में कई हफ्तों तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने में पाकिस्तान ने अहम भूमिका निभाई है। अब न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई इस बात से बेहद नाराज है कि पाकिस्तान ने अमीराती क्षेत्र को निशाना बनाकर किए गए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा नहीं की। इसी नाराजगी के चलते यूएई की तरफ से पाकिस्तानियों पर यह सख्त कार्रवाई की जा रही है।

बिना कारण बताए हजारों पाकिस्तानियों को किया डिपोर्ट : न्यूयॉर्क टाइम्स ने कई पाकिस्तानी कामगारों और समुदाय के नेताओं से बातचीत के आधार पर बताया है कि हाल के हफ्तों में हजारों पाकिस्तानी शिया मुसलमानों को यूएई से निकाल दिया गया है। कई लोगों का दावा है कि उन्हें डिपोर्ट करने से पहले बिना कोई कारण बताए हिरासत में रखा गया था।

पाकिस्तानी शिया नेताओं का कहना है कि उनके समुदाय के लोगों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है,

क्योंकि उनके ईरान के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। सामुदायिक संगठनों का अनुमान है कि मध्य-अप्रैल से लेकर अब तक हजारों परिवार इस निर्वासन से प्रभावित हो चुके हैं।

हालांकि, यूएई ने अभी तक इन आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी ऐसे किसी सामूहिक निर्वासन अभियान के दावों को खारिज किया है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका : इस मुद्दे ने पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि यूएई से आने वाला पैसा पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी जीवन रेखा है। वर्तमान में 20 लाख से अधिक पाकिस्तानी यूएई में रहते और काम करते हैं। अकेले पिछले साल ही इन पाकिस्तानी कामगारों ने 8 अरब डॉलर से ज्यादा की रकम अपने देश भेजी थी। पाकिस्तान की कूटनीति और डगमगाती अर्थव्यवस्था इस समय खाड़ी देशों के बदलते रुख के बीच फंसी हुई है। एक तरफ जहां पाकिस्तान ने सऊदी अरब से अपनी नजदीकियां बढ़ाई हैं, वहीं दूसरी तरफ यूएई (८श्व) का रवैया उसके प्रति बेहद सख्त हो गया है। दशकों से पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को कर्ज का 'रोल-ओवर' करके सहारा देने वाले यूएई ने अपना 3.5 अरब डॉलर का कर्ज तुरंत वापस ले लिया है। अप्रैल 2026 में पाकिस्तान को मजबूरन यह भारी-भरकम कर्ज यूएई को चुकाना पड़ा, जिसके लिए उसे सऊदी अरब से मिली नई आर्थिक मदद (डिपॉजिट) का सहारा लेना पड़ा। यूएई का यह कदम साफ दर्शाता है कि पाकिस्तान का सऊदी की तरफ अधिक झुकाव और ईरान विवाद में उसकी मध्यस्थता वाली भूमिका के चलते अबू धाबी का रुख अब 'मुफ्त मदद' से बदलकर 'सख्त वसूली' वाला हो गया है।

अमेरिका 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' की तैयारी में : यह निर्वासन का मामला ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े संकेत दिए हैं। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ बातचीत विफल होती है, तो वॉशिंगटन 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को फिर से शुरू कर सकता है। यह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा के लिए बनाई गई एक समुद्री सुरक्षा पहल है। खाड़ी में जारी अस्थिरता के बीच ट्रंप ने साफ किया है कि इस ऑपरेशन को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' के नाम से और भी व्यापक रूप में वापस लाया जा सकता है।

बिना आईडी नेपाल में नहीं मिलेगी एंट्री, बालेन सरकार ने भारतीयों पर लगा दिया नया नियम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की बालेन सरकार ने भारतीयों पर नया नियम लगा दिया है। दरअसल, भारत से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। यही नहीं, नेपाल से भारत में प्रवेश करने वालों को भी परिचय पत्र दिखाना होगा। आधार या सरकार से जारी वैध पहचान पत्र मान्य हैं। इसे लेकर नेपाल प्रशासन शनिवार को एक्टिव हो गई। नई व्यवस्था लागू होने के बाद शनिवार को जोगबनी स्थित भारत-नेपाल सीमा पर दिनभर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पहचान पत्रों की सघन जांच के कारण सीमा पर वाहनों और राहगीरों की लंबी कतारें लग गईं। कोलकाता से आने वाली ट्रेन के जोगबनी स्टेशन पहुंचते ही बड़ी संख्या में यात्री नेपाल जाने के लिए सीमा पर पहुंच गए। नेपाल पुलिस के जवान पहचान पत्र जांचने के बाद ही लोगों को नेपाल में प्रवेश दे रहे थे। जिन लोगों के पास वैध पहचान पत्र नहीं था, उन्हें वापस लौटा दिया गया।

नेपाल के प्रमुख जिलाधिकारी युवराज कटेल ने स्पष्ट कहा कि सीमा पार करने के लिए पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। उधर, बहराइच से सटी नेपाल की करीब 17 किलोमीटर सीमा पट्टी में बड़ी संख्या में मधेशी समुदाय के लोग रहते हैं। नेपाली क्षेत्र के जमुनहा गांव में इस फैसले को लेकर तनाव का माहौल बताया जा रहा है। नेपाली

आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान आने-जाने वालों से पूछताछ और जांच के नाम पर सख्ती कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

चीनी घुसपैठ की आशंका लेकर पुलिस और एसएसबी अलर्ट ; उधर, नेपाल की सीमा से चीनी नागरिकों की घुसपैठ के मामलों के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों की पुलिस और एसएसबी को अलर्ट किया गया है। बिहार के बेतिया, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी समेत उत्तर बिहार के अन्य जिलों की पुलिस को इलाके के सभी प्रमुख होटलों और लॉज की नियमित जांच कराने का निर्देश दिया गया है। तीन दिनों पहले अररिया के जोगबनी बॉर्डर से भारत में घुसे चीनी नागरिक को बिना वैद्य दस्तावेज के पकड़ा गया था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि बीते चार मई को चीन के हुनान प्रांत का नागरिक झोउ हुआन नेपाली नंबर की स्कूटी से भारत में प्रवेश किया। बॉर्डर के पास में ही एसएसबी जवानों ने उसे रोक लिया। स्थानीय पुलिस ने उससे गहन पूछताछ की थी।

अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों पर साइबर हमला, परीक्षाओं के बीच मांगी बिटकॉइन फिरौती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के विश्वविद्यालयों और स्कूलों पर बड़े पैमाने पर हुए साइबर हमलों ने शिक्षा व्यवस्था को हिला दिया है। हैकर समूह शाइनीहंटर्स ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले का निशाना बना कैनवस नाम का ऑनलाइन शैक्षणिक मंच, जिसका इस्तेमाल दुनिया भर के हजारों विश्वविद्यालय और स्कूल पढ़ाई, असाइनमेंट और परीक्षाओं के संचालन के लिए करते हैं। हमले के कारण अंतिम परीक्षाओं और असाइनमेंट के महत्वपूर्ण दौर में व्यापक अव्यवस्था फैल गई। कई विश्वविद्यालयों को परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ीं, जबकि छात्रों और शिक्षकों को अपने डाटा और कार्य के सुरक्षित रहने को लेकर चिंता सताने लगी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार कैनवस की मालिक कंपनी इंस्ट्रक्चर ने शुक्रवार देर रात अपनी वेबसाइट पर बताया कि अधिकांश उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, लेकिन शनिवार तक भी कई संस्थानों में भारी व्यवधान बना रहा। रिपोर्टों के अनुसार इस साइबर हमले से दुनिया भर के लगभग 9000 शैक्षणिक संस्थान प्रभावित हुए। कई उपयोगकर्ताओं की स्क्रीन पर बिटकॉइन में फिरौती मांगने वाला संदेश दिखाई दिया, जिसमें दावा किया गया कि शाइनीहंटर्स ने इंस्ट्रक्चर के सिस्टम में सेंध लगा ली है और यदि भुगतान नहीं किया गया तो चोरी किया गया डेटा सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

मियामी में नाव में जोरदार धमाका, 11 लोग अस्पताल में भर्ती : मियामी , एजेंसी। अमेरिका के मियामी में हौलओवर सैंडबार के पास शनिवार दोपहर एक नाव में भीषण विस्फोट होने से हड़कंप मच गया। धमाका इतना जोरदार था कि नाव पर सवार कई लोग सीधे पानी में जा गिरे। मियामी-डेड फायर रेस्क्यू ने इस घटना को 'लेवल 2 मास कैजुअल्टी' घोषित करते हुए 25 से अधिक बचाव इकाइयों को मौके पर भेजा। इस हादसे में घायल हुए 11 लोगों को तुरंत पास के अस्पतालों में ले जाया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच और चश्मदीदों के अनुसार, यह विस्फोट नाव के इंजन में जमी पेट्रोल की गैस के कारण हो सकता है।

होर्मुज में गोलीबारी का शिकार हुआ भारतीय जहाज, गुजरात के नाविक की मौत; 5 घायल

तेहरान, एजेंसी। होर्मुज में एक और भारतीय जहाज गोलीबारी का शिकार हुआ है। नाविकों के एक संगठन के प्रतिनिधि के अनुसार, बीते शुक्रवार को यह घटना हुई, जब होर्मुज स्ट्रेट में दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में फंस जाने से गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। शिपिंग निदेशालय के अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि तो की, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने बताया कि वे इस मामले में सहायता प्रदान कर रहे हैं।

यह लकड़ी से बना जहाज था, जिसकी पहचान अल फैज नूर-ए-सुलेमानी 1 नाम से हुई है। इस जहाज में 18 लोगों का क्रू सवार था। यह 7 मई को दुबई से निकला था और यमन के मुक्कम की ओर जा रहा था, तभी 8 मई को रात करीब एक बजे, होर्मुज स्ट्रेट पार करते समय यह गोलीबारी की चपेट में आ गया। बता दें कि

ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद से ही होर्मुज टकराव का केंद्र बना हुआ है। ईरान ने लंबे समय से बिना इजाजत किसी भी जहाज को निकलने देने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसकी वजह से कच्चे तेल के दामों में भी बढ़ोतरी हो रही है। अधिकारियों को लिखे एक लेटर में इंडियन सेलिंग वेसल्स एसोसिएशन (गुजरात) के महासचिव, आदम भाया ने इस घटना को अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण और हिंसक झड़प बताया। मृतक अल्ताफ तालाब केर उस जहाज पर इंजन ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। वे गुजरात के द्वारका जिले के सलाया गांव के रहने वाले थे। बाकी क्रू सदस्यों को सुबह करीब 7 बजे (स्थानीय समय) MSV प्रेम सागर-I (BDI-1491) द्वारा बचा लिया गया और वे उसी दिन शाम 6 बजे तक दुबई पोर्ट पहुंच गए। उनका इलाज एक स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। एक सूत्र ने बताया कि घटना के तुरंत बाद भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने बचाए गए नागरिकों से मुलाकात की। 11 भारतीय जहाज होर्मुज से बाहर निकले इससे पहले गुरुवार को, विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि 11 भारतीय जहाज होर्मुज से बाहर निकल चुके हैं, जबकि 13 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में मौजूद हैं। एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, जायसवाल से उन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया कि क्या ईरानी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी से बचने के लिए पाकिस्तानी समुद्री सीमा और फिर भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजर सकते हैं, और क्या ऐसा करने के लिए भारतीय अधिकारियों से विशेष अनुमति लेने की आवश्यकता है। जायसवाल ने कहा, 'उन रिपोर्टों के संबंध में कि ईरानी जहाज नाकेबंदी से बचने के लिए भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजर सकते हैं। यदि अन्य देशों के जहाज अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में चलना चाहते हैं, तो किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।

ईरान के परमाणु हथियार बनाने का कोई सबूत नहीं: व्लादिमीर पुतिन

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को 'बहुत कठिन संघर्ष' बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा रूसः पुतिन पुतिन ने विक्ट्री डे परेड के बाद मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, रूस के ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। रूस दोनों पक्षों के संपर्क में है। इस संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ईरान और अमेरिका के बीच यह बहुत कठिन संघर्ष है। इससे हमारी स्थिति भी कठिन हो जाती है, क्योंकि हमारे ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। हम दोनों पक्षों के संपर्क में हैं। मुझे उम्मीद है कि यह संघर्ष जल्द खत्म होगा। मेरा मानना है कि कोई भी इसे जारी रखना नहीं चाहता। उन्होंने यह भी कहा, समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर क्या कहा? ईरान के परमाणु कार्यक्रम और परमाणु हथियार बनाने के आरोपों पर पुतिन ने कहा कि रूस ने 2015 में भी इस मामले में सहयोग किया था। उन्होंने बताया कि ईरान में बुशेहर परमाणु संयंत्र जैसी परियोजना केवल शांतिपूर्ण ऊर्जा उद्देश्यों के लिए हैं। उन्होंने कहा, हमने 2015 में भी ऐसा किया था। उस समय ईरान ने हम पर भरोसा किया था और उसके पीछे ठोस कारण थे। हम आज भी ईरान में परमाणु कार्यक्रमों पर काम कर रहे हैं। हमने बुशेहर संयंत्र का निर्माण पूरा किया। मौजूदा स्थिति से शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर हमारा काम प्रभावित नहीं है। 2015 में यह सभी देशों और ईरान के बीच समझौते की नींव बना था और इसका बहुत सकारात्मक असर हुआ था। हम फिर से वही करने के लिए तैयार हैं। 'ईरान के परमाणु हथियार विकसित करने के सबूत नहीं' पुतिन ने कहा कि रूस को कभी ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करना चाहता है। उन्होंने कहा, अगर सभी पक्ष सहमत हों, तो ईरान भरोसा कर सकता है कि वह अपनी परमाणु सामग्री एक मित्र देश को भेज सकता है, जो शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग करता रहेगा। हमने कभी नहीं कहा कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। मेरी राय में दूसरे देशों की भी इसमें रुचि हो सकती है। उन्होंने ईरान के यूरेनियम कार्यक्रम को लेकर पहले दिए गए प्रस्तावों का भी जिक्र किया। पुतिन ने कहा कि रूस ने सुझाव दिया था कि अंतरराष्ट्रीय निगरानी में संयुक्त परियोजनाओं के जरिये यूरेनियम का प्रसंस्करण किया जाए। यह पूरा काम संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए की निगरानी में हो सकता है।

मिस्र और कतर ने अमेरिका और ईरान से 'जिम्मेदारी और समझदारी' दिखाने की अपील की

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और कतर के प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान जसीम अल-थानी ने अमेरिका और ईरान से इस संवेदनशील समय में 'जिम्मेदारी' और 'समझदारी' से काम लेने की अपील की है। शनिवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि विवादों को सुलझाने के लिए कूटनीति और बातचीत का रास्ता अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता प्रक्रिया को समर्थन देने पर भी जोर दिया। यह जानकारी मिस्र के विदेश मंत्रालय ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की। उनका कहना था कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनीतिक समाधान को प्राथमिकता देना जरूरी है, ताकि क्षेत्र के लोगों के संसाधनों और हितों की रक्षा हो सके।

28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ। बाद में पाकिस्तान में लंबी शांति वार्ता भी हुई, लेकिन उससे कोई ठोस समझौता नहीं निकल सका।

कूटनीतिक कोशिशों के बावजूद हाल के दिनों में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास फिर तनाव बढ़ गया। अमेरिका ने ईरानी

जहाजों और तटीय इलाकों पर हमले किए, जबकि ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर मिसाइल और ड्रोन से जवाबी हमला किया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स नेवी ने शुक्रवार को कहा कि ईरानी सेना ने बड़े पैमाने पर संयुक्त सैन्य अभियान चलाया।

इसमें बैलिस्टिक मिसाइल, जहाज रोधी क्रूज मिसाइल और विस्फोटक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ईरान ने दावा किया कि इन हमलों का निशाना अमेरिकी युद्धपोत थे। ईरान ने यह भी कहा कि खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी जहाजों को काफी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद तीन अमेरिकी युद्धपोतों को होर्मुज क्षेत्र से पीछे हटना पड़ा। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 'बिना उकसावे वाले हमलों' को रोक दिया और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। सेंटकॉम के मुताबिक, अमेरिका तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन अपनी सेना की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तीनों अमेरिकी युद्धपोतों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

पीटर मगयार ने हंगरी के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली, जो ओर्बन युग के अंत का प्रतीक है

बुडापेस्ट, हंगरी , एजेंसी। हंगरी के नए प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार शनिवार को संसद भवन पहुंचे और उन्होंने पद की शपथ ली, जिससे विक्टर ओर्बन के 16 साल के निरंकुश शासन का अंत हो गया। पिछले महीने, मैग्यार की मध्य-दक्षिणपंथी टिस्ज़ा पार्टी ने एक आश्चर्यजनक उलटफेर में ओर्बन की राष्ट्रवादी-लोकप्रिय फ़िडेज़ पार्टी को हरा दिया, और हंगरी के साम्यवाद-पश्चात इतिहास में किसी भी अन्य पार्टी की तुलना में अधिक वोट और संसद में सीटें हासिल कीं। इस जीत से टिस्ज़ा को संसद में दो-तिहाई बहुमत मिला है, जिससे वह उन कई नीतियों को पलट सकती है जिनके कारण ओर्बन को उनके कई आलोचकों के बीच एक धुर दक्षिणपंथी तानाशाह के रूप में ख्याति मिली थी, कथित भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा सकती है और यूरोपीय संघ के भीतर राजनीतिक गतिशीलता को बदल सकती है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री ने महत्वपूर्ण निर्णयों को बार-बार वीटो करके ब्लॉक को उलट-पुलट कर दिया था। शनिवार को, मैग्यार अपने दल के 140 प्रतिनिधियों के साथ विशाल नव-गॉथिक शैली के संसद भवन में दाखिल हुए। हंगरी की 199 सीटों वाली संसद में अब उनके पास 141 सीटें हैं। ओर्बन के फिडेज़-केडीएनपी गठबंधन के पास अब 135 सीटों के मुकाबले 52 सीटें रह जाएंगी, जबकि धुर दक्षिणपंथी मी हाज़ांक (हमारी मातृभूमि) पार्टी के पास छह सीटें होंगी। स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11 बजे 199 प्रतिनिधियों ने पद की शपथ ली। 1990 में हंगरी की पहली कम्युनिस्ट-बाद की संसद के गठन के बाद से पहली बार ऐसा हुआ है कि ऑर्बन उनमें शामिल नहीं थे। नई राष्ट्रीय सभा में 54 महिला सांसद हैं, जिनमें से अधिकांश टिस्ज़ा पार्टी से हैं - जो कुल संख्या का एक चौथाई से अधिक है और हंगरी के इतिहास में सबसे अधिक है। मैग्यार, एक 45 वर्षीय

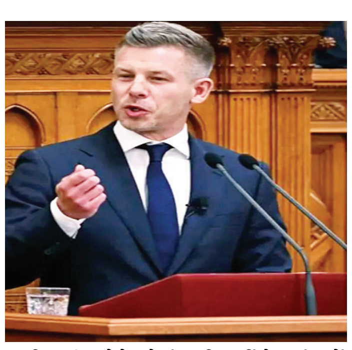

वकील, जिन्होंने ओर्बन की पार्टी में कई वर्षों तक अंदरूनी सूत्र के रूप में काम करने के बाद 2024 में टिस्ज़ा की स्थापना की, ने आधिकारिक भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संकल्प लिया है, जिसके बारे में उनका तर्क है कि इसने हंगरीवासियों को आर्थिक अवसरों से वंचित कर दिया है। नए प्रधानमंत्री ने हंगरीवासियों से संसद के बाहर पूरे दिन चलने वाले 'सत्ता परिवर्तन' समारोह में शामिल होने का आह्वान किया है, जो उनके शपथ ग्रहण और ओर्बन युग के अंत का प्रतीक है। नए प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ही कई हजार लोग पहले से ही एकत्रित हो चुके थे। स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3 बजे शपथ लेने के बाद, मैग्यार बाहर मौजूद भीड़ को संबोधित करेंगे। मैग्यार ने यूरोपीय संघ के साथ अपने देश के संबंधों को सुधारने का वादा किया है, जिसे ओर्बन ने टूटने की कगार पर पहुंचा दिया था, और पश्चिमी लोकतंत्रों के बीच हंगरी के स्थान को बहाल करने का भी वादा किया है, जिसकी प्रतिष्ठा पर तब सवाल उठने लगे थे जब ओर्बन रूस के और करीब आते जा रहे थे। हंगरी के लिए यूरोपीय संघ के लगभग 17 अरब यूरो (20 अरब डॉलर) के फंड को जारी करना, जिसे ओर्बन के कार्यकाल के दौरान कानून के शासन और भ्रष्टाचार संबंधी चिंताओं के कारण रोक दिया गया था, नए प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हंगरी की संघर्षरत अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए इस धन की सख्त जरूरत है, जो पिछले चार वर्षों से स्थिर है। इस प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में, टिस्ज़ा के अधिकारियों का कहना है कि वे संसद भवन के अग्रभाग पर एक बार फिर यूरोपीय संघ का ध्वज फहराएंगे, जिसे ओर्बन की सरकार ने 2014 में हटा दिया था। बुडापेस्ट के उदारवादी मेयर, गेर्गेली कराक्सोनी ने ऑर्बन के पतन और नई सरकार के गठन का जश्न मनाने के लिए शनिवार को बाद में डेन्यूब नदी के किनारे एक पार्टी का खुला निमंत्रण पोस्ट किया। कराक्सोनी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि पार्टी उन हंगेरियन लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहती है जिन्होंने वर्षों से ओर्बन की व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई हैः 'शिक्षकों को बर्खास्त किया गया, नागरिकों और पत्रकारों को अपमानित किया गया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.